ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • आषाढ़ शुक्ल पक्ष 03 • विक्रम संवत 2080 • बुधवार, 21 जून 2023 • वर्ष-29 • अंक-245 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

कृति सेनन ने 'आदिपुरुष' ट्रोलर्स को दिया... पेज 10 पर

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पलामू शहर व चैनपुर में मंगलवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। इस दौरान भगवान के दर्शन के साथ-साथ रथ की रस्सी खींचकर जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद पाने के लिए स्थानीय व आसपास के गांवों व बाहर से आये श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसमें महिला, पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग सभी शामिल थे। पेज-3 भी देखें।

वज्रपात की चपेट में आने से 9 वर्षीय अंकित की मौत से क्षेत्र में छाया मातम

पेशरार के रोरद में कुदरत के कहर ने ली मासूम की जान

नवीन मेल संवाददाता। पेशरार

जिले के अति सुदूरवर्ती व उग्रवाद प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र में एक बार फिर से कुदरत का कहर बरपा है। बता दें कि पेशरार थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रोरद में मंगलवार को दोपहर हुई वज्रपात ने रोरद गांव निवासी लाल भगत के 9 वर्षीय पुत्र अंकित भगत को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि अंकित भगत दोपहर करीब एक बजे अपने घर से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर छापरटोली आम चुनने गया था। इसी दौरान अचानक हुई आंधी के साथ वज्रपात ने मासूम को अपने चपेट में ले लिया। इधर जैसे ही परिजनों को घटना की सूचना मिली तत्काल घटनास्थल पहुंचे तो देखा कि अंकित भगत बेहोश हाल में पड़ा हुआ है। तत्पश्चात आनन-फानन में स्थानीय निवासी राजेश प्रजापति, शंकर प्रजापति एवं अन्य ग्रामीणों के सहयोग से अंकित को लोहरदगा सदर अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों की टीम ने जांच करने के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। इधर अंकित भगत की मौत से पूरे रोरद पंचायत और पेशरार प्रखंड क्षेत्र के गांवों में मातम छा गया है। साथ ही मासूम अंकित भगत की मौत से परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

वज्रपात व आंधी से ऐसे करें बचाव

- पेड़ के नीचे न रहें। क्योंकि, हवा के झोंके से पेड़ की टहनियां गिर सकती हैं।
- इस दौरान अगर आप घर से बाहर हैं, तो ऊंची जमीन या अलग-थलग पेड़ों से बचें और सुरक्षित स्थान में आश्रय लें।
- आंधी के बाद गिरे पेड़ की शाखाओं से सावधान रहें। बिजली की लाइनों से दूर रहें।
- गर्जन व वज्रपात की तात्कालिक चेतावनी प्राप्त करने के लिए दामिनी तथा सचेत ऐप का प्रयोग कर सकते हैं।

NEWS इन ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को दी जन्मदिन की बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। द्रौपदी मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक संथाली आदिवासी परिवार में हुआ था।मुख्यमंत्री सोरेन ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना की है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया है- देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अनेक-अनेक शुभकामनाएं और जोहार। परमात्मा आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु प्रदान करें, यही कामना करता हूं।

न्यायिक जांच आयोग ने आईएएस एक्का के मामले में मांगे साक्ष्य

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का मामले में न्यायिक जांच आयोग ने अब पांच जुलाई तक लोगों से साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा है। पहले इसकी मियाद 15 जून थी। आयोग का कहना है कि इस अवधि तक उम्मीद के अनुसार पर्याप्त लोगों ने प्रमाण के साथ संपर्क नहीं किया। आयोग ने कहा है कि यह अंतिम मौका है। आयोग ने फिर कहा है कि दलाल विशाल चौधरी के आवासीय कार्यालय से राजीव अरुण एक्का के सरकारी फाइलों के निष्पादन से जुड़े वायरल वीडियो से संबंधित किसी तरह का साक्ष्य अगर किसी के पास हो तो वह कांके रोड स्थित एक्साइज भवन में स्थित आयोग के कार्यालय में दे सकता है।

गिरिडीह में कुल्हाड़ी से मारकर पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

गिरिडीह। जिले के गावां थाना क्षेत्र अंतर्गत बिश्नीटीकर गांव में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी है। घटना मंगलवार दोपहर बाद की है। पुलिस ने आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि बिश्नीटीकर निवासी कोलेश्वर यादव (25) ने खाना बनाने के विवाद में इंदु देवी (22) की टांगी से प्रहार कर हत्या कर दी। महिला का मायका गावां थाना क्षेत्र के खेशनरो गांव में है। उसकी मां जनक्वा देवी ने कहा कि उसकी पुत्री की शादी ढाई वर्ष पूर्व बिश्नीटीकर निवासी कोलेश्वर यादव से हुई थी। कुछ माह बाद दहेज को लेकर उसकी बेटी को प्रताड़ित किया जाना लगा।

दो दशक से फरार हार्डकोर अपराधी शमीम गिरफ्तार

पुलिस को चकमा देने के लिए भेष बदल कर छुपा था, पुलिस को देख छत से कूदा

एक दर्जन से अधिक संगीन वारदातों में नामजद अभियुक्त है आरोपी

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

बगडू थाना प्रभारी पंकज शर्मा की अगुवाई में छापामारी कर दो दशक से फरार विभिन्न संगीन वारदातों को अंजाम देने वाले पेशेवर अपराधी शमीम अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान बगडू थाना क्षेत्र के महूगांव निवासी रहमान अंसारी का पुत्र शमीम अंसारी के रूप में पुलिस ने की है। शमीम अंसारी लूट, डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ निषेध अधिनियम समेत अन्य वारदातों का नामजद अभियुक्त है। इस संदर्भ में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि कई संगीन वारदातों को अंजाम देने वाला अपराधी शमीम अंसारी की तलाश पुलिस को लंबे समय से थी। न्यायालय से लगभग 18 साल से वह फरार घोषित चल रहा था। अपराधी शमीम अंसारी की गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता है। एसडीपीओ बीएन सिंह ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर बगडू थानेदार पंकज शर्मा की अगुवाई में पुलिस टीम ने सदर थाना क्षेत्र के रहमत नगर स्थित अनवर अंसारी के मकान में छापा मारा, जहां शमीम किराये पर रह रहा था। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए भेष बदल कर रह रहा था। पुलिस टीम जब रहमत नगर स्थित उसके ठिकाने पर पहुंची तो उसने छत से कूदकर भागने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर ही उसे दबोच लिया गया। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद उसने विभिन्न वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। एक दर्जन से अधिक संगीत वारदातों का वह नामजद अभियुक्त है। छापामारी दल में बगडू थाना प्रभारी पंकज शर्मा, सअनि लालजीत तुरी, हवलदार बच्ची मंडल, साबिर हुसैन, रिचर्ड सोरेन, मनोज सुरीन, सुलेमान अंसारी, कृष्णा गोप आदि शामिल थे।

लोहरदगा में कॉलेज के समीप युवक को मारी गोली

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के बीएस कॉलेज के समीप दिनदहाड़े दो युवकों ने गोली चला कर एक युवक को घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र के बसार टोली निवासी 23 वर्षीय अभिषेक कुमार साहू बीएस कॉलेज के समीप निवास के दुकान में बैठा था। इसी बीच मोटरसाइकिल में सवार दो अपराधी हेलमेट पहने पहुंचे और अभिषेक साहू पर गोली चला दिया। इस घटना में अभिषेक साहू के दाहिने हाथ में गोली लगी। इसके बाद मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे युवक ने चाकू से वार किया गया। चाकू उसके बाएं हाथ में लगी है। घटना के बाद अभिषेक कुमार साहू को सीधे सदर हॉस्पिटल पहुंचाया गया। अभिषेक ने कहा कि वह दोनों हमलावरों को पहचानता है। एक का नाम लाल रोशन नाथ शाहदेव है जो कुर्से का रहने वाला है तथा दूसरा राजन महतो बरही का रहने वाला है। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी अनिल उरांव सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की पड़ताल शुरू की।

झारखंड सरकार ट्रांसजेंडरों को देगी 1000 रुपये प्रतिमाह पेंशन

रांची। झारखंड सरकार राज्य के ट्रांसजेंडरों को सरकार हर माह 1000 रुपए पेंशन देगी। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है, अब इसे कैबिनेट में भेजने की तैयारी की जा रही है। लाभुकों का चयन करने के बाद सरकार पेंशन की राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजेगी। मंत्री जोबा मांझी और विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली कमिटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस योजना के शुरू होने से राज्यभर के करीब 14 हजार ट्रांसजेंडरों को इसका लाभ मिलेगा। पिछली वर्ष के चालू वित्तीय बजट में इसका प्रावधान नहीं किया गया था। पर इस साल के अनुपूरक बजट में ट्रांसजेंडर पेंशन मद में राशि का प्रावधान किया जाएगा। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में ट्रांसजेंडरों की संख्या 11,900 थी, जो कि अब बढ़कर 14 हजार हो गई है। सरकार के अनुसार यह योजना से ट्रांसजेंडरों के पुनर्वास और उनको मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य शुरू किया जा रहा है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक ट्रांसजेंडरों को सरकारी व्यवस्था में थर्ड जेंडर के रूप में शामिल तो कर लिया गया है लेकिन अभी भी समाज में उनको भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इस समुदाय के लोगों को अभी भी लोग हीन भावना से देखते है। इस समुदाय के अधिकांश लोग अभी भी शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अनुसार इस योजना का लाभ लेने के लिए ट्रांसजेंडर्स की उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए तथा उनके पास आधार कार्ड होना जरुरी है। अधिनियम 2019 के तहत जिला उपायुक्त के स्तर से सर्टिफाइड लोग ही ट्रांसजेंडर माने जाएंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले ट्रांसजेंडर को आवेदन करना पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में उन्हें बीडीओ और शहरी इलाकों में अंचलाधिकारी कार्यालय में आवेदन करना होगा। आवेदन करते समय इन आवेदकों को अपना आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पासबुक, ट्रांसजेंडर प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज जमा करने होंगे। हालांकि जो लोग पहले ही किसी अन्य पेंशन स्कीम का लाभ ले रहे हैं उनको इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

पलामू के चार कवियों को गीतिका श्री सम्मान

मेदिनीनगर। गीतिका सृजन व संवर्द्धन में उत्कृष्ट योगदान के लिए पलामू के चार कवियों--राकेश कुमार, अनुज कुमार पाठक,राम प्रवेश पण्डित और नीरज कुमार पाठक को अखिल भारतीय कवितालोक सृजन संस्थान, लखनऊ के द्वारा गीतिका श्री सम्मान 2023 प्रदान किया गया है। कवितालोक द्वारा गीतिका विधा के प्रणेता आचार्य ओम नीरव के जन्मदिन पर प्रत्येक वर्ष 20 जून को गीतिका दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है। यह सम्मान देश भर के 51 कवियों को प्रदान किया गया है। पलामू के कवियों राकेश कुमार, अनुज कुमार पाठक,राम प्रवेश पण्डित और नीरज कुमार पाठक को उनके इस सम्मान के लिए आचार्य ओम नीरव, प्रो सुभाष चन्द्र मिश्र, श्याम बिहारी श्यामल,कुमार मनीष अरविंद, सुरेंद्र कुमार मिश्र,श्रीधर प्रसाद द्विवेदी,डॉ अरुण सज्जन, प्रभात कुमार सुमन, सैकत चटर्जी, रविशंकर पांडेय, परशुराम तिवारी, अनुपमा तिवारी, डॉ पद्मा मिश्रा, मनीष मिश्र नन्दन,ज्योति चौधरी, विद्या वैभव भारद्वाज सहित कई साहित्यकारों एवं कवियों ने बधाई दी है।

झारखंड हाई कोर्ट से जेएसईबी के पूर्व अध्यक्ष की याचिका खारिज

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने मंगलवार को स्वर्णरेखा जल विद्युत परियोजना, सिकिदिरी के रखरखाव एवं मरम्मत में 20.87 करोड़ रुपये के हुए घोटाला मामले में झारखंड राज्य बिजली बोर्ड (जेएसईबी) के पूर्व अध्यक्ष शिवेंद्र नाथ वर्मा की याचिका खारिज कर दी है।

पूर्व में सभी पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। सीबीआई कोर्ट ने इस मामले में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), भोपाल के तीन वरीय पदाधिकारी एवं जेएसईबी के तत्कालीन अध्यक्ष शिवेंद्र नाथ वर्मा समेत सात लोगों के खिलाफ 17 जनवरी 2023 को आरोप तय किये थे। इसके पहले सीबीआई कोर्ट ने शिवेंद्र नाथ वर्मा की डिस्चार्ज पिटिशन खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में सीबीआई ने दो जून, 2016 को एफआईआर (संख्या 7/2016) दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ की थी।

तलब — विष्णु अग्रवाल करेंगे ईडी के सवालों का सामना

वकील व जेल अधीक्षक को भी समन जारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखण्ड के बड़े कारोबारी विष्णु अग्रवाल बुधवार को ईडी के सवालों का सामना करेंगे। ईडी रांची के चेशायर होम रोड की जमीन डील को लेकर विष्णु अग्रवाल से पूछताछ करेगी। बुधवार को दिन के 11 बजे विष्णु अग्रवाल को ईडी के जोनल ऑफिस में हाजिर होना है। वहीं दूसरी तरफ ईडी ने एक बार फिर रांची के जेल अधीक्षक हमीद अख्तर को भी पूछताछ के लिए समन जारी किया है।

फर्जी कागजात के आधार पर जमीन खरीदी : दरअसल रांची के चेशायर होम रोड की जमीन विष्णु अग्रवाल ने प्रेम प्रकाश के करीबी पुनीत भार्गव से खरीदी थी। जमीन के फर्जी कागजात अफसर अली ने कोलकाता के रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर बनाए थे। इस मामले में विष्णु अग्रवाल की भूमिका भी सामने आई है।इसी को लेकर ईडी विष्णु अग्रवाल से पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि इससे पहले मई महीनें में भी ईडी ने विष्णु अग्रवाल को समन किया था, लेकिन तब स्वास्थ्य कारणों से उनसे पूछताछ नहीं हो पायी थी। जबकि ईडी ने चार्जशीट में यह जिक्र किया है कि जमीन के फजीर्वाड़े में जो गिरोह शामिल था। उस गिरोह के सदस्य अफसर अली ने विष्णु अग्रवाल के द्वारा खरीदी गई जमीन में फजीर्वाड़े की जानकारी ईडी को दी है। ईडी को अफसर अली ने बयान दिया है कि चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन के फर्जी कागजात बनाए जाने के बाद उसके सहयोगी इम्तियाज अहमद ने इस जमीन की रजिस्ट्री प्रेम प्रकाश के करीब पुनीत भार्गव को की, इम्तियाज ने यह रजिस्ट्री 1।78 करोड़ में करने की बात डीड में दिखायी।बाद में पुनीत भार्गव ने इस जमीन की रजिस्ट्री 1।80 करोड़ में विष्णु अग्रवाल और उनकी पत्नी को बेच दी। दरअसल विष्णु अग्रवाल हर उस जमीन के पीछे सफेदपोश की तरह थे जिस पर आलीशान मल्टीप्लेक्स बनाए जाने की संभावनाएं थी।

हिमांशु मेहता को क्यों हुआ समन

सेना की जमीन पर असली मालिकत्व का दावा करने वाले जयंत करनाड ने भी फर्जी कागजात के जरिए सेना की जमीन हासिल करने की कोशिश की थी। ईडी ने जांच में पाया है कि जयंत करनाड के द्वारा भी जो दस्तावेज अपने अधिवक्ता हिमांशू कुमार मेहता के जरिए पेश किए गए थे, उनकी जांच करायी गई। जांच में यह पाया गया है कि जयंत करनाड के पक्ष में भी कागजातों की हेरफेर पूर्व में हुई थी।इसके बाद उन्होंने जमीन पर अपना दावा ठोंका था हाईकोर्ट से भी इन्हीं कागजातों के आधार पर अपने पक्ष में आर्डर भी जयंत करनाड ने हासिल कर लिया था। इसके बाद जयंत करनाड ने 14 लोगों को जमीन की रजिस्ट्री कर दी थी। ईडी ने जांच में पाया है कि जयंत करनाड ने भी सेना की जमीन को हासिल करने के लिए 1.29 करोड़ की राशि खर्च की।ईडी ने जयंत करनाड से जब पूछताछ की थी, तब उसने कबूल किया था कि उसके पास जमीन के कोई कागजात नहीं थे।

22 जनवरी 2024 को होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, 24 से गर्भगृह में भक्त दर्शन कर सकेंगे

प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 10 दिवसीय होगा

-ब्यूरो

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर में निमार्णाधीन राम लला मंदिर जनवरी 2024 में खुल जाएगा। 24 जनवरी से भव्य गर्भगृह में रामलला का दर्शन भक्तों को मिलने लगेगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मकर संक्रांति से शुरू होगा। य गर्भगृह में रामलला को विराजित करने पीएम अयोध्या आएंगे।161 फीट ऊंचे दिव्य-भव्य राम मंदिर में रामलला के प्राणप्रतिष्ठा की तिथि सामने आ गयी है। एक न्यूज चैनल को दिए गए साक्षात्कार में राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया है कि दिसंबर 2023 तक राम मंदिर भक्तों के दर्शन लायक बन जाएगा। तीन मंजिला राम मंदिर के भूतल का काम पूरा हो चुका है। बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों के अनुसार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा मकर संक्रांति के बाद होनी चाहिए। ऐसे में 14-15 जनवरी 2024 से 24 जनवरी के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न कर लिया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 10 दिवसीय होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा है कि गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त 22 जनवरी को होने वाला पत्र आया है। एक पदाधिकारी ने कहा है कि 24-25 जनवरी से भव्य गर्भगृह में भक्तों को रामलला का दर्शन प्राप्त होने लगेगा। मालूम हो कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को के लिए ट्रस्ट ने देश के शीर्ष ज्योतिषियों से मुहूर्त निकलवाए हैं। ज्योतिषियों द्वारा दिए गए शुभ मुहूर्त में 21,22, 24 व 25 जनवरी की तिथि शामिल है। ट्रस्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो सकती है, क्योंकि यह सबसे उत्तम तिथि बताई जा रही है। यह भी तय है कि रामलला को नए घर में विराजमान करने पीएम मोदी आएंगे। 15 जून को भरतकुंड में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा था कि पीएम के हाथों से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उससे पहले अयोध्या सुंदरतम नगरी बन जाएगी। वहीं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा पीएम मोदी को आमंत्रण भी भेजा जा चुका है। प्राणप्रतिष्ठा के लिए रामलला की अचल मूर्ति के निर्माण का काम भी तेजी से चल रहा है। नवंबर तक मूर्ति बनकर तैयार हो जाएगी।

NEWS इन ब्रीफ

गौशाला में अगलगी से एक भैंस की मौत

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड के चौकड़ी पंचायत चौकड़ी अंर्तगत सरगाड़ा गांव के टोला नावाडीह निवासी रामलखन यादव के गौशाला में सोमवार की मध्यरात्रि अचानक आग लग गई। इस घटना में आग से झुलसने से एक भैंस की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि आग की लपट उठते ही अपने दमखम पर सात अन्य भैंसें खूंटा तोड़कर भाग निकलीं। भुक्तभोगी रामलखन यादव ने बताया कि आग कैसे लगी, उन्हें भी पता नहीं चल सका है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल के आसपास से कोई भी बिजली का तार भी नहीं गुजरा है। न ही उस स्थान पर रसोई बनाने का काम होता है। उन्होंने किसी असमाजिक तत्वों द्वारा जान बूझकर उनके गौशाला में आग लगाने की आशंका व्यक्त की है। इस घटना का पंचायत प्रतिनिधियों ने लेकर अपने स्तर पर छानबीन शुरू कर दी है।

लॉन्च हुई हीरो पैशन प्लस बाइक

हरिहरगंज। देश के अग्रणी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी पॉपुलर बाइक पैशन प्लस 100 सीसी नये उत्पाद लॉन्चिंग की। लॉन्चिंग के तुरंत बाद भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सह युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने मंगलवार को शहर के पुरानी बस स्टैंड के समीप जय दुर्गे ऑटो हीरो बाइक शोरूम में पहले ग्राहक संजय कुमार मेहता को चाबी सौंपी। श्री रंजन ने कहा कि इस शोरूम में हीरो के विभिन्न मॉडलों की बाईक उपलब्ध है। इससे यहां के लोगों को सुविधा मिलेगी। वहीं दूसरी ओर ऑटो, बाईक की सर्विसिंग का लाभ भी मिलेगा। जबकि प्रोपराइटर राकेश चौबे ने कहा कि शोरूम में हीरो कम्पनी के विभिन्न प्रकार के बाइक उपलब्ध है। इस मौके पर नवीन कुमार दुबे, कृष्णा साव, राजेश रंजन मिश्रा, अमित चौबे, अमीन खान, दिनेश स्वर्णकार, विजय प्रजापति सहित कई लोग मौजूद थे।

दीपू को कोचिंग संस्थान ने किया सम्मानित

हरिहरगंज। नीट की परीक्षा में सफल छात्र दीपू कुमार को हरिहरगंज के इन्नोवेटिव एंड स्मार्ट क्लासेस में मंगलवार को सेंटर के निदेशक इंजीनियर वाल्टर सर ने दीपू को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इन्नोवेटिव एंड स्मार्ट क्लासेस के पूर्ववर्ती छात्र रहे दीपू कटकोमा गांव के रहने वाला है। उसने नीट की परीक्षा में 720 में 630 अंक प्राप्त की है। इनकी ऑल इंडिया रैंकिंग (जनरल) में 14022 तथा ओबीसी में 5688 स्थान प्राप्त किया है। दीपू की पढ़ाई 10वीं तथा 12वीं तक इन्नोवेटिव एंड स्मार्ट क्लासेस में हुई। वह शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है। उसकी इस सफलता पर संस्थान के निदेशक वाल्टर सर ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। उन्होंने कहा कि दीपू से हरिहरगंज के छात्रों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुखिया ने वितरित किये वृद्धा पेंशन पत्र

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। सुगना पंचायत की मुखिया मंजू देवी व समाजसेवी सुरेंद्र सिंह के द्वारा 10 लोगों को वृद्धा पेंशन पत्र की स्वीकृति प्रदान की गई। पेंशन पत्र पाकर लाभुकों ने खुशी जाहिर की। मुखिया मंजू देवी ने बताया कि पंचायत के हर गरीब,वृद्ध दब के लोगों को सरकार के लाभ दिया जाएगा। मुखिया ने बताया कि सुगना पंचायत में जितने भी पेंशन योग लाभुक पेंशन से वंचित है उन्हें हर संभव लाभ दिलवाले का प्रयास करूंगा। मुखिया द्वारा पेंशन पत्र, खरौंधा, नवादा के ग्रामीण अजीत सिंह, सविता देवी, रदिजा बीबी, शकीला बेबी, संगीता देवी, समेत अन्य को दिया गया। पेंशन पत्र पाकर लाभुकों ने मुखिया के प्रति आभार प्रकट किया।

एसबीआई के पार्किंग एरिया से मोटरसाइकल की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर भारतीय स्टेट बैंक परिसर कि पार्किंग एरिया से मंगलवार को एक पैशन प्रो मोटरसाइकल चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार पांडु थाना क्षेत्र के रतनाग गांव निवासी दिनेश पासवान बैकिंग कार्य से एसबीआई के विश्रामपुर शाखा में आए हुए थे। अपनी मोटरसाइकल बैंक के पार्किंग एरिया में खड़ी कर वो अंदर चले गए।जब काम पूरा होने के बाद वे बैंक से बाहर निकले तब उनकी मोटरसाइकल गायब थी।काफी खोजबीन के बाद भी जब मोटरसाइकल नही मिली तो दिनेश पासवान ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

डीलर पर ग्रामीणों में राशन न देने का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। प्रखंड के कुलहिया पंचायत अंतर्गत जगदीशपुर गांव के ग्रामीणों ने हरिहरगंज बीडीओ जयप्रकाश नारायण को हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर गंगा स्वयं सहायता समूह पर राशन नहीं देने का आरोप लगाया है। आवेदन में कहा गया है कि कार्डधारियों को जून माह का राशन नहीं दिया गया है। जबकि कार्डधारियों से ई पोस मशीन में अंगूठे का निशान ले लिया गया है। कार्डधारी शिवपूजन मेहता, गीता देवी, पार्वती देवी, दुखनी देवी व बैकुंठ यादव आदि ने आरोप लगाया है कि समूह के सचिव रिंकी देवी के द्वारा बार-बार यह कहा जाता है कि आवंटन अभी प्राप्त नहीं हुआ है। आवंटन आते ही राशन दे दिया जाएगा। वही कार्डधारियों ने राशन कालाबाजारी का अंदेशा जाहिर किया है। साथ ही जांच उपरांत कार्रवाई करने की मांग की है।

सेवानिवृत पशुपालन कर्मी की पत्नी का निधन

विश्रामपुर। नप मुख्यालय के सेवानिवृत पशुपालन कर्मी के 77 वर्षीय पत्नी बिमला देवी का आज लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। बिमला देवी के निधन की खबर मिलते ही विश्रामपुर विधायक के पुत्र सह भाजपा नेता डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी मृतक के घर गए। श्री चंद्रवंशी ने मृतक को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उन्होने परिजनों को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल,इदरीश हवारी,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम ,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि विजय कुमार रवि, दामोदर यादव, संतोष राम ,अजय केशरी, विकाश चंद्रवंशी सहित कई लोग मौजूद थे।

नगर परिषद का नया कारनामा

जलमीनार से पेयजलापूर्ति शुरू नही, चापानल को भी कर दिया बंद

लोगों को एक एक बूंद पानी के लिए तरसाना पड़ रहा है

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। पलामू जिला में तापमान चरम पर है। जिससे लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। प्रचंड गर्मी में पानी के लिए मचे हाहाकार के बीच सामने आया है। नगर परिषद द्वारा पेयजलापूर्ति हेतु लगभग सभी वार्डों में एक एक जलमीनार लगवाया गया। लेकिन यह जलमीनार ही लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया। हुआ यूं कि जहां भी जलमीनार लगा वहां पहले से सरकारी चापानल था। जिससे लोग पानी ले जाकर पीते थे। उसी चापानल के पास जलमीनार का अधिष्ठापान कराया गया। चापानल में समरसेबल मशीन डाला गया। जिससे पेयजल की आपूर्ति करनी थी। लेकिन जलमीनार से पेयजलापूर्ति शुरू भी नहीं हुई और चापानल भी खराब हो गाया। जिसके चलते लोगों को एक एक बूंद पानी के लिए तरसाना पड़ रहा है। नगर परिषद अंतर्गत वार्ड नंबर 19 के पचघारा खुर्द गांव में एक माह पहले जलमीनार लगवाया गया। जलमीनार से एक बूंद भी पानी नहीं निकला और पहले से लगा चापानल भी खराब हो गया। पेयजल हेतु इसी चापानल पर टोले के 25 घर आश्रित थे। अब इस टोला के लोग दो किमी दूर से पीने का पानी ला रहे है। जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत निवर्तमान वार्ड पार्षद सलीमुदीन अंसारी से किया तो उन्होंने नप कार्यालय को इसकी जानकारी देते हुए जलमीनार को चालू करने का आग्रह किया।लेकिन पंद्रह दिन बाद भी न तो जलमीनार को चालू किया गया और न ही चापानल को ही ठीक कराया गया।सलीमुदीन अंसारी ने कहा कि नगर परिषद के कार्यप्रणाली से चंद ठिकेदार मालामाल हो रहे हैं और निरीह जनता एक एक बूंद पानी के लिए तरस रही है।उन्होंने नगर परिषद के इस दावे को भी झूठा करार दिया की सभी वार्ड में टैंकर से पानी दिया जा रहा है।श्री अंसारी ने नप के सहायक नगर आयुक्त मो परवेज से टैंकर द्वारा पेयजलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है।पचघरा खुर्द गांव इस मामले में सिर्फ एक बानगी है। कामोबेस सभी वार्डों का यही हाल है। इस बाबत पूछे जाने पर नप के नगर प्रबंधक भी कोई जवाब नही दे पा रहे हैं। सिर्फ चापानल बनवाने और जलमीनार को जल्द शुरू होने की बात कर रहे हैं।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं :मनीष भीवानिया

मेदिनीनगर। मारवाड़ी युवा मंच के तत्वाधान में संस्था के सदस्य मनीष भीवानिया द्वारा 10 वीं बार रक्तदान किया गया।मनीष सामाजिक कार्यों में सदा बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। श्री भीवानिया ओबीसी मोर्चा भाजपा के जिला उपाध्यक्ष है, पूर्व में पलामू जिला अखिल भारतीय वैश्य महासंघ के जिला मंत्री भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीते जी रक्तदान ,जीवन के बाद नेत्रदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान करने से हमारे शरीर में ताजगी आती है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए रक्तदान जीवनदान है।इस अवसर पर श्याम पोद्दार, विमल उदयपुरी,अमित किरदार,गिरधारी गर्ग, पुनीत लाट,राकेश सुरेका,ज्ञानदत्त,सज्जन सिंघई,टिकू आदि उपस्थित थे।

मजदूरी करने केरल जा रहा मजदूर बीच रास्ते से लापता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना अंतर्गत दरुआ (चांपी) निवासी मंगर उरांव (30 वर्ष) पिता भुनू उरांव गत 10 जून को घर से मजदूरी करने के लिए केरल जाने के लिए निकला था। रास्ते में मानसिक संतुलन खराब होने के कारण वह भटक गया। नतीजतन वह आज तक घर वापस नहीं लौटा। जिससे उसके परिजन काफी परेशान हैं। परिजनों ने सरकार व जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगायी है।परिजनों के मुताबिक भटकने के क्रम में उड़ीसा से एक ट्रक ड्राइवर ने फोन पर 17 जून को घरवालों से बात करवाई थी। फोन पर पत्नी से उसने जल्द घर लौटने की बात कही लेकिन समाचार लिखे जाने तक वह घर नहीं पहुंचा है।मंगर उरांव के दो पुत्र और एक पुत्री हैं। घर के एकमात्र कमाऊ सदस्य के इस तरह गायब हो जाने से परिजन काफी परेशान हैं। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मदद की गुहार लगायी है।इधर, धावाडीह के समाजसेवी उमेश यादव सोमवार को मंगर उरांव के घर पहुंचकर परिजनों को दिलासा दिया। साथ ही आर्थिक मदद तथा राशन उपलब्ध करवाया।उन्होंने मंगर के जल्द से जल्द सकुशल घर पहुंचने का भरोसा दिलाया।

गर्मी बनी जानलेवा, लू लगने से दो लोगों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न कारणों से कई लोगों की मौत होने का क्रम जारी है। इससे क्षेत्रीय लोग डरे सहमें घरों में दुबकना ही श्रेयस्कर समझा है। चौक बाजार निवासी बिरला नाम से चर्चित प्रतिष्ठित व्यवसायी सरयू प्रसाद गुप्ता (88) का अचानक हृदय गति रुकने से निधन होगया। वहीं हैदरनगर मेन रोड स्थित पीडीएस डीलर परमेश्वर राम (70) का निधन लू की चपेट में आने से सोमवार की देर शाम हो गई। परिजनों के अनुसार उक्त पीडीएस दुकानदार सोमवार को झारखंड खाद्य निगम के हुसैनाबाद स्थित गोदाम से खुली ट्रैक्टर के ट्रेलर में बैठकर अनाज का उठावकरने आठ किलोमीटर दूर गये थे। पहला ट्रिप अनाज प्रतिष्ठान में लाने के बाद पुनः शेष अनाज का उठाव करने हुसैनाबाद स्थित गोदाम पर पहुंचने के बाद वहीं बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल मेदिनीनगर रेफरकर दिया गया। किन्तु उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दी। इस घटना से फेयर प्राईस डीलर एशोसिएसन हैदरनगर इकाई के सचिव मृत्यंजय सिंह के अलावे सदस्यों में मथुरा प्रसाद, कपीलदेव मेहता, कामता दूबे, अशोक राम, अजय राम, संतोष प्रसाद गुप्ता सहित अन्य ने गहरा दुख व्यक्त कर प्रशासन के प्रति कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की लापरवाही से अन्य कई डीलरों की जान जाती रहेगी। हैदरनगर में खाद्य गोदाम स्थापित तो किये गये, पर लगातार मांग पत्र देने के बावजूद उनकी असुविधा को कायम रखने का कार्य किया है। उधर हैदरनगर के केवाल गांव निवासी चालक नजरुद्दीन खान (55) की मौत लू लगने से अचानक हो गई।

राजहरा कोलियरी के पुनः उत्पादन को लेकर उदघाटन महज धोखा : पाठक

मेदिनीनगर। राजहारा कोलियरी में उत्पादन शुरू नही होने के मामले में पलामू जिला कांग्रेस कमेटी ने सवाल खडा किया है। अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टु पाठक ने सासंद के उस हालिया बयान पर सवाल खडा करते हुये कहा कि आखिर सांसद को यह कब पता चला कि कोलियरी में रैयतों को नौकरी देने का मामला लंबित है? पहले नौकरी और जमीन का मुआवजा देने का मामला सुलझना चाहिए था लेकिन इसके बिना ही सासंद ने 25 फरवरी 2019 को कोलियरी से पुनः उत्पादन के उद्घाटन का बड़ा-बड़ा होर्डिंग लगाकर झुठी वाहवाही लूटने का कार्य किया। उदघाटन के बाद से लेकर सांसद कई बार अधिकारियों के साथ कोलियरी का निरीक्षण कर यह कहते रहे कि जल्द ही राजहरा कोलियरी का उत्पादन शुरू हो जायेगा। पहले तो रैयतों को नौकरी और मुआवजा की मांग की अनदेखी कर सासंद ने कोलियरी खुलवाने की कोशिश की,लेकिन जब विभाग के लोगों ने कहा दिया ऐसा करना संभव नहीं है। इधर लोकसभा चुनाव नजदीके आते देख सासंद रैयतों की हितैषी बनने के लिए यह कह रहे है कि उनके द्वारा ही रैयतों के लिए प्रयास किया जा रहा है। जब तक इस समस्या का समाधान नही होगा तब तक कोलियरी में उत्पादन शुरू नही होगा। उन्होंने सासंद महोदय को यह बताना चाहिए जब उन्हें यह ज्ञात था कि रैयतों की समस्या नही सुलझी है, तब उदघाटन का पाखंड क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि इससे यह साफ हो रहा है कि भाजपा की राजनीति ही झुठ की बुनियाद पर टिकी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भाजपा की बैठक

मेदिनीनगर। परिसदन भवन मेदिनीनगर में प्रमंडलीय प्रभारी गणेश मिश्रा के साथ महा जनसंपर्क अभियान टोली, जिलाध्यक्ष विजयानंद पाठक, सांसद विष्णु दयाल राम एवं जिला पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में घर-घर संपर्क अभियान को सफल बनाने को लेकर बिंदुवार चर्चा हुई। प्रत्येक शक्ति केंद्र से घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। जिसमे मंडल की टोली एवं बुथ समितियों के कार्यकर्ता भाग लेंगे। मंडल प्रभारी प्रत्येक दिन बूथ स्तरीय मॉनिटरिंग करते रहेंगे। घर-घर संपर्क के दौरान मोदी सरकार के 9 साल की उपलब्धियों एवं पलामू सांसद द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए गए कार्यों का विवरण हैंड बिल के माध्यम से लोगों में वितरित करेंगे। घर-घर संपर्क टोली द्वारा केंद्र की मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार पुस्तिका एवं स्टीकर के माध्यम से किया जाएगा। प्रदेश से प्राप्त प्रचार प्रसार सामग्री किट्स जिला पदाधिकारियों के माध्यम से मंडल अध्यक्षों की निगरानी में शक्ति केंद्रों तक पहुंचाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गांधी पार्क स्टेशन रोड मेदिनीनगर में प्रातः 5:30 से 6:30 बजे तक होगा योगा कार्यक्रम-आनंद शंकर और विजय ओझा बनाए गए हैं प्रभारी।

विधायक ने कब्रिस्तान की घेराबंदी का शिलान्यास किया

हुसैनाबाद। स्थानीय विधायक कमलेश कुमार सिंह ने विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत ककोरिया व झरगड़ा कब्रिस्तान की घेराबंदी का शिलान्यास ऑनलाइन किया। विधायक कमलेश कुमार सिंह ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का होता है। इंसानियत के रास्ते पर चलकर ही सभी का प्यार और सम्मान पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मंदिर और मस्जिद दोनो में ईश्वर का वास होता है। उनके लिए दोनो एक समान है। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में 16 मदरसों, दो निकाह भवन समेत मस्जिदों तक सड़क का निर्माण के अलावा अल्पसंख्यक गांवों में बराबरी से कार्य कराया। सभी के लिए सड़क, बिजली, अस्पताल, शिक्षा की समुचित व्यवस्था की। इस कार्यकाल में 28 ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। अन्य 51 सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। 22 कब्रिस्तानों की घेराबंदी की स्वीकृति के साथ और कब्रिस्तानों व शमशान की घेराबंदी की स्वीकृति दिलाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मौके पर उपस्थित विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह ने कहा कि एनसीपी परिवार शुरू से सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखता है। विधायक कमलेश कुमार सिंह सभी को एक समान सम्मान करते हैं। उन्होंने विकास की राजनीति को अपनाने की अपील उपस्थित लोगों से की।

युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। टीओपी 3 प्रभारी मंटूस्ट महतो और महिला थाना के ड्राइवर रविंद्र यादव के नेतृत्व में मंगलवार की सुबह सड़क पर गंभीर अवस्था में पड़े एक घायल युवक को इलाज के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। घायल युवक मेदिनीनगर शहर के बेलवा टीकर निवासी सुरेश चंद्रवंशी का पुत्र है।घायल व्यक्ति के बारे में टीओपी प्रभारी मंटस्ट कुमार महतो ने बताया कि वह मंगलवार की सुबह ड्यूटी जा रहे थे इसी बीच रास्ते में देखा कि एक युवक गंभीर अवस्था में सड़क पर पड़ा हुआ है। इसके बाद उन्होंने महिला थाना के ड्राइवर चालक विरेंदर यादव के सहयोग से उस गम्भीर व्यक्ति को इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल लाया। अस्पताल में युवक ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी से झगड़ा कर घर में रखे जहरीला पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया है। वही गंभीर व्यक्ति रवि चंद्रवंशी के पत्नी रीना देवी ने बताया कि पति के दारु पीने को लेकर कुछ दिन पहले हम दोनो के बीच लड़ाई झगड़ा हुआ था। उसके बाद से हम घर में नहीं रह रहे थे। इसी बीच रवि रविवार की सुबह जहरीला पदार्थ खाकर मेरे पति ने आत्महत्या करने का प्रयास किया।

आस्था

रथ पर सवार हो भगवान शिव व माता पार्वती ने किया नगर भ्रमण

नव निर्मित मंदिर में देव प्रतिमाओं की होगी प्राण प्रतिष्ठा

महाभंडारे के साथ अनुष्ठान का समापन होगा

जयकारे से गुंजायमान हुआ क्षेत्र

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय में रथ पर सवार होकर भगवान शिव और माता पार्वती ने नगर भ्रमण किया। नगर भ्रमण में देव प्रतिमाओं के साथ सैकड़ों श्रद्धालु भी शामिल थे। बुधवार को देव प्रतिमाओं को नव निर्मित मंदिर में स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान होगा। इसके बाद महाभंडारे के साथ अनुष्ठान का समापन होगा। मंगलवार को मंदिर प्रांगण से नगर भ्रमण हेतु गाजे बाजे के साथ श्रद्धालु निकले। इस दौरान जयकारे से क्षेत्र गुंजायमान हो गया। जिसके चलते पूरा नप क्षेत्र भक्तिमय रहा। नगर भ्रमण में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी,समाजीक सेवा समिति अध्यक्ष संजय पांडेय, वरीय राजद नेता ओम प्रकाश गुप्ता उर्फ गुड्डू गुप्ता, विधायक के नगर प्रतिनिधि राजन पांडेय, प्रखंड प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम,शिववंश मिश्रा, श्याम सुंदर साव,कामेश्वर केशरी, सुनील कुमार चौधरी, संजय ठाकुर,संतोष राम, इसरार हवारी, शंकर केशरी, संतोष केशरी, सत्यम सोनी, अमित चौधरी, नितेश कुमार, विजय कुमार, सीताराम यादव, शमशेर आलम, कुशवंती देवी, शशि देवी,मनोरम देवी, राज, विकास कुमार, रौशन सोनी, शिवबंश मिश्रा सहित सैकड़ो श्रद्धालु शामिल हुए।

बारिश के इंतजार व बिजली की आंख मिचौली ने रुलाया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में उमस भरी गर्मी में जहां सब आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। वहीं बिजली कटौती ने लोगों को और परेशान कर रखा है। पानी के लिए भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।शहरी क्षेत्रों में लग रहे बार-बार बिजली के कट लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। दिनभर में चार से पांच कट लग रहे हैं। जोकि कभी आधा घंटा तो कभी एक घंटे के लंबे कट होते है। इस प्रकार नियमित बिजली आपूर्ति नहीं होने से लोगों के घरों में रखे इन्वर्टर भी चार्ज नहीं हो पाते है। वहीं बाजारों में बिजली आधारित कार्य करने वाले दुकानदारों के कार्य भी नहीं हो पाते है।रात को फ्यूज या फाल्ट ठीक करने में लग जाते हैं कई घंटे कई बार अत्यधिक दबाव के चलते लाइन फाल्ट होने के अलावा फ्यूज भी उड़ जाते हैं। इनको ठीक करने में कई घंटों का समय लग जाता है। अगर रात के समय लाइन फाल्ट या फ्यूज उड़ जाए तो ये शिकायत के बाद भी ठीक नहीं हो पाते है। वही नगर निगम क्षेत्र में सुबह शाम रात कभी भी अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। इसके चलते लोगों को सुबह के समय पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता है। आपूर्ति सुचारू हो पर भी बिजली की आंख मिचौली जारी रहती है। यहां तक की साप्ताहिक अवकाश के बावजूद भी सुबह कटौती के बाद बिजली आपूर्ति सुचारू हुई तो बिजली की आंख मिचौनी जारी रही। शहरों व गांवों को 20-22 घंटे और शहरी क्षेत्र में 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने का दावा आज फेल दिखाई दे रहा है। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं हो रहा है। उमस भरी गर्मी के बीच पिछले एक सप्ताह से शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के अघोषित कट लग रहे हैं। विशेषकर रात के समय लोगों को परेशानी हो रही है।

NEWS इन ब्रीफ

जेएमएम पार्टी की प्रेसवार्ता सह सम्मान समारोह आयोजित

मेदिनीनगर। शहर के परिसदन में जेएमएम पार्टी के द्वारा प्रेसवार्ता सह सम्मान समारोह का किया गया आयोजन। न्यास बोर्ड के सदस्य बनाये जाने पर संजीव तिवारी को जेएमएम पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा के नेतृत्व में सभी नेता और कार्यकताओं ने बुके देकर माला पहनाकर सम्मानित किया । वही न्यास बोर्ड के सदस्य संजीव तिवारी ने कहा कि उनको मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने का बड़ा काम सौंपा है वे उनके कार्यो को बेहतर ढंग से करेंगे साथ नही कहा कि अब भाजपा की सरकार झारखण्ड में नही चलेगी सिर्फ खटट की सरकार ही चलेगी । वही जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी में जेएमएम पार्टी पूरी तरह जुट गई है वही भाजपा पर निशाना साधते हुए जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा ने कहा कि भाजपा की सरकार अपनी कार्यकाल में सिर्फ जनता के साथ छलावा किया है कोई भी काम धरातल पर उतारने का काम नही किया है सिर्फ दिखावा ही किया है लेकिन जेएमएम की सरकार आने के बाद हरेक कार्य को धरातल पर लाया गया है । अब भाजपा की सरकार झारखण्ड में वापस दोबारा नही आने वाली है आगे भी जेएमएम की सरकार ही झारखण्ड में आएगी।

सीएससी डिजिटल में धोखा धडी का मामला आया सामने

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बैंक खाता से डिजिटल धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। यह मामला रामगढ़ प्रखंड के नावाडीह पंचायत का है। नावाडीह (बरवाही) में डिजिटल इंडिया के तहत उज्जवल कम्युनिकेशन नाम से सीएससी का संचालन किया जाता है। जिसके प्रोपराइटर राजेंद्र प्रसाद हैं। राजेंद्र प्रसाद बचत खाता एवं चालू खाता खोलने का भी काम करते हैं। सीएससी उज्जवल कम्युनिकेशन के द्वारा कई लोगों का खाता खोला गया है। नावाडीह गांव स्थित पिपराही टोला के निवासी आदिम जनजाति समूह की बासमती देवी पति

मंगल कोरवा ने अपना खाता राजेंद्र प्रसाद से खुलवाया। राजेंद्र प्रसाद ने उनका खाता एक्सिस बैंक का खाता खोला। खाता खोलते वक्त उसने बासमती देवी के खाता में अपना मोबाइल नंबर डाल दिया। जब एटीएम बन कर आया तो राजेंद्र प्रसाद बासमती देवी के अकाउंट से अपना फोन पे चलाने लगे। बासमती देवी के अकाउंट में बिरसा आवास योजना की राशि आई थी। फोन पे के माध्यम से राजेंद्र प्रसाद उनका पैसा निकालने लगे। नावाडीह पंचायत समिति सदस्य पिंकी सुरेन को यह जानकारी मिली तो उसने जांच पड़ताल शुरू कर दिया। जांच पड़ताल में यह मामला सत्य पाया गया और राजेंद्र प्रसाद दोषी साबित हुआ। उक्त जानकारी पंचायत समिति सदस्य पिंकी सुरेन ने दी। ग्रामीणों ने खबर दी कि राजेंद्र प्रसाद लोगों के सामने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए माफी मांगा है और आगे इस तरह की घटना नहीं करने का विश्वास दिलाया है। इस घटना को लेकर झारखंड मजदूर किसान यूनियन के महासचिव हेमंत दास ने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय कार्य है। लॉकडाउन के दौरान एक सीएससी संचालक ऐसे ही मामले में जेल जा चुका है। हम बैंक प्रबंधन और प्रशासन से मांग करते हैं कि सीएससी संचालक की जांच की जाए और ऐसे संचालकों का लाइसेंस रद्द किया जाए। आदिम जनजाति समूह के साथ धोखा दंडनीय अपराध है।

विश्व योग दिवस पर शिवाजी मैदान में योगाभ्यास आज

आमजनों से भी योगाभ्यास में भाग लेने का अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीननगर। विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2023 को पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर स्थित शिवाजी मैदान में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें जिले के पदाधिकारी, कर्मचारी सहित स्कूली विद्यार्थी भाग लेंगे। आमजनों से भी इस योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लेकर योग करने की अपील की गई है। उप विकास आयुक्त रवि आनंद ने सभी को स्वस्थ मन से योग करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि कार्यक्रम में प्रातः 6 बजे पहुंचकर अपना स्थान सुनिश्चित करा लें। योग का कार्यक्रम प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में योग शिविर का आयोजन पूर्वाहन 6 से 7:45 बजे तक किया जाएगा। स्कूली विद्यार्थियों को अपने स्कूल ड्रेस कोड के साथ योग शिविर में भाग लेना होगा।

ठाकुरजी के दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

रथ की रस्सी खींचने को मची रही होड़

बाजे गाजे के साथ निकली यह यात्रा करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय कर कृष्णदहा मंदिर पहुंची

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में आज रथयात्रा की धूम रही। शहर व चैनपुर में धार्मिक परम्परा के अनुसार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। इस दौरान भगवान के दर्शन के साथ साथ रथ की रस्सी खींचकर जीवन में सुख समृद्धि का आशीर्वाद पाने के लिए स्थानीय वआस पास के गाँव तथा बाहर से आये भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इसमें महिला, पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग सभी शामिल थे। जानकारी के अनुसार शहर से सटे चैनपुर में आज भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा बाजे गाजे के साथ धूमधाम से निकली। इस दौरान राजा गढ़ स्थित मंदिर से निर्धारित शुभ मुहूर्त पर राज परिवार के टिकैत विश्वदेव नारायण सिंह एवं विवेक

भवानी सिंह आदि की मौजूदगी में मंदिर के पुरोहितों द्वारा भगवान की विशेष पूजा आरती कर भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ जी के विग्रहो को सजे धजे तीन अलग अलग दिव्य रथों पर आसीन किया गया। इसके बाद भगवान की यह ऐतिहासिक रथयात्रा शुरू हुई। भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ अलग अलग रथों पर सवार गाँव भ्रमण को निकले और अपने भक्तों को दर्शन दिया। रथयात्रा शुरू होते रथ की रस्सी खींचने और प्रसाद चढ़ाने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाजे गाजे के साथ निकली यह यात्रा करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय कर कृष्णदहा मंदिर पहुंची। यहां मंदिर के पुरोहितों ने भगवान की आगवानी की और आरती वंदन के साथ सभी विग्रहो को रथ से उतार कर मंदिर के गर्भगृह में आसीन किया गया। इस रथयात्रा के दौरान परम्परा के अनुसार कई स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की पूजा आरती की गई। सुरक्षित रथयात्रा संपन्न कराने को लेकर चैनपुर थाने की पुलिस मुस्तैद थी। बताया जाता है कि अगले तीन दिनों तक विश्राम के बाद पुनः भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रासंग वापस राजगढ़ स्थित अपने मंदिर को लौट आएंगे। बता दें कि इस पारम्परिक रथयात्रा के दौरान भगवान को अनरसा, बतासा, आम व जामुन का प्रसाद चढ़ाया जाता है। इसे देखते हुए रथयात्रा के दौरान प्रसाद बेचने वालों की भी भारी भीड़ थी।

इस्कॉन ने भी निकाली भव्य यात्रा

शहर के पुलिस लाइन रोड स्थित इस्कॉन हरे कृष्णा कार्यालय से भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा बड़े ही धूम धाम से निकाली गई। रथ यात्रा मेदिनीनगर शहर के साहित्य समाज चौक, गीता भवन , छह मुहान चौक , शदीक चौक , बेलवाटिका चौक , स्टेशन रोड , कचहरी चौक , रेड़मा ओवर ब्रिज होते रेड़मा चौक , बाईपास रोड , बैरिया चौक , सूदना गायत्री मंदिर होते पुलिस लाइन रोड इस्कॉन कार्यालय तक जाकर समाप्त हो गई। वही रथ यात्रा में हजारो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वही गाजे बाजे और शोभा यात्रा के साथ भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकाली गई । सभी श्रद्धालुओं ने रथ का रस्सी खिंचा और भगवान का नमन किया । वही रथ यात्रा के दौरान अध्यक्ष मंगल सिंह , एसपी चंदन सिन्हा , आईपीएस ऋषभ गर्ग,एसडीपीओ सुरजीत कुमार , ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह, टीओपी 4 प्रभारी राणा , टीओपी 3 प्रभारी मन्टुस महतो, टीओपी 2 प्रभारी रुद्रनन्द सरस समेत कई जवान भी रहे मौजूद । वही पूरे शहर में इस्कॉन के सदस्यो के द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही विभिन्न पूजा कमिटी के द्वारा सभी जगह पर शर्बत, लस्सी, पानी बोतल समेत कई खाने की सामग्री बितरण किया गया।

लोक गायिका से प्ले बैक सिंगर बनी पलामू की मेघा श्रीराम डाल्टन

मेदिनीनगर। पलामू की रहने वाली मेघा श्री राम डाल्टन पांच भाषाओं में लोक गीत गाती है। उनके इस लोक गीतों के लिए गांधी पीस अवार्ड भी मिल चुका है। मेघा की संगीत की दुनिया का सफर 10 वर्ष की उम्र से ही शुरू हो गया था। माता-पिता के संगीत के सपने को पूरा करने के लिए 90 के दशक से ही संगीत की दुनिया में कदम रख दिया था। उन्होंने संगीत उस्ताद अमजद अली से सीखना शुरू किया और रेडियो स्टेशन पर गीत गाना शुरू किया। बाद में बनारस हिंदी यूनिवर्सिटी से क्लासिकल संगीत की शिक्षा ली। बाद में मुंबई जाकर अपनी आवाज से संगीत गाकर खूब नाम कमाया। क्लासिकल गीतों के साथ टेक्निकल कोरस भी गाती थी। मुंबई में हिंदी सिनेमा के साथ हिंदी थियेटर भी किया। पहला नाटक गुलाब बाई पर बनी था जिसका नाम अफसाने था।वर्ष 2016 में अजय देवगन के निर्देशन में बनी फिल्म शिवाय के टाइटल ट्रैक में मेघा श्री राम डाल्टन ने अपनी आवाज देकर इस गीत को और लोकप्रिय बना दिया था। बता दें इससे पहले भी इन्होंने अनुराग कश्यप की फिल्म ह्यदैट गर्ल इन यलो बूटइ और मनीष झा की फिल्म ह्यअनवरइ, साथ ही मिथुन दा की तू ही मेरी रब है जैसी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकी है।मेघा श्रीराम डॉल्टन ने बताया की वर्ष 2011 में झारखंड के लोक गीत गाना शुरू किया जो की एम टीवी पोक स्टूडियो से शुरू हुआ। जो जितना देशज होता है उतना ही ग्लोबल भी होता ह। अपने जमीन का दुर्भाग्य मैं अपने गाने से सुनाती हूं।मेघा ने बताया कि वर्तमान में वो पांच भाषा में संगीत गाती ह। झारखंड की सभ्यता के पंच परगनिया, सादरी, खोरठा, नागपुरिया, कुडुक इन भाषाओं में संगीत गाती हैं।

पलामू में आसमान से बरस रही आग

24 घंटे में आधा दर्जन से अधिक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू मानसून के आगमन से पहले पलामू में आग बरस रही है । पिछले 24 घंटे के अंदर जिले में आधा दर्जन से भी अधिक लोगों की मौत हो गई है। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में सोमवार को चार शवों का पोस्टमार्टम किया गया है, जिसमें से दो की मौत लू लगने से हुई है। वही पलामू के पांकी, पाटन, हुसैनाबाद, मेदिनीनगर, विश्रामपुर, छत्तरपुर के इलाके में गर्मी से लोगों की मौत हुई है। दरअसल, पलामू का तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। गर्मी के कारण जिन लोगों की मौत हुई है उनमें बुजुर्ग और युवा शामिल हैं। सोमवार को पलामू प्रमंडल मुख्यालय मेदिनीनगर में अशोक राम नामक युवक की लू लगने से मौत हो गई, उसके परिवार में कोई सदस्य नहीं था। वहीं पाटन थाना क्षेत्र के भुड़वा में विश्वनाथ राम नामक व्यक्ति की भी लू लगने से मौत हुई है। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में ही एक अन्य महिला की लू लगने से मौत हुई है। पांकी के डंडार गांव में और हुसैनाबाद में एक व्यक्ति की लू लगने से मौत हुई है। रविवार को पलामू का तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस था जो राज्य में राज्य में सबसे अधिक रिकॉर्ड किया गया था। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में पिछले एक स्पताह के अंदर 15 से अधिक शवों का पोस्टमार्टम किया गया है। जिनमें से आधा दर्जन के करीब लोगों की मौत का कारण गर्मी और हार्ट अटैक से है। पलामू में भीषण गर्मी को देखते हुए सभी तरह की स्कूलों को 21 जून तक बंद कर दिया गया है। 2022 में जून महीने में पलामू के इलाके में गर्मी से मौत के आंकड़े को रिकॉर्ड नहीं किया गया था। 2023 में जून के महीने में गर्मी से होने वाले मौतों को रिकॉर्ड किया जा रहा है। पलामू जिला प्रशासन ने आम लोगों से पहले भी गर्मी के दौरान सावधान रहने की अपील की है। डॉक्टरों का कहना है कि लोग बेवजह घर से बाहर नहीं निकले और बाहर निकलने के बाद सावधानी बरतना है। लोग सीधे धूप के संपर्क में नहीं आएं।

मानसून नहीं आने से खरौंधी प्रखंड में खेतों में उड़ रही धूल

किसानों में छाने लगी मायूसी

अरविंद कुमार। खरौंधी(गढ़वा)
प्रखंड के किसान बेसब्री से मानसून आने का इंतजार कर रहे हैं। कर्ज के बोझ तले दबे किसान अच्छी बरसात होने के लिए आस लगाए बैठे हैं। प्रखंड क्षेत्र में खेती के लिए महत्वपूर्ण माने गए आषाढ़ एवं आद्रा नक्षत्र में बारिश नहीं होने से किसान चिंतित हैं और आसमान की ओर टकटकी लगाए हैं। उनके चेहरे पर मायूसी छाने लगी है।

खरौंधी प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में आद्रा नक्षत्र के गुजर जाने के बाद भी वर्षा नहीं हुई। सड़कों और खेतों में धूल उड़ रही हैं। प्रखंड में तापमान 45 डिग्री के आसपास रह रहा है, जिससे लोग घरों से सुबह 9 बजे के बाद नहीं निकल रहे हैं। सड़कों एवं बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है। पूर्व में आद्रा नक्षत्र में धान के बिचड़ा के साथ-साथ भदई फसल मक्का, अरहर आदि की बुआई शुरू हो जाती थी जो अब तक नहीं हो सकी है। जून माह अंतिम चरण में है लेकिन प्रखंड में मानसून दस्तक नहीं दी है। किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। अगले वर्ष भी खरौंधी प्रखंड अकाल की चपेट में था। किसान अगले साल वाला भयानक मंजर को भूले नहीं है। आपस में यही चर्चा कर रहे हैं कि प्रखंड की हालत कहीं अगले साल वाला हो गया तो क्या होगा। खरौंधी प्रखंड के किसान बरसात के पानी पर ही निर्भर हैं। यहां नहर या नदी नहीं है जिससे प्रखंड के किसान आसानी से खेती कर सकें। किसी सरकार ने किसानों के दर्द को नहीं समझा। किसानों के हित में कोई कदम नहीं उठाया गया। प्रखंड में डोमनी, पंडा सहित सभी नदी, तालाब सूखे पड़े हैं। खेती के उद्देश्य से प्रखंड में कई लिफ्ट एरिगेशन पूर्व में बना भी लेकिन सब बेकार पड़ा है। इससे किसानों को कोई लाभ नहीं हुआ।

प्रखंड की चिरप्रतीक्षित योजना डोमनी बराज का शिलान्यास तो हुआ लेकिन जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का दंश झेल रही यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। डोमनी बराज बनने से यहां के किसानों को खेतों में पानी के अलावा जलस्तर बढ़ने में सहायक होता लेकिन सब कुछ बेकार हो गया। किसानों कहना है कि बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी बारिश नहीं होती है तो खेती के प्रति किसान निराश हो सकते हैं। सरकार को जल्द कोई ठोस कदम उठाते हुए किसानों को मदद करनी चाहिए। किसान जितेंद्र प्रसाद यादव, पंकज कुमार कुशवाहा, सतेंद्र यादव, अनिल कुमार गुप्ता, संजय साह, नंदगोपाल राम, संजय विश्वकर्मा सहित कई लोगों ने बताया कि आद्रा नक्षत्र में खेती का काम शुरू हो जाना चाहिए था। वर्षा नहीं होने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। बारिश नहीं होने से किसान के साथ बाहर से लौटे मजदूर और ट्रैक्टर मालिक भी बेरोजगारी के दौर से गुजर रहे हैं। बाहर कार्य करने वाले मजदूर अपने गांव लौटकर खेती करने के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं ताकि खेतों में बुआई कर काम पर वापस जा सकें, परंतु यहां तो खेतों में एक बूंद पानी नसीब नहीं है। खेतों में दरारें पड़ गई हैं।

ट्रैक्टर ने पोल में मारी टक्कर, घंटों बाधित रही बिजली आपूर्ति

मझिआंव। मुख्य बाजार के तिनमुहान से ब्लॉक रोड स्थित डॉक्टर राज किशोर सिंह क्लीनिक के पहले सुचीत के मिल के समीप अवैध बालू लदे ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके कारण सुबह से देर शाम तक ब्लॉक रोड में बिजली आपूर्ति बाधित रही। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रैक्टर ट्राली इतनी तेज रफ्तार थी कि अनियंत्रित होकर बिजली खंभे को क्षतिग्रस्त कर दिया। इधर बताते चलें कि बालू गिरवाने के दौरान ग्राम मोरबे के चिरकुटही टोला में 5 जून की रात्रि में अशोक कुमार नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। वहीं 17 जून की भोर में अंचला अधिकारी रामजी प्रसाद गुप्ता, जो अवैध रूप से बुढ़ीखांड़ बांकी नदी से बालू उठाव के दौरान छापेमारी करने गए हुए थे, पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। इसमें सीओ के निजी नौकर एवं चालक घायल हो गए थे।

रात के अंधेरे में अवैध बालू की ढुलाई से लोगों की नींद हराम

संवाद सूत्र। भंडरिया

बालू माफिया न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे, बल्कि नदियों-नालों के अस्तित्व को भी खतरे में डाल रहे

बालू माफिया सरकार को ठेंगा दिखाते हुए रात के अंधेरे में प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध उत्खनन कर परिवहन कर रहे हैं। इससे न केवल सरकार को हजारों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न नदियों-नालों का अस्तित्व भी खतरे में डाला जा रहा है। इसे देखने सुनने वाला कोई नहीं। पूरी रात अवैध बालू लदे ट्रैक्टरों का परिचालन प्रशासन के नाकों तले मुख्यालय में हो रहा है।

प्रखंड के अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, वन क्षेत्र पदाधिकारी समेत कई तरह के कर्मी रह रहे हैं इसके बावजूद बालू माफिया बालू का अवैध उत्खनन कर रातों रात मालामाल हो रहे हैं। पदाधिकारियों की चुप्पी को देखते इस गोरखधंधे में उनके संलिप्त होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। जिस तरह बालू माफिया सरेआम मुख्यालय में अवैध बालू की ढोलाई कर रहे हैं उसे देखकर लगता है कि पुलिस प्रशासन सहित सरकारी महकमे का संपूर्ण संरक्षण बालू माफियाओं को प्राप्त है। रात के 9 बजते ही बालू लदे ट्रैक्टरों का परिचालन शुरू हो जाता है जो सुबह के पांच बजे तक चलता है। इससे आमलोग रात को ठीक से सो भी नहीं पाते। ट्रैक्टरों की आवाज से लोगों की नींद हराम हो गई है। स्थानीय लोगों ने अवैध बालू परिवहन की जानकारी यहां के पदाधिकारियों को दी है लेकिन इनके द्वारा बालू माफियाओं के विरुद्ध कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इससे सरकारी महकमे से आम नागरिकों का विश्वास उठता जा रहा है। आम लोग अवैध बालू ढुलाई को लेकर बोलते हैं तो बालू माफिया उन्हें जान से मारने की धमकी देते हैं। कहते हैं किा जहां-जाना है जाओ सब मैनेज हैं। इस तरह से हो रहे अवैध धंधे से किसी दिन अप्रिय घटना घटने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

सीएम से योजनाओं को क्रियान्वित करने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष विजया लक्ष्मी देवी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं को क्रियान्वित कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर बोर्ड की बैठक में निविदा प्रक्रिया की जा चुका थी, जिसे किसी कारणवश रद्द कर दिया गया था। बाद में किसी कारणवश उन सभी योजनाओं की पुनः निविदा प्रक्रिया नहीं किया जा सकी, जिससे नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत 17 वार्डों में विकास योजनाएं संचालित नहीं हो सकी। इसके कारण नगर पंचायत क्षेत्र वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त योजनाओं में पीसीसी पथ, आरसीसी नाली, श्मशान सेड फेवर ब्लाक, बस स्टैंड, बभनी खांड डैम का सुंदरीकरण, सोलरयुक्त स्ट्रीट लाइट सहित अन्य विकास योजनाओं तथा ट्रॉमा सेंटर को पूर्णरूपेण चालू कराने का आग्रह किया है।

लू लगने से दूसरे दिन भी व्यक्ति की मौत

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

दहशत में लोग, गुलजार रहने वाली सड़क पूरा दिन रही सुनसान

प्रखंड क्षेत्रों में लू का प्रकोप रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक के बाद एक लोग उसके शिकार होते जा रहे हैं। सोमवार की घटना के बाद मंगलवार को भी लू लगने से एक ग्रामीण की मौत हो गई। मृतक डालटनगंज निवासी पदारथ साह का 60 वर्षीय पुत्र प्रदीप साह है।

जानकारी के अनुसार मृतक प्रदीप साह दिमागी रूप से हल्का विक्षिप्त था। अपने घर पर रहने के बजाय वह दूसरे गांव में मांग कर खाते-पीते चल रहा था। डंडई गांव में वह पिछले 15 वर्षों से मांग कर अपना जीवन जी रहा था। साथ ही वही के खुली जगह पर रात्रि विश्राम भी कर ले रहा था। पूर्व की तरह वह सोमवार की रात्रि दूसरों के घर मांग कर खाया और डंडई के जल क्रांति भवन में सो गया। मंगलवार को दोपहर में राहगीर ने उसके मृत होने की जानकारी आसपास के लोगों दी। उसके बाद यह मामला पूरे गांव में आग की तरह फैल गया। सभी लोग प्रदीप का नाम सुनकर उसे देखने एक-एक कर स्थल पर पहुंचना शुरू कर दिए। ग्रामीणों ने प्रदीप के रूप में उसकी पहचान की। ग्रामीणों ने यह जानकारी उसके परिजन तक पहुंचाई। खबर मिलते ही मृतक के परिजन बिना देर किए डंडई पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले लिए। साथ ही शव को लेकर डाल्टनगंज के लिए निकल गए। इससे पहले ग्रामीणों की जानकारी पर थाना प्रभारी शाहबाज अंसारी भी दल बल के साथ उक्त स्थल पर पहुंचे। शव को बारीकी से देख इसकी हकीकत जानने के लिए उनके द्वारा कई ग्रामीणों से पूछताछ की गई। ग्रामीणों से पूछताछ में मृतक की मौत लू से होने की बात सामने आई। घटना से गांव के ग्रामीण पूरी तरह दहशत में आ गए हैं। दिनभर ग्रामीणों से गुलजार रहने वाली डंडई के मुख्य बाजार की सड़क और पुरानी बाजार की सड़क पूरी तरह सुबह से शाम तक सुनसान रही। बताते चलें कि लू के प्रकोप के कारण ही सोमवार की दोपहर में डंडई गांव की 86 वर्षीय महिला मानमती कुंवर की मौत हो गई थी।

शोक संतप्त परिजनों को किया आर्थिक सहयोग

नवीन मेल संवाददाता। चिनिया

मुख्यालय के पूर्व मुखिया पति शंभू राम की मृत्यु के बाद मंत्री मिथिलेश ठाकुर के निर्देश के बाद कार्यकतोओं से श्राद्ध कर्म के लिए परिजनों को आर्थिक सहयोग किया है। इस संबंध में बताते चलें कि 1 सप्ताह पूर्व चिनिया मुख्यालय के पूर्व मुख्य पति शंभू राम का निधन इलाज के दौरान हो गया। वे बीते कई महीनों से बीमार चल रहे थे, जबकि शंभू राम से मृत्यु के 10 दिन पहले ही उनके पिता फेकू राम की भी मृत्यु हो गई थी। ऐसे में परिवार वालों के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट गया है। घटना की सूचना मिलते ही मंत्री मिथिलेश ठाकुर बीते दिनों चिनिया मुख्यालय में मृतक के परिजनों के घर पहुंच कर उनसे मुलाकात की तथा उनका हालचाल जाना व इस दुख की घड़ी में खड़े दिखाई दिए। साथ ही परिजनों को हरसंभव मदद देने की भी बात कही। वहीं मंत्री मिथिलेश ठाकुर के निर्देश के बाद सोमवार को कार्यकर्ताओं के द्वारा मृतक पूर्व मुखिया पति शंभू राम के बड़े बेटे बिकी रवि के हाथों में नगद राशि देकर आर्थिक सहयोग किया गया है। इस मौके पर झामुमो नेता अरविंद यादव, नौशाद मंसूरी, रमेश यादव, 20 सूत्री अध्यक्ष मंगरु सिंह, पूर्व मुखिया पति रामनाथ तूरी, बदरुद्दीन मंसूरी आदि उपस्थित थे।

योग, प्राणायाम, आसन का किया पूर्वाभ्यास

श्री बंशीधर नगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व मंगलवार को ट्रॉमा सेंटर में योग, प्राणायाम, आसन का पूर्वाभ्यास कराया गया। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में अमर कुमार जायसवाल, पूर्व शिक्षक काशी महतो, मनोज कुमार, सूरज कुमार, आदित्य कुमार, सुनैना देवी, हेमा राज, खुशबू कुमारी के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

दो अभियुक्त गिरफ्तार

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत अभियुक्त बरडीहा थाना ग्राम सेमरी के स्थानीय निवासी स्वर्गीय बनवारी राम के पुत्र कामेश्वर राम एवम ग्राम कांडी थाना क्षेत्र के मझिगांवा के स्थानीय निवाशी श्री शुरेश यादव के पुत्र सुदामा यादव दोनों को पुलिस ने गिफ्तार कर उचित मार्ग अभिरक्षा में माननीय न्यायालय में उपस्थान हेतु भेज दिया गया है।

कांडी में घर में लगी आग एक बकरी, बछड़ा झुलसे

नवीन मेल संवाददाता। कांडी

थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव निवासी कामेश्वर चौहान, सुरेश चौहान व नरेश चौहान के घर में मंगलवार की दोपहर अचानक आग लगने से घर के अंदर रखे अन्न, वस्त्र, बिस्तर, पशु चारा, इमारती लकड़ियां, साईकल व पम्प सेट जल कर राख हो गया। साथ ही एक बकरी व एक बछड़ा भी झुलस कर भर रूप से घायल हो गया। इस संबंध में भुक्तभोगी ने बताया कि आग कैसे लगी, किसी को जानकारी नहीं है। घर के भीतर सभी सदस्य सोए हुए थे। अचानक आग की लपटें देख कर सभी लोगों की नींद खुली तो जोर-जोर से शोर मचा कर आसपास के लोगों को एकत्रित किया। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा मोटर व डीजल पम्प लगा कर भारी मसक्कत से आग पर काबू पाया गया। तब तक आग उक्त तीनों घरों को अपनी चपेट में ले लिया था। आग बुझाने के क्रम में मनोज कुमार चौहान आंशिक रूप से झुलस गए। आगजनी की सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार पासवान ने पीड़ित परिवारों को सरकारी प्रावधान के अनुसान मुआवजा दिलाने की बात कही, जबकि प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि आगजनी से क्षति पूर्ति के साथ साथ अपने स्तर से तत्काल इन्हें हर प्रकार की सहयोग प्रदान करूगा।

विद्यालय कैंपस में लगे जलमीनार के तीन सोलर पैनल चोरी

केतार। केतार थाना क्षेत्र के बलिगढ़ पंचायत के चानवा टोला स्थित नव प्राथमिक विद्यालय के के छत पर लगे जलमीनार के तीन सोलर पैनल अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिये हैं, जबकि चापानल को क्षतिग्रस्त कर दिया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विनोद पाल के द्वारा मंगलवार को केतार थाना में आवेदन देकर अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने उल्लेख किया है कि 23 जून से 21 जून तक ग्रीष्मावकाश की छुट्टी होने के कारण विद्यालय बंद है। इसी बीच असमाजिक तत्वों ने 17 जून की रात में विद्यालय कैंपस के जलमीनार के तीन सोलर पैनल चोरी कर लिये और चापानल को क्षतिग्रस्त कर दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

मां-बेटी को बर्बरतापूर्वक लाठी-डंडों पीटा

नवीन मेल संवाददाता। मझिआंव

थाना क्षेत्र के सोनपुरवा के टोला झपही गांव निवासी शेख जाबिर की पत्नी जरीना बीबी एवं उसकी 15 वर्षीय पुत्री साहिन आरा को उसी गांव के कई लोगों ने लाठी डंडा से जमकर पिटाई कर दी। एसआई विकास कुमार ने घटनास्थल पर जाकर घायल महिला एवं उसकी पुत्री से पूछताछ की। पीड़ितों ने देर शाम थाना में जाकर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया। इधर घायल महिला ने थाना प्रभारी एवं पत्रकारों को बताया कि आरोपियों में झपही गांव निवासी मंजूर शेख, शबाना बीवी, मुशीर्दा बीवी, नगमा खातून तथा चार नकाबपोश शामिल हैं। उसने बताया कि वह अपने रिश्तेदारी में जाने के लिए गाड़ी के इंतजार में बैठी हुई थी कि इसी बीच कुछ लोग आंख, मुंह गमछी से बांधे हुए बोलेरो में आए एवं हमें बलपूर्वक बोलेरो में लात घुसों से मारते हुए ले गए एवं फिर पुनः रूम में बंद कर बेरहमी से पिटाई की। तथा हमारी बेटी साहिन आरा की भी पिटाई की गई। इस संबंध में थाना प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने बताया कि सोनपुरा पंचायत के मुखिया अख्तर खां के भाई भुक्त भोगी के यहां केस उठाने की धमकी देने गया था। पहले की प्राथमिकी एवं आज की मारपीट के सभी आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा। उक्त लोगों के खिलाफ पहले भी इस महिला के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो घायल

नवीन मेल संवाददाता। मझिआंव

मछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रपूरा में आम गैरमजरुआ जमीन को लेकर विवाद में एक महिला और 8 वर्षीय बच्चे को पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से 108 एंबुलेंस के द्वारा घायल महिला और बच्चे को मझिआंव अस्पताल प्राथमिक लाया गया। बताते चलें कि घायल महिला रपुरा निवासी सूचित पांडे की लगभग 30 वर्षीय पत्नी चांदनी देवी और 8 वर्षीय लड़का पियूष पांडे हैं। घायल पीड़िता चांदनी देवी ने अपने और अपने बच्चों के साथ लाठी डंडे और चाकू से मारपीट का आरोप ऋषि पांडे, प्रेम पांडे, गिरजाशंकर पांडे, गूंजा देवी, जूही कुमारी, लाडल कुमारी, और सुहानी कुमारी पर लगाया है। घायल चांदनी देवी और वहीं उनके पति सुचिंद्र पांडे ने बताया कि मेरे घर के सामने में आमगैरमजरुआ जमीन जो हमारे कब्जे में है। लेकिन गिरजाशंकर पांडे और उनके बेटे ऋषि पांडे के द्वारा जबरन इस जमीन को कब्जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसको लेकर पूर्व में भी हमलोग के साथ मारपीट किए थे। इसकी शिकायत थाना में की था और इस जमीन विवाद की जानकारी सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता को भी दिया था।

पहल | दिसंबर में जिले में 101 कन्याओं का कराया जाएगा सामूहिक विवाह

'सामूहिक शादी कर आर्थिक रूप से हों मजबूत'

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी की ओर से गरीब कन्याओं का विवाह प्रत्येक वर्ष किया जा रहा है, जिससे गरीबों की बेटी की शादी हो रही है। वहीं गरीब परिवार के लोग आर्थिक रूप से मजबूत भी हो रहे हैं। क्योंकि सामूहिक विवाह से उनका किसी भी तरह का खर्च नहीं हो रहा है। कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी मुफ्त में शादी कराने के साथ-साथ कन्या एवं वर-वधू को विवाह सामग्री निःशुल्क उपलब्ध करा रही है।

उक्त जानकारी कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी के सचिव विकास कुमार माली गढ़वा स्थित कार्यालय में प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी के बैनर तले झारखंड और बिहार में कुल अब तक 13 हजार असहाय निर्धन कन्याओं की शादी कराई गई है। वहीं संस्था की ओर से झारखंड बिहार सहित अन्य प्रदेशों में भी कन्याओं की शादी कराई गई है। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा समाज के लिए अभिशाप बन गया है। कई परिवार दहेज के चक्कर में पूरी तरह से बर्बाद हो जा रहे हैं। ऐसे में लोगों को सामूहिक विवाह की ओर अपना कदम बढ़ाना चाहिए। इससे आर्थिक रूप से कमजोर होने के बजाय मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा कि विवाह में लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। उसके बाद भी लोग बेहतर शादी नहीं करा पाते हैं। ऐसे में कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी इस मुहिम में शामिल होकर जिला प्रशासन को भी सामूहिक विवाह को बढ़ावा देना चाहिए ताकि अंतरजातीय विवाह में जो प्रोत्साहन राशि राज्य सरकार देती है। उससे सामूहिक विवाह का प्रचलन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पलामू के मेदिनीनगर में 51, गया जिले में 51 व नवादा जिले में 51 कन्याओं की शादी कराई गई, जबकि भागलपुर में 28 जून को 51 कन्याओं की शादी सोसायटी की ओर से कराई जाएगी। वहीं दिसंबर महीने में गढ़वा जिले के टाउन हॉल के मैदान में 101 कन्याओं की शादी कराई जाएगी, जिसमें हिंदू व मुस्लिम समुदाय की कन्याओं की शादी अलग-अलग रीति-रिवाजों से कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि सामृहिक विवाह के लिए वर-वधू को का चयन इस महीने से शुरू हो गया है। प्रेस वार्ता में गढ़वा जिला प्रबंधक अयुब खान उर्फ बबन, प्रतिमा कुमारी, टिंकू तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सार्वजनिक उपयोग के भूखंड पर कब्जा

नवीन मेल संवाददाता। कांडी

ग्रामीणों की गुहार के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

अंचल कार्यालय कांडी के पड़ोस में काचर गांव की एकमात्र सार्वजनिक उपयोग के भूखंड पर एक व्यक्ति के द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। इस जमीन पर से अवैध कब्जा हटाने के लिए ग्रामीण कई सालों से परेशान हैं, लेकिन संबंधित सरकारी महकमा की ओर से कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। यहां तक कि अनुमंडल पदाधिकारी को इस बाबत निर्देश देते 2 साल से अधिक का समय गुजर गया, लेकिन अभी तक किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मालूम हो कि काचर गांव के खाता नंबर 78 प्लॉट नंबर 93 में 95 डिसमिल का एक भूखंड अवस्थित है, जिसकी किस्म जमीन अनाबाद झारखंड सरकार है। इस जमीन पर काचर के लोगों के द्वारा सामाजिक, धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ शादी विवाह में पंडाल आदि लगाकर कार्यक्रम करने में उपयोग किया जा रहा था। इसी जमीन पर गांव का आंगनबाड़ी केंद्र भी अवस्थित है, लेकिन कई वर्षों से सड़की गांव निवासी राजेश्वर यादव पिता राम वृक्ष यादव के द्वारा इस भूखंड पर अवैध कब्जा जमा लिया गया है। वह इसमें माल मवेशियों को बांधने के साथ-साथ ईंट, बालू आदि रखते हैं। इस प्लॉट में लगे हुए हरे पेड़ों को उन्होंने जेसीबी से उखाड़ कर खेत को खाली करा लिया है। इसके साथ साथ मिट्टी काटकर भी जमीन का अवैध उपयोग कर रहे हैं। इस बाबत ग्रामीणों ने जिला परिषद सदस्य सुषमा कुमारी के प्रतिनिधि दिनेश कुमार के साथ कांडी के अंचल पदाधिकारी से मिलकर कई बार अवैध कब्जा हटाने का आग्रह किया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा को भी आवेदन देकर तत्संबंधी कार्रवाई की गुहार लगाई है। एसडीओ गढ़वा ने कांडी अंचल पदाधिकारी को पत्र लिखकर इस मामले की जांच एवं कार्रवाई का निर्देश दिया था। 20 महीने तक अंचल पदाधिकारी के द्वारा संबंधित मामले को लेकर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण प्रभु नारायण राम, मोती पाल, इमामुद्दीन खान, बिरजू राम, मखोला देवी, पंकज पासवान, मुन्नी राम, दीपक कुमार, शाह आलम खान व सत्येंद्र प्रसाद गुप्ता ने 15 अप्रैल को फिर से अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा को आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। इसके बाद एसडीओ ने फिर से अंचल पदाधिकारी कांडी को पत्र लिखकर संबंधित मामले में कार्रवाई करते हुए कृत कार्रवाई प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया है। इस पत्र प्राप्ति के बाद भी दो महीने से अधिक की अवधि बीत गयी। लेकिन अभी तक कार्रवाई का कहीं अता पता नहीं है।

लातेहार व चतरा जिले में भगवान जगन्नाथ, बलराम व बहन सुभद्रा के रथ को खींचने उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

गाजे-बाजे के साथ निकली रथ यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
जिला मुख्यालय स्थित राधाकृष्ण मंदिर से मंगलवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा को सुसज्जित रथ पर विराजमान कराकर जिला मुख्यालय का परिभ्रमण करते हुए वापस मौसी बाड़ी पहुंची। नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह पर भक्तों की टोली ने भगवान की आरती कर भोग अर्पित किए। इसके पूर्व भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व बलराम को छप्पन प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाकर पूजा अर्चना की गई।

मुख्य यजमान युगेश्वर प्रसाद व पत्नी रीना देवी ने भगवान जगन्नाथ की पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। मंदिर के पुजारी दिलीप उपाध्याय द्वारा पूजा के बाद रथ का भ्रमण कराया गया। नगर भ्रमण के बाद तीनों विग्रहों को मौसीबाड़ी पहुंचाया गया। जहां 9 दिन तक निवास कर भगवान की घर वापसी होगी। इस दौरान रथ की डोर खींचने को लेकर श्रद्धालु बेकरार दिखे। ठाकुरबाड़ी के पुजारी दिलीप उपाध्याय ने बताया कि लातेहार में रथयात्रा का इतिहास काफी पुराना है। लातेहार में सबसे पहले रथ यात्रा 1833 ई में पूरन महाराज के

द्वारा निकाली गई थी, जो शिव मंदिर से चल कर धर्मपुर मौसीबाड़ी तक जाती थी। महंत पूर्ण दास के निधन के बाद महंत शरण दास, जनक दास, यदुवंशी दास व 1970 ई से महंत मुनि दास के द्वारा रथयात्रा निकाली गई। महंत मुनि दास के निधन के बाद दुर्गा बाड़ी प्रांगण से कृष्णा दास द्वारा रथ यात्रा निकाली गई। जिला मुख्यालय में ठाकुरबाड़ी के निर्माण के बाद 1995 से आम जनों के सहयोग से धूमधाम से रथ यात्रा निकाली जा रही है।

महंत दिलीप उपाध्याय के सानिध्य में 1995 से प्रथम पूजा मुख्य यजमान युगेश्वर प्रसाद व उनकी पत्नी रीना देवी द्वारा की जा रही है। रथ यात्रा को धूमधाम से संपन्न कराने में श्याम अग्रवाल, निर्मल महलका, राजीव मिश्रा, अजय सिन्हा,विजय गुप्ता, बृजेश अग्रवाल, अभिनव कुमार,पल्लव कुमार, अशोक गुप्ता, रवि नाथ गुप्ता, विपिन गुप्ता, सुशीला देवी, सुमन देवी,सविता देवी, सुकृति कुमारी का सराहनीय योगदान रहा।

चंदवा में बारिश के बावजूद रथ यात्रा में उमड़ी भारी भीड़

चंदवा। कामता गांव में मंगलवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। इसमें बारिश के बीच लातेहार, बालूमाथ, समेत चंदवा के विभिन्न गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इससे पूर्व लाल प्रेरित नाथ शाहदेव ने भगवान

जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की मूर्तियों का पूजन किया। पूजन कार्यक्रम पंडित आचार्य बालकृष्ण मिश्र एवं पंडित घनश्याम मिश्र द्वारा संपन्न कराया गया। इसके पश्चात लाल प्रेरित नाथ शाहदेव व उनके परिवार के सदस्यों द्वारा रथ को खींचकर आम लोगों के दर्शनार्थ बाहर लाया गया। वहीं इस वर्ष पहली बार आयोजित मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ टिकी रही। इस दौरान ट्रैफिक की व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल मुस्तैद दिखा। श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो इसके लिए लातेहार एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्रा व पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बबलु कुमार के नेतृत्व में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया था। मौके पर प्रदीप लाल, अमित नाथ शाहदेव, रघुवेंद्र उर्फ रघु लाल, अरविंद लाल, उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा समेत ग्रामीण उपस्थित थे।

भगवान जगन्नाथ के जयकारों से गूंज उठा बालूमाथ

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ स्वामी एवं शीतला माता व भगवान बलराम की रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। रथ यात्रा बालूमाथ गोपाल मंदिर से सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ बैंड बाजे के साथ चलकर बालूमाथ थाना चौक, मुरपा मोड़ मुख्य मार्ग होते हुए ब्लॉक से वापस मुख्य मार्ग से दुर्गा बाड़ी पहुंची। इस दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी के जयकारा से पूरा

बालूमाथ गूंज उठा। यात्रा के दौरान बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद द्वारा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। रथ यात्रा में सुरक्षा बल भी शामिल रहे। इस दौरान बालूमाथ के सैकड़ों श्रद्धालु में पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा, प्रितलाल यादव, सैलेश सिंगन, अरुण साव, राजेश पांडे, हरि साव, मनोहर साव, अखिलेश भोक्ता, लालदेव गंझू, जीतू रजक, भोला साव उपेंद्र साव, पिंटू साव सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धूमधाम से निकाली गई जगन्नाथ की रथ यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। चतरा
जिला मुख्यालय स्थित पत्थलदास मंदिर से मंगलवार को गाजे-बाजे के साथ विधि विधान पूर्वक भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना के उपरांत रथ को खींचकर किया। यात्रा के प्रारंभ होते ही पूरा मंदिर परिसर भगवान जगन्नाथ के साथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के जयकारे से गुंज उठा। रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पत्थल्दास मंदिर से निकाली गई रथ यात्रा मेन रोड, केशरी चौक, गुदरी बाजार, बड़की मंदिर अव्वल मोहल्ला, काली मंदिर होते हुवे पोस्ट ऑफिस चौक पहुंची और वहां से वापस आकर मारवाड़ी मोहल्ला स्थित ठाकुर बाड़ी में रुकी। यहां विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथ भाई-बहन के साथ पथलदास मंदिर पहुंचेंगे। रथ यात्रा को शांति पूर्ण संपन्न कराने को लेकर जगह-जगह पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। इधर रथ यात्रा को सफल बनाने को लेकर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, हिंदू जागरण मंच सहित अन्य संगठनों के कार्यकर्ता अहम भूमिका निभा रहे हैं।

झिरमतकोमा ग्राम में दो में माह से चापानल खराब

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु
प्रखंड अंतर्गत शिबला पंचायत के झिरमतकोमा ग्राम में पिछले दो माह से चापानल खराब रहने के कारण पेयजल के लिए ग्रामीण काफी परेशान हैं। ग्रामीण इंद्रदेव यादव, जीतन गंझू आदित्य गंझू, मनोज गंझु, सोहरी देवी, प्रमिला देवी, जसवा देवी, बसंती देवी, बिनोद गंझू, कांशी यादव, अंदू गंझू सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीणों को काफी दूर से पानी लाकर पेयजल की जरूरत पूरी करनी पड़ रही है। इधर भीषण गर्मी तथा बढ़ते तापमान के कारण आस-पास के कुआं, चापाकल व तलाब में जल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसके कारण ग्रामीणों को दैनिक कार्य के लिए काफी कठनाई हो रही है। साथ ही मवेशी व अन्य पालतू जानवरों की भी परेशानी बढ़ी हुई है। ग्रामीणों ने उपायुक्त व विभाग से चापानल मरम्मत करवा कर पेयजल सुविधा बहाल कराने की मांग की है।

जलमीनार व चापाकाल की मरम्मत की मांग

बरवाडीह। प्रखंड के मंगरा पंचायत के अमडिहा ग्राम के चंद्रदाहा टोला का चापाकल व जलमीनार खराब रहने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बीडीओ से जल मीनार एवं चापाकल की मरम्मत कराने की मांग की है। इस संबंध में चंद्र दाहा टोला के आदिम जनजाति परहिया प्रभादेवी, स कुंती देवी, देवंती देवी प्रमिला देवी, उर्मिला देवी समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि इस टोला में लगाए गए एक जल मीनार एवं आंगनबाड़ी 2 के सामने लगाए गए चापानल बीते 1 माह से खराब पड़ा हुआ है। इससे ग्रामीणों को एक किलोमीटर दूर धरधरी नदी से पानी लाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि हम लोगों ने इससे पूर्व भी संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर चापाकल एवं जल मीनार मरम्मत की मांग की थी, लेकिन स्थिति यथावत बनी हुई है।

'नल जल योजना की गति गांव में काफी धीमी'

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा
भीषण गर्मी के बीच कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने हिसरी ग्राम का भ्रमण कर जल जीवन मिशन योजना के तहत हुए बोरिंग, पाइप और गड्ढे का निरीक्षण किया। कहा कि केंद्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल जल योजना की गति गांव में काफी धीमी है। गांव में इस योजना की शुरुआत हुए महीनों हो गए लेकिन योजना के तहत पानी आज तक घरों में नहीं पहुंच पाया है। सरकारी चापानल की स्थिति बेहद खराब है। स्कूल स्थित महुआ टोला में एक जलमीनार है। उसका मोटर कई माह से खराब पड़ा हुआ है। इससे टोले में पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। अभी तक टोले में पेयजल की व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सुबह शाम टोले की महिलाएं दूसरे टोले में पानी भरने को मजबूर

हैं। टोले को जल जीवन मीशन से अबतक जोड़ा नहीं गया है। पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने टोले में पेयजल की समस्या को समाधान करने, इस टोले को जल जीवन मीशन से जोड़ने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता सुनील से बात कर टोले में जल्द पानी संकट दूर करने, जल जीवन मीशन से टोले को जोड़ने का आग्रह किया है। भ्रमण में रविंद्र भोगता, तेतर उरांव, कामदेव उरांव, शहदेव उरांव, अमेश उरांव, अग्रीत तुरी, अमरजीत तुरी, अजय नायक, विकाश गंझु, आकाश उरांव व अन्य शामिल थे।

डायन बिसाही को ले दो गुटों में हुई जमकर मारपीट, 9 पर केस

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के इंद्रा गांव में डायन बिसाही को लेकर दो गुटों में जमकर मार पीट हो गयी। जिसमें बाप-बेटी गंभीर रुप से घायल हो गये। इस मामले में इंद्रा गांव निवासी गजेंद्र यादव की पत्नी रीना देवी ने डायन बिसाही को लेकर मारपीट करने वाले 9 के विरुद्ध थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि जमीन विवाद व डायन बिसाही को लेकर इंद्रा गांव निवासी त्रिलोकी यादव, संतोष यादव, प्रमेश्वर यादव, प्रकाश यादव, उमेश यादव, रोहित यादव, बिनोद यादव सहित दो महिलाओं के द्वारा मारपीट किया गया। वहीं थाना प्रभारी कन्हैया कुमार यादव ने बताया कि थाना कांड संख्या 47/23 में 9 लोगों के विरुद्ध संबंधित धराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त

मौसम का बदला मिजाज, गर्मी से मिली राहत

चतरा। प्रचंड गर्मी, गर्म हवाएं, उमस भरी गर्मी व चिलचिलाती धूप से अचानक मंगलवार को चतरा जिले वासियों को अचानक मौसम के बदले मिजाज के साथ हुए बारिश से निजात मिली। वहीं मानसून की पहली बारिश के दशतक क्षेत्र में देने के साथ जिले वासियों एवं किसानों नें दिल खोलकर स्वागत किया। प्रचंड गर्मी से राहत मिलते ही हर किसी का चेहरा खिल उठा। झमाझम बारिश का लोगों ने जमकर आनंद उठाया। सुबह से ही आसमां में काले बादल दिखाई देने लगे थे। उसके बाद बारिश की बूंदा-बूंदी शुरू हुई जो तेज हवाओं के साथ झमाझम बरसने लगी। बारिश के कारण पेड़ पौधे आदि साफ होकर पूरी तरह स्वच्छ व हरा दिखाई देने लगे हैं।

आजसू पार्टी का स्थापना दिवस कार्यक्रम कल

लातेहार। 22 जून को आजसू पार्टी 37 वर्ष पूरा कर 38 में वर्ष में प्रवेश करेगी। इस उपलक्ष्य में लातेहार आजसू कार्यालय लातेहार में 22 जून को पार्टी का स्थापना दिवस व रक्त दान करने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर लातेहार जिले के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है और आजसू के कार्यकर्ता रक्तदान भी करेंगे। संकल्प दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी लातेहार जिला के सभी नेता, कार्यकर्ता एवं समर्थक झारखंड राज्य की मयार्दा एवं जन- मन की सुरक्षा के संकल्प के साथ-साथ वैचारिक मूल्यों को बचाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेंगे। संकल्प सभा के माध्यम से सभी नेता एवं पदाधिकारी राज्य की वर्तमान स्थिति तथा अभी वर्तमान सरकार की विफलताओं से जनता को अवगत कराएंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ता झारखंड राज्य को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए हर परिस्थिति से लड़ने के लिए संकल्प लेंगे।

एबीवीपी की बैठक में कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

लातेहार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लातेहार जिला की बैठक वैष्णो मंदिर में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता नवनिर्वाचित जिला संयोजक उज्ज्वल शुक्ला ने की। बैठक में आगामी विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से 4 जुलाई को स्वामी विवेकानंद की पुनयतिथि पर जिले की विभिन्न इकाइयों में माल्यार्पण, पौधरोपण और संगोष्ठी कार्यक्रम होना सुनिश्चित हुआ है। वहीं 9 जुलाई से 16 जुलाई को राष्ट्रीय छात्र दिवस के उपलक्ष्य में सभी इकाइयों में परिषद से परिचय का कार्यक्रम सुनिश्चित हुआ है। वहीं आगामी 23 जुलाई को जिला सम्मेलन डिग्री कॉलेज मनिका में होना तय हुआ है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला संयोजक ने बताया कि आगामी 21 जून से 10 अगस्त तक विद्यार्थी परिषद जिले भर में शैक्षणिक मुद्दों को लेकर आंदोलनरत रहेगी। बैठक में मुख्य रूप से प्रांत सह मंत्री रमेश उरांव, प्रांत एसएफएस सह प्रमुख कुमार नवनीत, जिला सह संयोजक बृजकिशोर टाना भगत, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य उत्तम कुमार, पूर्णकालिक अतुल कुमार सिंह, राष्ट्रीय कला मंच जिला प्रमुख अभिषेक, कमलेश, देवदास सिंह, रंजित, अनिरुद्ध, संदीप भगत व पूर्व कार्यकर्ता गौरव उपस्थित रहे।

बीएलओ व पर्यवेक्षक को दिया गया प्रशिक्षण

महुआडांड़। प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में मंगलवार को सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग की अध्यक्षता में बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के अद्यतन जानकारियों से अवगत कराते हुए मतदान केंद्र संख्या 281 से 321 के सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण दिया गया।

बालबाड़ी निःशुल्क शिक्षण केंद्र का शुभाररंभ

पत्थलगडा(चतरा)। मंगलवार को पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत नोनगांव में सुमित्रा स्मारक सेवा संस्थान के तत्वाधान में पंचायत शिक्षा अभियान योजना अंतर्गत संचालित बालबाड़ी केंद्र (निःशुल्क शिक्षण केंद्र) का शुभारंभ जिप सदस्य रामसेवक दांगी, प्रमुख मनीषा कुमारी, मुखिया कुमारी संगीता सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि अरविंद ठाकुर, बीस सूत्री अध्यक्ष विकास यादव, पूर्व मुखिया सतीश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान पोशाक व पाठय सामग्री नामांकित बच्चों के बीच वितरण की गई। संस्था के राष्ट्रीय सचिव राम जनम कुमार व स्टेट कोऑर्डिनेटर राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों के नौनिहाल बच्चों को बेहतर प्रारंभिक शिक्षा देने को लेकर सुमित्रा स्मारक सेवा संस्थान संकल्पित है। मौके पर शिक्षिका संजू देवी, कुंती देवी, मनीषा कुमारी, सविता कुमारी आदि उपस्थित थे।

गरीब का मकान जल कर राख, रहने-खाने की चिंता

नवीन मेल संवाददाता। टंडवा
टंडवा थाना क्षेत्र के कुड़लौंगा गांव में बीते देर रात आग लगने से एक गरीब परिवार का मकान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिजन टोला निवासी टेहवा भुइयां के घर में देर रात तब आग लगी जब परिवार के लोग सो रहे थे। जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। हालांकि घर में रखे खाद्यान्न व कपड़ा समेत अन्य सामन जल गए, जिससे उन्हें अब रहने व खाने की चिंता सता रही है। परिजनों की मानें

तो घर के बगल में स्थित सूखे पेड़ में किसी ने आग लगा दी थी, जिसकी डाली टूटकर घर पर ही गिरने के कारण उक्त घटना घटी है। इधर ग्रामीणों की मदद से घर में रखे कुछ कपड़े व अन्य सामग्री को बाहर निकाला गया। पीड़ित ने प्रशासन से समुचित मुआवजे की मांग की है।

आम्रपाली कोल परियोजना से अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त

टंडवा (चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र में संचालित आम्रपाली कोल परियोजना से अवैध कोयला लेकर भागने के फिराक में जुटे ट्रक को बीते देर रात मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ लिया। इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह ने बताया कि सीसीएल प्रबंधन द्वारा ट्रक में लोड कोयला से संबंधित वैध कागजात नहीं होने का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराया गया है। इसके आलोक में कांड संख्या 121/2023 दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

शिव मंदिर के स्थापना दिवस पर कलश यात्रा निकाली, सैकड़ों श्रद्धालु शामिल

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह
प्रखंड के प्रसिद्ध धर्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विख्यात सरईडीह शिव मंदिर के तीन दिवसीय तीसरे स्थापना दिवस पर मंगलवार को कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इसमें विधायक रामचंद्र सिंह के साथ प्रखंड के पश्चिमी क्षेत्र की जिप सदस्य संतोषी शेखर, मंदिर के संस्थापक अमृत प्रसाद और उषा देवी ने मुख्य रूप से शिरकत की। कलश यात्रा की शुरुआत मंदिर परिसर से की गई और

केचकी तट पर कलश में जल लेकर श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंची। कलश की स्थापना कराई गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष जोखन प्रसाद के साथ उमेश प्रसाद प्रकाश सिंह, मंटू सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता समेत काफी संख्या में स्थानीय लोग स्थापना दिवस अपनी अहम भागीदारी निभा रहे हैं।

कार्यक्रम **पार्टी के लाभार्थी सम्मेलन में पहुंचे सांसद व विधायक**

भाजपा ने गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां

नवीन मेल संवाददाता। मयूरहंड
मंगलवार को मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के सोकी दुर्गा मंदिर प्रांगण में भाजपा सरकार के नौ साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण हेतु सरकार द्वारा जनहित में किए गए कार्यों को लेकर लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष बिक्रम कुमार सिंह व संचालन जिला महामंत्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से सांसद सुनील कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा, सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास एवं हजारीबाग विधायक मनीष जायसवाल उपस्थित हुए।

मौके पर मुखिया पति सह प्रतिनिधि ईश्वरी मेहता ने धोबनिया नाला पर पुल तथा सरकारी

विद्यालयों में पेयजल की समस्या से सांसद व विधायक को अवगत करवाया। जिसमें विधायक चौबीस घंटे के अंदर बोरींग करवाकर पेयजल उपलब्ध कराने की घोषणा की। वहीं प्रमुख प्रतिनिधि संजय कुमार सिंह, अक्षयवट पांडेय, विधायक ने कहा की भाजपा सरकार गरीबों के लिए समर्पित है। भारत सरकार ने दो कमरा का आवास, पांच लाख रुपए तक की उपचार गरीबों के लिए सुविधा उपलब्ध करवाया। सांसद ने कहा डीएमएफटी योजना से प्रत्येक पंचायत को प्रधान मंत्री खनिज विकास योजना के तहत विकास के लिए एक करोड़ रुपया दिया जाता है। भारत सरकार की कुशुम योजना के तहत सौर संचालित पंप सेट दी जा रही है। मोदी जी 2024 की नही बल्कि बच्चों की भविष्य सवारने के लिए 2047 तक की राजनीति कर रहे हैं। भाजपा सरकार में काम नहीं करने वालों का कोई स्थान नहीं है। प्रत्येक पंचायत में 300 लोगों को बैठने की क्षमता वाला सामुदायिक भवन एवं किसानों के लिए अमृत सरोवर बनेगा। बड़ाकर, करकरा, सगनर नाला को बड़ाकर नदी से जोड़ने की व्यवस्था शुरू की जाएगी। इस अवसर पर अन्य पार्टी छोडकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सोकी पंचायत के 6 लोगों को माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उज्ज्वल दास, युवा मोर्चा के अभिषेक केशरी, सीमा पासवान, पूर्व जिप सदस्य राजेश कुमार सिंह, जिप सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह, बिनोद बिहारी पासवान, रणधीर सिंह, अछूत सिंह, बम शंकर सिंह, नवीन पांडेय व दर्जनों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा के लाभार्थी सम्मेलन में केंद्र की योजनाओं पर चर्चा

बरवाडीह। प्रखंड मुख्यालय के सामुदायिक भवन में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से लाभार्थी सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह के साथ पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजधानी यादव, जिला परिषद की सदस्य संतोषी शेखर, पूर्व जिला परिषद सदस्य मनिका रघुपाल सिंह समेत पार्टी पदाधिकारी ने शिकरत की। इसमें केंद्र सरकार की योजनाओं पर चर्चा की गई। सम्मेलन में लातेहार प्रमुख पशुराम लोहरा, जिला प्रमुख ध्रुव पांडे, जिला महामंत्री बंसी यादव, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद, दिलीप सिंह यादव, अजय सोनी, ईश्वरी सिंह, मनोज प्रसाद, प्रदीप सिंह, कुमार सिंह, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नीरज सिंह, विक्की सिंह आदि उपस्थित रहे।

लोहरदगा में एक साथ तीन स्थानों से निकली भव्य रथयात्रा, भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ मौसीबाड़ी पहुंचे भगवान जगन्नाथ

उमंग, उल्लास व श्रद्धा के साथ निकली ऐतिहासिक रथ यात्रा

राहुल कौशल। लोहरदगा

लोहरदगा जिले में ऐतिहासिक रथ यात्रा उमंग, उल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। अहले सुबह से ही शहरी क्षेत्र के गुदरी बाजार स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर, चंद्रशेखर आजाद चौक स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर, तिवारी दूरा स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर में पूजा अर्चना करने वालों की भीड़ लगी रही। इस दौरान शहर का माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिर परिसर के आसपास मेला का दृश्य जैसा प्रतीत हो रहा था। पूजा सामग्रियों की अस्थायी तौर पर दुकानें व ठेला लगे थे। दोपहर बाद रथयात्रा निकाली गयी। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान का रथ खींचा। भगवान के विग्रहों को रथारूढ़ कर शहर का परिभ्रमण कराया गया। जगन्नाथ स्वामी के रथ को ईस्ट गोला रोड स्थित मौसीबाड़ी पहुंचाया गया, जहां भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ नौ दिन तक मौसीबाड़ी में रहेंगे। घुरती रथ के अवसर पर भगवान जगन्नाथ को गुदरी बाजार स्थित जगन्नाथ महाप्रभु के मंदिर में लाया जायेगा। शहरी क्षेत्र के अलावा दूर दराज से लोग रथ यात्रा में शामिल हुए। इधर ऐतिहासिक रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। सुरक्षा की कमान खुद एसडीपीओ बीएन सिंह संभाल रहे थे। ड्रोन कैमरा के माध्यम से रथयात्रा की निगरानी किया जा रही थी। इस मौके पर सदर थानेदार अनिल उरांव समेत बड़ी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे।

स्वयंसेवकों ने ठाकुरबाड़ी परिसर में सेवा दी : स्थानीय ठाकुरबाड़ी में जगन्नाथ स्वामी के दर्शन व पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान शंकर तिवारी सेवा न्यास के सहयोग से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने ठाकुरबाड़ी परिषर में सेवा प्रदान की। इस दौरान जूता-चप्पल का रख रखाव, प्रसाद वितरण, मंदिर प्रांगण में विधि व्यवस्था को बनाने रखने में मदद की।

कुडू में भक्तिमय माहौल में निकाली गई रथ यात्रा

कुडू। कुडू में रथयात्रा शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गई। इंदिरा गांधी चौक स्थित बिड़ला शिव मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ कुडू बाजार टाड स्थित दुर्गा बाड़ी लाया गया था जहां सुबह से शाम तक दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही। पुरोहित जमुना पाठक ने पूजा करायी। इसके बाद रथयात्रा निकली गयी, जो बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर मौसीवाड़ी पहुंची। यहां नौ दिन प्रवास के बाद भगवान जगन्नाथ वापस इंदिरा गांधी चौक स्थित शिव मंदिर पहुंचेंगे। मौके पर थाना प्रभारी विश्वजित कुमार सिंह, संजय चौधरी, संतोष प्रसाद, अमित कुमार बंटू, कुलदीप उरांव, विनय साहू सहित भारी संख्या में लोगों ने रथ खींचा।

भंडरा में रथ यात्रा मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कुलदीप कच्छप। भंडरा

प्रखंड में मंगलवार को ऐतिहासिक रथयात्रा मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथरूढ़ होकर मौसीबाड़ी पहुंच गए। रथ को खींचकर आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इससे पहले सुबह ही श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन के लिए मंदिर के कपाट खोल दिये गये थे। सबसे ज्यादा आकर्षण भगवान जगन्नाथ का फूलों से सजाया गया रथ था। रथ की सजावट से लोग मंत्रमुग्ध थे। रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के हरि बोल-हरि बोल के उद्घोष से पूरा माहौल गूंज रहा था। रथयात्रा ठाकुरबाड़ी से शुरू होकर अखिलेश्वर धाम स्थित मौसीबाड़ी पहुंचकर संपन्न हुई। रथयात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के भजन और जयकारा सुनकर भाव विभोर हो रहे थे। मौसीबाड़ी में भगवान नौ दिनों तक विश्राम कर रोजाना भक्तों को अपने अलग-अलग रूपों में दर्शन देंगे। इसके बाद फिर से भगवान रथ में सवार होकर ठाकुरबाड़ी लौटेंगे। रथयात्रा मेला में भंडरा, लोहरदगा, कुडू,सेन्हा, कैरों के अलावा गुमला व रांची के विभिन्न गांवों के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। स्थानीय प्रखंड व पुलिस प्रशासन एवं दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं के साथ्ज्ञ मिलकर रथ खींचमते हुए मौसीबाड़ी तक ले गए। मौके पर राधामोहन शर्मा, किशोरी शर्मा,ईश्वरी मोहन शर्मा, राजू शर्मा, विभाकर पाठक, अच्युतानंद मिश्रा, दिगंबर मिश्रा, श्रीधर पाठक, विवेकानद मिश्रा, अवधेश महंती सहित काफी संख्या में भक्त गण मौजूद थे।

खरीदारों की लगी रही लंबी लाइन : मेले में घरेलू उपयोग के सामान से लेकर कृषि सामग्री, सुरक्षा, फैशन सामग्री, मिठाई, खिलौना की दुकानें सजी हुई थीं। बच्चों के मनोरंजन के लिए टावर झूला, ड्रैगन ट्रेन, हार्स राइज्डग, चित्रहार, मौत का कुआं, बिजली झूला, टोरा-टोरा आदि लगाए गए हैं, जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया। मेले में रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले पारंपरिक सामान आसानी से मिल रहे हैं। यहां झारखंड, बिहार, बंगाल आदि क्षेत्र से व्यापारी आए हुए हैं।

व्यापक सुरक्षा इंतजाम

ऐतिहासिक रथ यात्रा मेले को लेकर प्रखंड व पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया था। मेले में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किये गये थे। डीएसपी परमेश्वर प्रसाद, सीओ दिनेश प्रसाद गुप्ता, बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा, थाना प्रभारी गौतम कुमार, अवर निरीक्षक विकास कुमार विश्वकर्मा एवं सभी पुलिस पदाधिकारी मेले पर नजर बनाये हुए थे। वहीं आयोजन समिति द्वारा मेले में जगह-जगह वालंटियर तैनात किया गया था।

बालू के अवैध खनन व परिवहन में ट्रैक्टर जब्त

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा थाना क्षेत्र में बालू के अवैध खनन व परिवहन मामले में सीठीयो से बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया गया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने बताया कि सीठीयो कोयल नदी से बालू का अवैध खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन करने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। इस पर सआनि बिरेंद्र बाखला ने शस्त्र बल के साथ कार्रवाई की। बता दें कि अवैध बालू ढुलाई पर पुलिस लगाम लगाने की दिशा में लगतार कार्य कर रहा है, जबकि लोहरदगा थाना क्षेत्र के हरमू एवं जुरिया कोयल नदी से बालू का उठाव जारी है। थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने बताया कि जब्त ट्रैक्टर चालक एवं मालिक के विरुद्ध राजस्व क्षति तथा सरकारी संपत्ति के हनन को लेकर कारवाई की जाएगी।

तेज हवा के साथ झमाझम हुई बारिश गर्मी से मिली राहत

भंडरा। दोपहर के 2 बजे से लेकर 3 बजे तक तेज हवा एवं मूसलाधार बारिश हुई। तेज हवा के कारण कई घरों को नुकसान हुआ और कई जगह पेड़ गिर गए। इस दौरान बिजली के खंभों को भी नुकसान हुआ। भैसमुंदो गांव में एक विशाल इमली का पेड़ गिर गया, जिससे 2 बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गये। पेड़ गिरने से ग्रामीण का घर भी क्षतिग्रस्त हुआ। अन्य गांव में भी कई घरों की छत उड़ गई। हालांकि तेज हवा के साथ हुई बरसात से लोगों को गर्मी में राहत मिली है। तापमान 5 डिग्री तक कम हुआ है। इस वर्षा को लोग मानसून की बारिश बता रहे हैं। मानसून की शुरुआत होने के बाद किसानों के चेहरे में खुशी देखी जा रही है।

अवैध बालू व ट्रैक्टर जब्त, 3 गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद बालू के अवैध उत्खनन और परिवहन को नियंत्रित करने को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह व सदर थानेदार अनिल उरांव के द्वारा मंगलवार देर रात बालू माफियाओं के विरोध औचक छापामारी की गई। इस दौरान बालू का अवैध स्टॉक को चिन्हित कर जब्त किया गया। नदी घाट से मध्य रात्रि को बालू का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को मौके पर पकड़ा गया। बालू डंपिंग और ट्रैक्टर से बालू परिवहन करने के मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार के निर्देश पर बालू माफियाओं के विरुद्ध कारवाई की गई। छापामारी के दौरान शहरी क्षेत्र के बरवाटोली इलाके से बालू का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को जब्त किया गया। शहरी क्षेत्र के चेकनाका के निकट अवैध रूप से डंप किए गए लगभग दो हजार सीएफटी बालू को जब्त किया गया। इस दौरान बालू के अवैध कारोबार में शामिल कई लोगों की गिरफ्तारी की भी सूचना है। इस संदर्भ में एसडीपीओ बी एन सिंह ने बताया कि पुलिस को लगातार बालू के अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायत मिल रही थी। बालू माफियाओं के हौसले बढ़ने की जानकारी मिल रही थी। इस पर नियंत्रण लगाने के लिए पुलिस टीम का गठन कर छापामारी अभियान चलाया गया। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस कार्रवाई से बालू के अवैध कारोबारियों के हौसले पस्त होंगे। पुलिस बालू के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं करेगी।

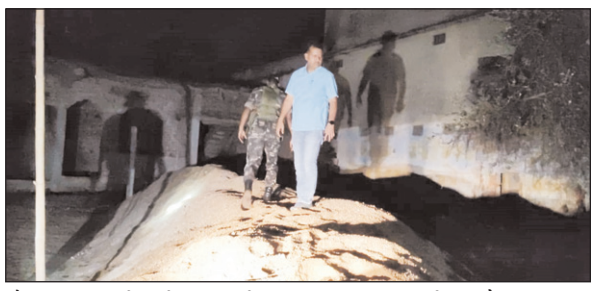

संक्षिप्त

वज्रपात से तीन मवेशी का मौत, तीन घायल

सेन्हा। तेज बारिश के साथ वज्रपात होने से झालजमीरा पंचायत व भड़गांव पंचायत में तीन मवेशी का मौत हो गई, जबकि तीन पशु जख्मी हो गये। बताया जाता है कि झालजमीरा पंचायत के तुरी टोली निवासी स्व. गंदूरा महली के पुत्र डीबीराम महली के घर के पास पेड़ के नीचे पांच मवेशी को चारा देकर घर गया था तभी अचानक से मौसम बदला और गर्जन के साथ वर्षा होने लगी। इसी दौरान वज्रपात होने से डीबीराम महली के 2 मवेशी की मौत हो गई, जबकि तीन मवेशी घायल हो गये। घायलों का इलाज स्थानीय लोगों द्वारा किया गया। इसके अलावे भडगांव पंचायत के कुंदगड़ी उफराटोली निवासी सुकरा उरांव की भैंस की मौत भी वज्रपात से हो गई। इस संदर्भ में अंचलाधिकारी विजय कुमार ने कहा कि पशु चिकित्सक को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही उन्होंने पीड़ित किसानों मुआवजा दिया जाएगा।

झमाझम बारिश के बाद सड़कों पर जलजमाव

कैरो / लोहरदगा। दोपहर बाद शुरू हुई झमाझम बारिश के कारण सडक पर जलजमाव शुरू हो गया। प्रखंड मुख्यालय स्थित मस्जिद मुहल्ले मे अमित कुमार यादव के घर के पास जलजमाव हो गया। लोगों का कहना हैं की अब तो पूरी बरसात ऐसे ही इस स्थान पर जलजमाव रहने वाला हैं हालांकि समय रहते जलजमाव की इस समस्या से निजात दिलाने को लेकर प्रशासन का ध्यान कई बार स्थानीय लोगों के द्वारा आकृष्ट कराया गया है,लेकिन प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं है।बताया गया की नाला नहीं होने से सड़कों पर जलजमाव की स्थिति बनी रहती है।अब ये समस्या पूरी बरसात बनी रहेगी। बिगत कई वर्षो से इस समस्या को मुहल्ले के लोग झेल रहे हैं लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इस समस्या के समाधान के लिए कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं रहने से जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जलजमाव के कारण अगल बगल के लोगों के घरों में भी गंदा पानी घुस जाता है। कुल मिलाकर यह स्पष्ट हो चुका है कि जनता की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रति किसी को भी कोई मतलब नहीं है।

कार्यक्रम गुमला के कौशल नर्सिंग कॉलेज में योग सत्र आयोजित किया जाएगा

योग दिवस के उपलक्ष्य में चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 के पूर्व मंगलवार को नर्सिंग कौशल कॉलेज, गुमला में 'योग फॉर वसुधैव कुटुंबकी' एवं 'हर आंगन योग' विषय पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं आदि पर चर्चा की गई। इस अवसर पर नर्सिंग कौशल कॉलेज की डीन मेजर नीरजा केरकेट्टा, लाइफ स्टाइल फैकल्टी श्रीमती सुमिता चैटर्जी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री संतोष झा, शिक्षक- शिक्षिकाओं के साथ केंद्रीय संचार ब्यूरो, गुमला की क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्रीमती महविश रहमान उपस्थित थी।

मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, गुमला की क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी महविश रहमान ने बताया कि संपूर्ण विश्व के लोगों ने योग के महत्व को स्वीकार करते हुए पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2015 को मनाया था। इसी क्रम में 21 जून को प्रातः 6 बजे से कौशल नर्सिंग कॉलेज, सदर अस्पताल परिसर में रैली एवं योग सत्र का आयोजन किया जाएगा जिस में गुमला सिविल सर्जन डॉक्टर राजू कच्छप, नर्सिंग कौशल कॉलेज के डायरेक्टर कर्नल डॉक्टर बी. के. मल्लिक, योग परिवार गुमला के अध्यक्ष श्री अशोक जयसवाल आदि अतिथिगण उपस्थित होंगे। भारत सरकार की ओर से अधिकारियों, कर्मचारियों और साथ ही कॉलेज के शिक्षक - शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। योग दिवस के इस वर्ष का थीम है 'योग फॉर वसुधैव कुटुंबकम' और 'हर आंगन योग।' नर्सिंग कौशल कॉलेज की डीन मेजर नीरजा केरकेट्टा ने कहा कि योग दिवस का मुख्य उद्देश्य है कि एक जन आंदोलन जागृत कर लोगों को स्वस्थ तथा तनावरहित रहने के लिए प्रेरित करना। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे योग को अपने दिनचर्या में शामिल करें। सामाजिक कार्यकर्ता संतोष झा ने कहा कि 'योग रखे निरोग' को ध्यान में रखते हुए हर व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए। साथ ही उन्होंने योग दिवस पर इस विशेष कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए केंद्रीय संचार ब्यूरो गुमला की सराहना की।

आज प्रतिभागियों को मिलेगा पुरस्कार : मंगलवार को आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को 21 जून को प्रातः केंद्रीय संचार ब्यूरो, गुमला द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित परिचर्चा सह योगाभ्यास कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। मौके पर विभाग से पंजिकृत सांस्कृतिक दल लोकनाथ लोहरा कला मंच द्वारा योग पर कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी जाएगी। योग पर आधारित रैली भी निकाली जाएगी।

NEWS इन ब्रीफ

2000 के नोट पर बैन से इकोनॉमी होगी सुपर चार्ज

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक का 2000 रुपए के नोट को बंद करने का फैसला देश की इकोनॉमी में नई जान फूंक सकता है. ये हम नहीं बल्कि देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की एक रिपोर्ट कहती है। केंद्रीय बैंक का ये कदम कई पैरामीटर्स पर इकोनॉमी को 'सुपर चार्ज' कर सकता है। एसबीआई के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष ने हाल में आई इकोरैप रिपोर्ट में कहा है कि 2000 रुपये के नोट बंद किए जाने या वापस लिए जाने के कई फायदे होंगे। ये तत्काल प्रभाव से बाजार में कंजप्शन डिमांड बढ़ा सकता है। इतना ही नहीं इससे बैंकों के डिपॉजिट में बढ़ोतरी होने, लोगों का लोन वापस करने, बाजार में उपभोग बढ़ने और आरबीआई के डिजिटल करेंसी के उपयोग को बूस्ट मिल सकता है, ये कुल मिलाकर देश की इकोनॉमी के लिए बेहतर होगा।

24 फुटवियर उत्पादों के लिए एक जुलाई से लागू होंगे जरूरी गुणवत्ता मानक

नई दिल्ली। जूते-चप्पल जैसे फुटवियर उत्पादों के बड़े व मझोले स्तर के विनिमार्ताओं और सभी आयातकों को एक जुलाई से 24 उत्पादों के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। चीन जैसे देशों से खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों का आयात रोकने के लिए ये मानक लागू किए जा रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने सोमवार को कहा कि फिलहाल ये गुणवत्ता मानक बड़े व मझोले स्तर के विनिमार्ताओं और आयातकों के लिए ही लागू किए जा रहे हैं।

अमेरिका भारत से गहरा साझेदारी करने के प्रयास में

एजेंसी। नई दिल्ली

संयुक्त राज्य अमेरिका अपने बढ़ते आर्थिक प्रभाव के लिए भारत को आकर्षित कर रहा है और बाद में चीन के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता में एक अनिवार्य साथी के रूप में भी विचार कर रहा है। द इकोनॉमिस्ट के अनुसार भारत की विदेश नीति चीन के प्रति अधिक मुखर और अधिक शत्रुतापूर्ण हो गई है। अमेरिका यह भी देख रहा है कि भारतीय डायस्पोरा दुनिया का सबसे बड़ा और उल्लेखनीय रूप से प्रभावशाली है जो उनके लिए मददगार होगा लेकिन भारत के पास जो अधिक आकर्षक संपत्ति है वह अर्थव्यवस्था है जो अपनी पूरी क्षमता से बढ़ रही है। अमेरिका और भारत अपनी साझेदारी को गहरा और करीबी होते हुए देख रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अमेरिका की यात्रा पर गये हैं। जहां राष्ट्रपति जो बिडेन उनके लिए व्हाइट हाउस में एक औपचारिक भोज दे रहे हैं। पीएम मोदी को दूसरी बार एक संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस विज्ञप्ति के शब्दों में, यह यात्रा संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच गहरी और करीबी साझेदारी की पुष्टि करेगी। हाल ही में, भारत ने ब्रिटेन को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पीछे छोड़ दिया और अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी गोल्डमैन सैक्स का अनुमान था कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2051 में यूरो क्षेत्र 2075 तक अमेरिका से आगे निकल जाएगा। गोल्डमैन का विश्वास आंशिक रूप से जनसांख्यिकी पर टिका हुआ है, क्योंकि यूरोपीय संघ और चीन के कार्यबल सिकुड़ रहे हैं और उनकी जनसंख्या भी कम हो रही है। हाल ही में, भारत ने जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया और सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। ओईसीडी के अनुमानों के मुताबिक ज्यादातर अमीर देशों का क्लब, भारत 2040 के अंत तक बढ़ेगा।

इंफोसिस चेयरमैन ने आईआईटी बॉम्बे को दान में दी 315 करोड़ रुपए की राशि

नई दिल्ली। आईआईटी बॉम्बे को इंफोसिस के सह संस्थापक और चेयरमैन नंदन निलेकणी ने 315 करोड़ रुपए की राशि दान में दी है। निलेकणी ने आईआईटी बॉम्बे के साथ अपने संबंधों को सम्मान देते हुए 38.3 मिलियन डॉलर की राशि दान में दी है। नीलेकणी से मिली यह राशि आईआईटी के इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च, तकनीक और डीप टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने पर खर्च की जाएगी। निलेकणी की ओर से पूर्व में दिए गए 85 करोड़ रुपए की राशि को जोड़ दिया जाए तो संस्थान में निलेकणी की ओर से दी गई मदद 400 करोड़ रुपए हो जाएगी। संस्थान और निलेकणि ने एक संयुक्त बयान में कहा कि यह देश में किसी पूर्व छात्र द्वारा दिए गए सबसे बड़े दान में से एक है।

इंडिगो ने 500 एयरबस ए320 विमानों का ऑर्डर की घोषणा की

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने 2030 और 2035 के बीच वितरित किए जाने वाले 500 एयरबस ए320 परिवार के विमानों के लिए ऑर्डर देने के संबंध में एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। खरीद समझौते को पेरिस एयर शो 2023 में अंतिम रूप दिया गया, जिसमें इंडिगो और एयरबस के प्रतिनिधि मौजूद थे। विगत सोमवार को एक बयान में इंडिगो ने पुष्टि की कि इंजन चयन और ए320 और ए321 विमानों के सटीक मिश्रण का निर्धारण उचित समय पर किया जाएगा। इस समय 300 से अधिक विमानों के बेड़े का संचालन कर रही इंडिगो के पास पहले से ही 480 विमानों के लिए बकाया ऑर्डर हैं, जो इस दशक के अंत तक वितरित किए जाने की उम्मीद है। 2030-2035 समय-सीमा में 500 विमानों के लिए इस नए फर्म ऑर्डर के साथ, इंडिगो की ऑर्डर-बुक में अब लगभग 1,000 विमान हैं, जो अगले दशक में डिलीवरी की एक स्थिर धारा को सुरक्षित करते हैं। इंडिगो के ऑर्डर में ए320एनईओ, ए321एनईओ और ए321एलआर एयरक्राफ्ट का संयोजन शामिल है। एक बयान में कहा गया, यह पर्याप्त निवेश इंडिगो और एयरबस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करता है।

भारतीय कंपनियों के मुताबिक जीएसटी सुधार के अगले चरण के लिए सही समय

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत को लगता है कि कारोबारी सुगमता को बढ़ाने और जीएसटी प्रशासन में सुधार के अगले चरण के लिए सही समय आ गया है। डेलॉयट के एक सर्वेक्षण में मंगलवार को यह बात कही गई। सर्वेक्षण में उद्योग जगत ने मौजूदा कर विवादों के समाधन के लिए एक माफी योजना लाने की अपील भी की। सर्वेक्षण में कहा गया कि एक जुलाई, 2017 को जीएसटी की शुरूआत के बाद से इसके प्रशासन में जबरदस्त बदलाव आया है। सर्वेक्षण में पता चला कि सरलीकृत कर व्यवस्था के लिए स्वीकृति बढ़ रही है और 88 प्रतिशत एमएसएमई ने अनुकूलित आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ माल और सेवाओं की लागत में कमी की बात कही। प्रतिभागियों में 80 प्रतिशत ने कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने और जीएसटी प्रशासन में सुधार के अगले चरण के लिए सही समय आ गया है।

बीएसईएस जुलाई तक 50 लाख स्मार्ट मीटर का देगा ठेका

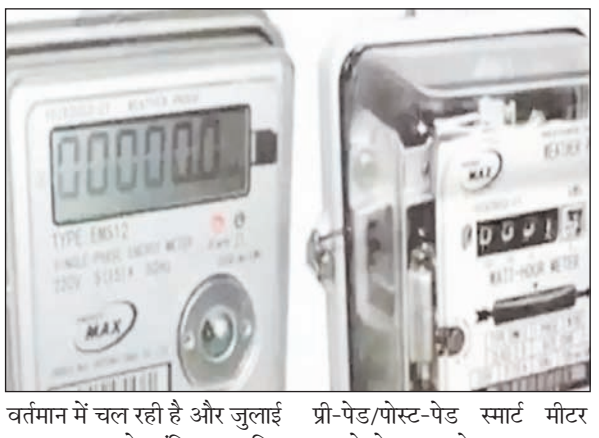

एजेंसी। नई दिल्ली

बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) अपनी महत्वाकांक्षी स्मार्ट मीटर परियोजना के चरणबद्ध कार्यान्वयन के साथ एक उल्लेखनीय डिजिटल परिवर्तन से गुजरने के लिए तैयार हैं। इस परियोजना का उद्देश्य बीएसईएस को स्मार्ट मीटर से लैस करना है, जिससे इसे भारत की पहली पूर्ण डिजिटल उपयोगिता के रूप में स्थापित किया जा सके। परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है और जुलाई 2023 तक इसे अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। बीएसईएस ने वित्तवर्ष 2024-25 तक 50 लाख प्री-पेड/पोस्ट-पेड स्मार्ट मीटर लगाने के लक्ष्य के साथ 2023 की सितंबर-दिसंबर तिमाही में ऑन-ग्राउंड कार्यान्वयन शुरू करने की योजना बनाई है। बीएसईएस स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक अपने 50 लाख उपभोक्ताओं के लिए अधिक कुशल और लागत प्रभावी प्रणाली प्रदान करना है। बिहार और बेस्ट मुंबई सहित विभिन्न उपयोगिताओं में हालिया निविदाओं ने प्रति नोड जीवनचक्र लागत 11,000 रुपये से लेकर 11,500 रुपये तक प्रकट की है। अपनी बड़ी आवश्यकताओं और संचालन के पैमाने के साथ, बीएसईएस का लक्ष्य इस निवेश को अत्यधिक लागत प्रभावी बनाना है।

सैमसंग ने सॉल्व फॉर टुमॉरो 2023 की टॉप 30 टीमों की घोषणा की

रांची। सैमसंग इंडिया ने अपने यूथ एजुकेशन एवं इनोवेशन कॉम्पटीशन 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' की टॉप 30 टीमों की घोषणा कर दी है। ये टीमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, राजस्थान, असम, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र और दिल्ली सहित भारत के 15 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश से हैं। सैमसंग ने इस प्रतियोगिता की शुरूआत देश के युवाओं के बीच आधुनिक सोच को विकसित करने और समस्या का समाधान करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की है। इस प्रतियोगिता में 16-22 वर्ष के युवाओं की ओर से चार विषयों से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आइडिया आमंत्रित किए हैं। इन चार विषयों में एजुकेशन एवं लर्निंग, हेल्थ एवं वैलनेस, एन्वायरमेंट एवं सस्टेनेबिलिटी और डायवर्सिटी एवं इनक्लूजन शामिल हैं। सॉल्व फॉर टुमॉरो 2023 में पूरे देश भर से टीमें शामिल हो रही हैं। इन टीमों ने भारत की विभिन्न समस्याओं के समाधान से जुड़े आइडिया पेश किए हैं। प्रतियोगिता को देश के 500 शहरों, कस्बों और गांवों के युवाओं की ओर से 70,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। इस सीएसआर प्रोग्राम के इस दूसरे साल के लिए, सैमसंग इंडिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब और आइआइटी दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ साझेदारी की है।

विदेश

बांध टूटने से प्रभावित यूक्रेनी क्षेत्रों में पानी दूषितः स्वास्थ्य मंत्रालय

कीव। यूक्रेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि 6 जून को रूस नियंत्रित नोवा कखोवका बांध के ढहने से प्रभावित क्षेत्रों में पानी अत्यधिक दूषित बना हुआ है। सोमवार को जारी एक बयान में, मंत्रालय ने कहा, खेरसॉन, ओडेसा और मायकोलाइव क्षेत्रों के जलाशयों में मानक से अधिक प्रदूषण है। सीएनएन ने नगर पालिका के हवाले से कहा, ओडेसा के समुद्र तटों को तैराकी के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, बांध के ढहने से गांवों का विनाश हुआ, खेतों में बाढ़ आ गई और बिजली के साथ-साथ हजारों लोगों को साफ पानी की आपूर्ति बंद हो गई। इससे कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बांध को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया या संरचनात्मक विफलता के कारण यह ढह गया।

'भारत बिना चीन से मुकाबला करना मुश्किल'

एजेंसी। वॉशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व में वैश्विक मंचों पर भारत का कद बढ़ता जा रहा है और अब वह अमेरिका के लिए एक अनिवार्य साथी हो गया है। दोनों देशों के बीच बढ़ते मजबूत संबधों के चलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा 21 जून से शुरू हो रहा है। पीएम मोदी दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री हैं जिनका व्हाइट हाउस में राजकीय स्वागत किया जाएगा। विदेश नीति के जानकारों की मानें तो जिस तरह से इकोनॉमिस्ट में छपे एक आर्टिकल के मुताबिक चीन का मुकाबला करने और चीनी आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमेरिका को अपनी कोशिशों में भारत का साथ चाहिए ही होगा। ब्रिटिश अखबार द इकोनॉमिस्ट में छपे आर्टिकल में इस बात की अहमियत बताई गई है कि किस तरह से अमेरिका से लेकर खाड़ी देशों तक भारतीय समुदाय फैला हुआ है। इकोनॉमिस्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारत की विदेश नीति मुखर हो गई है। अमेरिका भी अब इसे चीन के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता में एक अनिवार्य सहयोगी के रूप में देखता है। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा को एक ऐसे मौके के तौर पर देखा जा रहा है जो दोनों देशों के बीच बड़े रक्षा सौदों को अंजाम तक ले जा सकता है। इकोनॉमिस्ट के मुताबिक पीएम मोदी विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला और वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ ही अमेरिकी कांग्रेस को एक से ज?यादा बार संबोधित करने वाले कुछ विदेशी नेताओं की श्रेणी में शामिल हो जाएंगे। भारत की अर्थव्यवस्था भी अब अपनी क्षमता का अहसास कराने लगी है। ऐसे में इसके अमेरिका का आकर्षण बढ़ने पर हैरानी नहीं होनी चाहिए। भारत उस क्वाड सुरक्षा गठबंधन का भी अहम हिस?सा है जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी शामिल हैं।

कनाडा में नदी किनारे मिला लापता भारतीय छात्र का शव

टोरंटो। कनाडा पुलिस को नदी किनारे से एक भारतीय युवक का शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि यह युवक गुजरात का रहने वाला है। पिछले सप्ताह 20 वर्षीय छात्र पश्चिमी मैनिटोबा शहर से लापता हुआ था। पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्रैंडन शहर के पूर्व में राजमार्ग 110 पुल के पास एसिनिबोइन नदी के किनारे से 20 वर्षीय विश्व पटेल का शव बरामद हुआ था। बता दें कि युवक की पहचान की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक युवक के रिश्तेदारों ने 16 जून की सुबह युवक के लापता होने की सूचना दी थी। द ब्रैंडन सन ने बताया कि युवक वीडियो सर्विलांस में ग्रे कलर की होंडा सिविक से घर से बाहर जाता दिख रहा है। बता दें कि जिस दिन युवक लापता हुआ था। उसी शाम पुलिस को वाहन स्थानीय होम डिपो की पार्किंग में मिला था।

कराची पोर्ट टर्मिनल यूएई को सौंपेगा पाक

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान ने कराची बंदरगाह टर्मिनलों को सौंपने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एक सौदे को अंतिम रूप देने के लिए एक वार्ता समिति का गठन किया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि यह कदम आपातकालीन धन जुटाने के लिए पिछले साल बनाए गए कानून के तहत पहला अंतर-सरकारी लेनदेन हो सकता है। वित्त मंत्री इशाक डार ने अंतर-सरकारी वाणिज्यिक लेनदेन पर कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की। निर्णय के अनुसार, कैबिनेट समिति ने कराची पोर्ट ट्रस्ट (केपीटी) और यूएई सरकार के बीच एक वाणिज्यिक समझौते पर बातचीत करने के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया। कराची बंदरगाह टर्मिनलों को सौंपने के लिए संयुक्त अरब अमीरात की एक नामित एजेंसी के साथ सरकार से सरकार की व्यवस्था के तहत एक मसौदा संचालन, रखरखाव, निवेश और विकास समझौते को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता समिति को भी अनुमति दी गई है।

पैदावार

वित्तमंत्री सीतारमण ने नबार्ड की बैठक में कहा-

कम पानी वाले फसल उत्पाद के किसानों को जगरूक करें

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विगत सोमवार को नाबार्ड से कहा कि वह किसानों को अधिक लाभदायी के साथ-साथ पानी की कम खपत करने वाली फसलों, खासकर मोटे अनाज, दलहन और तिलहन की ओर अपना रुख करने के लिए प्रोत्साहित करे। राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की समीक्षा बैठक में सीतारमण ने इस कृषि-वित्त संस्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में ग्रामीण आय में सुधार के साथ जमीनी स्तर पर दक्षता और परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की सलाह दी। चालू अंतरराष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष 2023 में श्री अन्न का उत्पादन और विपणन राष्ट्रीय प्राथमिकता है। ऐसे में वित्त मंत्री ने नाबार्ड को किसानों को मोटे अनाज के तहत आने वाले खेती के रकबे को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने और पहले से ही मोटे अनाज उगाने वाले किसानों के लाभ की रक्षा करने का निर्देश दिया। वित्त मंत्रालय के ट्वीट में कहा गया है, वित्त मंत्री ने किसानों को अधिक लाभकारी लेकिन कम पानी की खपत वाली फसलों, विशेष रूप से बाजरा, दलहन और तिलहन की ओर बढ़ने के लिए जागरूक करने के ठोस प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन फसलों में पानी देने की कम संभावनाएं होती है। यह कम पानी वाले जगहों में इसकी अच्छी पैदावार होने की संभावना होती हैं। इस संबंध में किसानों को इस ध्यान देने की जरूरत है। ताकि आसानी इन्हें उत्पाद कर सकें। जब हम किसानों को प्रोत्साहित नहीं करेंगे तब हमें बेहतर करने का मौक नहीं मिल सकता है। किसान हमारे देश की रीढ़ हैं उन्हें हर तरह की सुविधा मिलने पर ही वह अच्छ फसलों को अपने खेतों में पैदा कर सकते हैं। मंत्री ने नाबार्ड को ग्रामीण ऋण बढ़ाने के लिए कदम उठाने के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों पर ध्यान देने के साथ किसान उत्पादक संगठनों द्वारा जैविक उत्पादकों के एकत्रीकरण को सुविधाजनक बनाने का भी निर्देश दिया। अन्य ट्वीट में वित्त मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय बजट और प्रमुख योजनाओं से वित्तपोषित परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए 17 जून को एक चिंतन शिविर आयोजित किया गया था।

हिंसा की नई लहर में छह फिलिस्तीनी मारे गए

रामल्ला। वेस्ट बैंक में हिंसा की नई लहर में छह फलस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि बेथलहम के पश्चिम में हुसान गांव में इजरायली सैनिकों द्वारा सिर में गोली मारे जाने के बाद सोमवार को 20 वर्षीय जकारेया अल-जौल की मौत हो गई। फिलिस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों ने कहा कि गांव में फिलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजराइली सैनिकों के बीच हुई झड़पों के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने गोलियां चलाने वाले सैनिकों पर पत्थर फेंके, इसके परिणामस्वरूप अल-जौल की मौत हो गई। अल-जौल की मौत की घटना पर इजरायली अधिकारियों की कोई टिप्पणी नहीं थी। हालांकि, इजरायल रेडियो ने बताया कि सैनिकों पर मोलोटोव कॉकटेल बम फेंकने वाले युवकों के एक समूह पर सेना ने गोलियां चलाईं। इसके अलावा सोमवार को, पांच फिलिस्तीनी मारे गए और 91 अन्य घायल हो गए। इनमें से 23 की हालत गंभीर है।

नई आयात नीति के बीच पाकिस्तान की प्रमुख मोटर कंपनी ने बंद किए संयंत्र

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाक सुजुकी मोटर कंपनी लिमिटेड ने 22 जून से 8 जुलाई तक अपने मोटरसाइकिल और चौपहिया संयंत्रों को बंद करने की घोषणा की है। सभी आयातों के लिए पूर्व अनुमोदन लेने के कारण खेपों की निकासी और मालसूची स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। कंपनी ने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) द्वारा शुरू की गई नई आयात नीति, पूरी तरह से नॉक-डाउन किट के आयात की पूर्व स्वीकृति लेना अनिवार्य बनाने से कंपनी के इन्वेंट्री स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। पाक सुजुकी को अपने उत्पादन और बिक्री के मामले में भी बड़ा नुकसान हो रहा है, क्योंकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान इसी अवधि में 11एमएफवाई23 में कम से कम 134,270 इकाइयों से कम से कम 54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,354 इकाइयों की गिरावट दर्ज की गई थी। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान आयात 1.55 अरब डॉलर था, जबकि चालू वित्त वर्ष के दौरान यह 54 प्रतिशत गिरकर केवल 71.2 करोड़ डॉलर रह गया है। इसका ऑटो-फाइनेंसिंग और बकाया ऑटो ऋणों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है क्योंकि उन्होंने भी लगातार 11वें महीने गिरावट का रुख जारी रखा। बकाया ऑटो-ऋण मई 2023 में 9 बिलियन पीकेआर से घटकर 300 बिलियन पीकेआर हो गया, इससे ऑटो-फाइनेंसिंग में कुल गिरावट कम से कम 68 बिलियन पीकेआर हो गई। पाक सुजुकी के एक सूत्र ने कहा, मार्च में ब्याज दर में 7 से 21 प्रतिशत की वृद्धि, केंद्रीय बैंक द्वारा ऑटो वित्तपोषण को धीमा करने और चार पहिया वाहनों की मांग को धीमा करने के विभिन्न उपायों के बाद, अब अंततः भुगतान करना पड़ रहा है। आरिफ हबीब लिमिटेड में अनुसंधान प्रमुख ताहिर अब्बास ने कहा, उच्च ब्याज दरें, कीमतें और उत्पादन निलंबन ऑटो-फाइनेंसिंग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। उच्च वाहन मांग की अवधि के दौरान कुल कार बिक्री में ऑटो-फाइनेंसिंग की वर्तमान हिस्सेदारी 25-30 प्रतिशत के विपरीत 1-2 प्रतिशत के बीच है। ऑटो-फाइनेंसिंग गतिविधियों का पुनरुद्धार राजनीतिक स्थिरता के समाधान, डॉलर संकट के उन्मूलन और सबसे महत्वपूर्ण रूप से आईएमएफ ऋण की मंजूरी पर निर्भर करता है।

गर्मी से राहत की उम्मीद

झारखंड में भीषण गर्मी के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने लगी है। अस्पताल में पेट दर्द, डायरिया और बुखार के मरीज ओपीडी में अधिक संख्या में पहुंच रहे हैं। गंभीर मरीजों को चिकित्सक वार्ड में भर्ती करने के साथ गर्मी से बचने व खानपान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दे रहे हैं। अस्पताल में उल्टी दस्त से पीड़ित दर्जनों मरीजों को डॉक्टर वार्ड में भर्ती कर इलाज कर रहे हैं। 44 डिग्री तापमान रहने से लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं। धूप में काम करने से लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। उल्टी-दस्त शुरू होने से लोगों को सरकारी और निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है। अस्पताल के फिजीशियन और डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी में डायरिया फैलने की संभावना अधिक रहती है। इससे बचाव के लिए सावधानी जरूरी है। प्रदूषित पानी पीने व बाजार में खुले में बिक रहे फलों के जूस व अन्य खाद्य सामग्री डायरिया की मुख्य वजह हैं। जिले के अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी डायरिया के मरीज भर्ती हो रहे हैं। अधिकांश मरीज तो ओपीडी में दवा लेकर घर चले जा रहे हैं। वहीं जिले के निजी अस्पतालों में भी डायरिया के मरीज पहुंच रहे हैं। अस्पताल के चिकित्सक गंभीर मरीजों को भी भर्ती कर रहे हैं। यदि इसी तरह से मौसम का प्रकोप रहा तो डायरिया के मरीजों में दो गुना का इजाफा होगा। गर्मी में स्पेशल केयर की जरूरत लगभग सभी लोगों को होती है, मगर गर्मी से बचने के लिए बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है। हालांकि, गर्मी से बचाने के लिए बच्चों की देखभाल तो लगभग सभी करते हैं, लेकिन कई बार हम अनजाने में बुजुर्गों की सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर बुजुर्गों को गर्मी के कहर से दूर रखा जा सकता है। गर्मी के मौसम में बुजुर्ग बड़ी आसानी से तेज धूप और लू का शिकार हो रहे हैं, जिसके कारण उनको दस्त, उल्टी, गैस और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं हो रही हैं। ऐसे में बुजुर्गों की डाइट से लेकर दिनचर्या तक में कुछ आम बदलाव करके उन्हें गर्मी और लू से बचाया जा सकता हैं। हालांकि सोमवार की हल्की बारिश के बाद जहां लोगों को आंशिक लाभ हुआ है लेकिन उमस काफी बढ़ गयी है। ऐसे में जानलेवा गर्मी से बचने के लिए डाक्टरों की सलाह बहुत जरूरी है। राज्य के कई हिस्सों में प्री मानसून का असर दिख रहा है। प्री मानसून की वजह से राज्य के कई हिस्सों में छिटपुट बारिश की खबर आ रही है। जो राहत भरी है। ऐसे में जहां बारिश हुई है उन इलाकों में तापमान में थोड़ी राहत आयी है। दिनभर यहां तेज धूप रही लेकिन शाम को तेज आंधी और बारिश हुई। मौसम विभाग ने अभी कहा है कि राज्य में लोगों को अभी दो से तीन दिन तक गर्मी झेलनी पड़ेगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों की मानें तो जल्द ही लोगों को राहत मिलेगी। लेकिन इन मौसमों में सावधानी जरूरी है।झारखंड में चिलचिलाती गर्मी और तेज लू से अभी लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी। अधिकांश जिलों का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। राज्य के कई हिस्सों में हल्की दर्जे की बारिश हो रही है लेकिन बारिश के बाद कुछ पल राहत के बाद लोगों को गर्मी और उमस बेचैन कर रही है। जिसके कारण लोग घरों में ही दुबके हैं। अभी राहत मिलने में समय लगेगा। लेकिन राहत की बात यह है कि झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां जल्द शुरू होने के संकेत मिलने लगे हैं।

44 डिग्री तापमान रहने से लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं। धूप में काम करने से लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। उल्टी-दस्त शुरू होने से लोगों को सरकारी और निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है।

योग से होगा सेहतमंद भारत का निर्माण

योग दिवस आज

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है-'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं। भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर, 2014 को इसका प्रस्ताव भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया ने योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन का आधार और चिकित्सा पद्धति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आयेगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे। योग शास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक समृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने हैं। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं। भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो। विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहे हैं। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आज की भगदौड़ में पूरी जिंदगी असंयमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भागदौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा। जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है। हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद दवा उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आयेगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है। **(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया।

इन दिनों

प्रभुनाथ शुक्ल

बोधि वृक्ष

आईये सुने भगवान लक्ष्मण की कथा

चन्दन चौकी मोतिया हार, राम कथा म्हारे हिवडे रो आधार,
राम कथा सुनाऊ राम ने मनाऊं ,
राम कहे तो प्रदेश में जाऊ,
सीताजी ने कहा हे बाई ! तूने मेरी मृत्युलोक में मदद करी भगवान तेरी स्वर्ग लोक में रक्षा करेंगे। सीताजी ने राम कथा सुनाई बाई ने कथा सुनी - आवो राम बैठो **राम जल भर झारी लाई राम,**
केला री दातुन लाई राम, ठंडा जलभर लाई राम सम्पाडो पधरावो राम झगल्या टोपी ल्याई राम, कड़ा किलंगी लाई राम स्वर्ण सिंहासन लाई राम, तापर आप बिराजो राम, झालर टिकारा लाई राम, शंख ध्वनी गरणाऊ राम,
हिवडे हीरा सोंवे राम निरखता मन मोहे राम, चरण शरण में आई राम शरण आपरी ले ल्यो राम माखन मिस्री ल्याई राम माखन मिश्री आरोगो राम, दूध भर कटोरी लाई राम मेवा चिरंजी परोसू राम,
खाती मीठी चाखां राम, चरखो फरखो आरोगो राम रुच रुच भोग लगाओ राम, जो भावे सो लेल्यो राम, जल भर झारी ल्याई राम, अबै आचमन करल्यो राम, रे स्याम गमछो ल्याई राम हाथ मुंह पौछ्ल्यो राम, पुष्पा सु सेज बिछाऊ राम, अंतरिया छिड़काऊं राम, हिंगलू डोल्या द्लाऊं राम, सीताजी चरण दबावे राम, मुखभर सेज पोढो राम, हाजर पंखा ढोलू राम, थामें राम , महामे राम रोम रोम में राम ही राम, घट घट माय बिराजो राम मुख में तुलसी बोलो राम, खाली मिजाज काई काम जब बोलो जब राम ही राम, बोलो पंछी राम राम , पुरण होवे मंगल काम,-- राम कथा पूर्ण हुई तो सीता जी ने कहा ! हे बाई तूने मेरी राम कथा सुनी , मेरी सहायता की राम जी लक्ष्मण को जिमाया हैं भगवान तेरी भी रक्षा करेंगे। तुझे स्वर्ग का सुख मिलेगा सीता माता ने उपहार स्वरूप अपने गले का हार दे दिया। जब वह घर गई तो उसके मटका सब सोने के हो गये।
(क्रमशः)

बिपरजॉय : धीरोदात्त नायक के रूप में उभरे प्रधानमंत्री मोदी

भारत में प्रायः हर साल चक्रवात तूफान आते रहते हैं चाहे अरब सागर में हों या बंगाल की खाड़ी में। आम तौर पर चक्रवात कम दबाव वाले क्षेत्र के आसपास वायुमंडलीय गड़बड़ी से उत्पन्न होते हैं। चक्रवातों के बाद आमतौर पर भयंकर तूफान और खराब मौसम आते हैं। यदि हम पिछले 2 से 3 दशक की घटनाओं पर नजर डालें तो भारत को जिन-जिन खतरनाक तूफानों का सामना करना पड़ा, उसमें जान-माल की हानि के साथ बड़ी संख्या में जनहानि भी उठानी पड़ी। इसके विपरीत हाल ही में गुजरात में आये चक्रवात बिपरजॉय की सूचना मिलने पर केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा एहतियातन की गई तैयारियों ने कम से कम जनहानि को तो बचा लिया। आपदाओं में घर के जो मुखिया जिस सतर्कता, धीरज, विवेक और गंभीरता का परिचय देकर संकट की भयावहता को शून्य करने में सफल होते हैं, वही इतिहास में धीरोदात्त नायक के रूप में स्थापित होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले नौ सालों के कार्यकाल में यह बार-बार सिद्ध हो चुका है कि वे किसी भी संकट से देशवासियों की प्राण-रक्षा के लिए आपदा में धैर्य नहीं खोते और सुविचारित रणनीतियों के साथ मुकाबला करते हैं; चाहे वह चक्रवात हो, अन्यस प्राकृतिक संकट हों या अतिवृष्टि और बाढ़, देश की सुरक्षा और अखंडता को कोई खतरा हो या कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी हो। अपनी कार्य-योजनाओं से वे जनहानि और अन्य नुकसान की रोकथाम का बेहतर प्रबंधन करने में कामयाब रहे हैं। हालिया चक्रवात बिपरजॉय से निपटने में भी प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन और रणनीतियां कारगर सिद्ध हुईं। उन्होंने बिपरजॉय के संकट से निपटने के लिए शासनिक और प्रशासनिक मशीनरी को समय पूर्व सजग किया। स्वयं, केंद्र और गुजरात की एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर चक्रवात के प्रभावी क्षेत्र के रहवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुमचाना और बिजली, पानी, स्वास्थ्य और दूरसंचार जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं के रख-रखाव को सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री ने पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की, जो उनकी संवेदनशीलता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री के निदेशों का परिणाम ही रहा कि चक्रवात से निबटने की तैयारियों के अहम अंग नियंत्रण कक्षों ने दिन-रात कार्य किया और कर रहे हैं। पिछले लगभग एक दशक में भारत के विभिन्न क्षेत्र में आये चक्रवातों से जनहानि को रोकने के भरपूर प्रयास हुए हैं। कुछ खतरनाक चक्रवातों में जनहानि भी हुई। लेकिन बिपरजॉय चक्रवात से निपटने के लिये जो अग्रिम व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई उसमें जन-सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखा गया। जैसा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक भारत के कई राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती थी। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रभावी कार्य-योजना बनाकर संबंधित राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये। मेरा मानना है कि इन तमाम व्यवस्थाओं के चलते बिपरजॉय के प्रभाव से होने वाली जनहानि को रोका जा सका।

कैसे हो पाता है यह सब : जैसा कि हम जानते हैं कि भारत में लगभग 58 प्रतिशत भू-भाग सामान्य से लेकर बहुत अधिक तीव्रता वाला भूकंप संभावित क्षेत्र है और 40 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र यानी देश के 12 प्रतिशत भू-भाग में बाढ़ की संभावना बनी रहती है। हमारे यहां 7516 किलोमीटर तक तटीय क्षेत्र में लगभग 5700 किलोमीटर क्षेत्र चक्रवात और सुनामी संभावित क्षेत्र है। प्रधानमंत्री ने इन सब बातों का ख्याल रखते हुए ही आपदा प्रबंधन की रणनीतियों पर बहुत ध्यान दिया है ताकि आपदा से प्रभावित होने वाले गरीब लोगों को जान-माल का नुकसान न हो।

शिवराज सिंह चौहान

यदि हम पिछले 2 से 3 दशक की घटनाओं पर नजर डालें तो भारत को जिन-जिन खतरनाक तूफानों का सामना करना पड़ा, उसमें जान-माल की हानि के साथ बड़ी संख्या में जनहानि भी उठानी पड़ी।

देश-विदेश

फोटो की दुनिया

फेसबुक वॉल से

यह गीता प्रेस का ही नहीं संस्कृति का भी सम्मान है

न केवल भारत वरन संपूर्ण विश्व में सनातन हिंदू संस्कृति का साहित्य के माध्यम से प्रचार- प्रसार करने वाली संस्था गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार मिलना हिंदू सनातन संस्कृति व साहित्य के लिए गर्व और हिंदू समाज के लिए आनंद की अनुभूति का समय है। जरा सोचिए कि अगर गीता प्रेस न होता तो आज हिंदू सनातन संस्कृति व परम्परा का क्या हाल हो रहा होता? एक विदेशी डाक्टर ए.ओ. हयूम तथा अंग्रेज मैकाले की शिक्षा के कुप्रभाव को रोकने में अगर जिसने अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वह गीता प्रेस ही है। आज संपूर्ण विश्व में हिंदू सनातन संस्कृति की जो जयकार होती है उसमें गीता प्रेस की बड़ी भूमिका है। संभवतः यही कारण है कि आज कांग्रेस गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिये जाने की आलोचना कर रही है। गीता प्रेस हिंदू धार्मिक ग्रंथों का विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशक है। आज हर घर तक गीता, रामायण, महाभारत सहित चार वेद और 18 पुराण तथा गोस्वामी तुलसीदास रचित समस्त साहित्य को बेहद सस्ती दरों में पहुंचाने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह गीता प्रेस है। गीता प्रेस को सम्मान मिलना संस्थापक जयदाल जी गोयन्दका व हनुमान प्रसाद पोद्दार जी जैसे महान संतों का भी सम्मान है। गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के सिद्धांतों, गीता,रामायण, उपनिषद, पुराण, संतों के प्रवचन और अन्य चरित्र निर्माण की पुस्तकों और पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा अत्यंत सूक्ष्म मूल्य पर विपणन करके इनको आम जन के लिए सुलभ कराना है। गीताप्रेस कार्यालय गोरखपुर में स्थित है जो भी लोग गोरखपुर भ्रमण के लिए जाते है वे गीताप्रेस अवश्य जाते हैं और सत साहित्य खरीद कर लाते हैं। गीता प्रेस की स्थापना 1923 में महान गीता मर्मज्ञ जयदयाल गोयन्दका के कर कमलों से हुई थी। यह संस्था भगवत्कृपा से सत साहित्य का उत्तरोत्तर प्रचार -प्रसार करते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर है। गीता प्रेस ने निःस्वार्थ भाव से सेवा कर्तव्य बोध दायित्व निर्वाह प्रभु निष्ठा प्राणिमात्र के कल्याण की भावना और आत्मोद्धार की जो सीख दी है वह सभी के लिए अनुकरणीय बना हुआ है। गीता प्रेस मार्च 2014 तक 58 करोड़ 25 लाख से अधिक पुस्तकें प्रकाशित कर चुका था। यहां पर प्रतिदिन 50 हजार से अधिक पुस्तकें छपती हैं। गीता प्रेस बच्चों के लिए प्रेरक सत साहित्य का भी प्रकाशन करता है। अब तक 12 करोड़ से भी अधिक भक्त चरित्र और भजन संबंधी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। कई पुस्तकों के 80- 80 संस्करण तक प्रकाशित हो चुके हैं। गीता प्रेस में गीता का मूल्य एक रुपये से प्रारम्भ होता है और इसी प्रकार हनुमान चालीसा, और सुंदरकांड जैसे ग्रंथ भी मात्र तीन रुपये में ही उपलब्ध हो जाते हैं। यहां की पुस्तकें लागत से 40 से 90 प्रतिशत कम मूल्य पर बेची जाती है। यह एक ऐसा प्रेस है जिसमें किसी जीवित व्यक्ति का चित्र या कोई विज्ञापन नहीं प्रकाशित होता है। यहां कुल 15 भाषाओं हिंदी, संस्कृत,अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, मराठी,बंगला, उड़िया, असमिया, गुरुमुखी, नेपाली और उर्दू में पुस्तकें प्रकाशित होती है। इस प्रकार गीता प्रेस एक भारत श्रेष्ठ भारत का अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है। गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार उसकी इस भावना को भी दिया गया सम्मान है। गीता प्रेस कल्याण नाम की एक पत्रिका प्रकाशित करता है जिसका एक विशेषांक हर वर्ष के प्रथम या द्वितीय माह तक उपलब्ध हो जाता है और विशेषांक लेने वाले प्रत्येक ग्राहक को यह पत्रिका पूरे वर्ष निशुल्क मिलती रहती है।

मृत्युंजय दीक्षित

गीता प्रेस ने निःस्वार्थ भाव से सेवा कर्तव्य बोध दायित्व निर्वाह प्रभु निष्ठा प्राणिमात्र के कल्याण की भावना और आत्मोद्धार की जो सीख दी है वह सभी के लिए अनुकरणीय बना हुआ है।

धर्म ज्ञान

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : **rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'वसुधैव कुटुम्बकम-एक परिवार, एक-पृथ्वी' का संदेश देगा

सर्बानंद सोनोवाल
केन्द्रीय आयुष और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की विषय वस्तु 'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग' है, और यह विषय वस्तु समग्र रूप से एक स्वस्थ, आनंदमय, शांतिपूर्ण और शक्ति युक्त दुनिया बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) से जुड़े सभी लोगों के निरंतर, निर्भीक और स्थायी प्रयासों पर प्रकाश डालती है। योग सकारात्मक ऊर्जा लाता है, और 'वसुधैव कुटुम्बकम' दुनिया को एक बड़े परिवार के रूप में देखना और मानना है। इस तरह से देखा जाए तो भारत की प्राचीन पारंपरिक प्रथा-योग, प्राचीन काल की प्रार्थना : 'सर्वे भवन्तु' सुखिन, सर्वे सन्तु निरामय (सभी सुखी हों और सभी रोगमुक्त हों') को साकार करने के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा शक्ति बन जाती है। शुरूआत में, मैं दोहराना चाहता हूं कि आयुष ने कुल मिलाकर पिछले 9 वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। यह हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना, दूरदर्शिता और भारत की परंपराओं की गहरी समझ है जिसने आयुष को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया है। जन-साधारण की सेवा के प्रति उनकी स्थिर प्रतिबद्धता और भारत को हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखने की इच्छा के परिणामस्वरूप हर साल दुनिया भर में आईडीवाई मनाया जाता है जिसमें हर वर्ष भाग लेने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। हमारे प्रधानमंत्री ने बहुत पहले 2014 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के समक्ष हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव देते हुए वैश्विक कल्याण और समग्र स्वास्थ्य का 'मंत्र' दिया था। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने तब सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और अब दुनिया इसे पूरे मन से अपना रही है।

'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग' एक दिन का विषय नहीं है। यह एक ऐसी विषय वस्तु है जिस पर अच्छी तरह से विचार किया गया है, चर्चा की गई है, कई लोगों द्वारा प्रतिबिंबित किया गया है और हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी कल्पना की है। जी20 राष्ट्रों और एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के सदस्य देशों के प्रतिनिधि और एससीओ के भागीदार भी योग को बेहद सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल भारत में योगाभ्यास करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, जैसा कि हम इसे अभी देख रहे हैं, सामूहिक तौर पर योग की बढ़ती स्वीकार्यता है। सम्पूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के साथ भारत सरकार का प्रत्येक मंत्रालय और सभी हितधारक तालमेल से काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय दूतावासों, विदेशों में भारतीय मिशनों और दुनिया भर में वाणिज्य दूतावासों को प्रोत्साहित करता है। यह वैश्विक समुदाय के बीच योग को बढ़ावा देता है और भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत करता है। इसी प्रकार अन्य मंत्रालय भी अपनी सापेक्ष शक्ति के क्षेत्र में कार्य करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की विषय वस्तु की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए, सबसे पहला और महत्वपूर्ण कार्य दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचने का होगा। पिछले साल हमने इस उदेश्य के लिए 'गार्जियन रिंग ऑफ योग' किया था। इस साल हम 'ओशन

रिंग' के रूप में, और प्राइम मेरिडियन लाइन पर या उसके पास पड़ने वाले 'आर्कटिक से अंटार्कटिका देशों तक' योग प्रदर्शन कर रहे हैं। 21 जून को ये दो विचार न केवल वैश्विक समुदायों की भागीदारी बढ़ाएंगे, बल्कि यह भी प्रदर्शित करेंगे कि योग जीवन को बनाए रखने वाली शक्ति है, चाहे स्थिति या स्थान कोई भी हो। योग उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र, हिमाद्रि- स्वालबार्ड, आर्कटिक में भारतीय अनुसंधान केन्द्र; और भारती- अंटार्कटिका में तीसरा भारतीय अनुसंधान केन्द्र में भी होगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह में हर तबके, वर्ग, समूहों को शामिल करने के लिए हमारे देश में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। योग भारतमाला शिक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय के साथ-साथ भारत सरकार के अन्य प्रमुख मंत्रालय भी इस उत्सव का हिस्सा हैं। यह पूरे सरकार के दृष्टिकोण को भी दशार्ता है। यह विचार स्पष्ट रूप से यह दिखाता है कि आईडीवाई हर किसी के लिए उत्सव है और हम में से प्रत्येक को अपनी भूमिका निभानी है।

ग्रामीण स्तर पर सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा और इसके लिए सामान्य सेवा केन्द्रों को भी जोड़ा गया है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत आयुष स्वास्थ्य और सम्पूर्ण स्वास्थ्य केन्द्र भी सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। यह भारत भर के सभी स्वास्थ्य और सम्पूर्ण स्वास्थ्य केन्द्रों में होगा। सीवाईपी का अभ्यास सभी आयुष सुविधाओं जैसे शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों आदि में किया जाएगा। प्रत्येक राज्य का एक आयुष ग्राम भी सीवाईपी अभ्यास में भाग लेगा और इसके लिए चिन्हित गांव में योग प्रशिक्षक नियुक्त किए जा रहे हैं ताकि 'सम्पूर्ण योग ग्राम' का दर्जा प्राप्त किया जा सके। इसका अंतिम उदेश्य ग्रामीण और सुदूरवर्ती इलाकों में 'हर आंगन योग' के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिए भारत में 2 लाख से अधिक गांवों में लोगों को कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) में प्रशिक्षित करने का प्रावधान किया गया है।

इस वर्ष, हमारे प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग प्रदर्शन की अगुवाई करेंगे। मुझे यकीन है कि इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग को बड़ा समर्थन मिलेगा। साथ ही, इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून को मध्य प्रदेश के जबलपुर में होगा। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गैरीसन मैदान, जबलपुर में सामूहिक योग प्रदर्शन की अगुवाई करेंगे। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, आयुष राज्य मंत्री डॉ. मुंजपारा महेन्द्रभाई, और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इसमें शामिल होंगे।

जैसे-जैसे हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 उत्सव की ओर आगे बढ़ रहे हैं, हर मिनट, हर सैकंड और हर स्थान उच्च स्तर का महत्व प्राप्त कर रहा है। आईडीवाई 2023 को एक शानदार सफलता बनाने के लिए हममें से प्रत्येक को एक भूमिका निभानी है। कुछ समय निकालें और खुद को योग की रोग निवारक और उपचारात्मक शक्ति में तल्लीन कर लें, जैसा कि मैं स्वयं प्रतिदिन करता हूं। मेरा यकीन मानिए, इस वर्ष का आईडीवाई विशेष है क्योंकि 'योग' में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की शक्ति निहित है।

योग क्या है व योग के लाभ

भागदौड़ भरी जिंदगी में हमें शांति नहीं मिल पाती है। लोग अपने दिनचर्या में ही व्यस्त रहते हैं। जबकि योग एक ऐसा माध्यम है जिससे शरीर को सुकून, शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य में भी काफी लाभ मिलता है।

योग क्या है? : योग एक आध्यात्मिक प्रकिया है जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ने (लाने) का काम होता है। योग शब्द प्रक्रिया और धारणा से संबंधित है। यह हिन्दू, जैन और बौद्ध धर्म में ध्यान प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है।

योग का अर्थ : योग शब्द संस्कृत धातु 'युज' से निकला है, जिसका अर्थ है व्यक्तिगत चेतना या आत्मा का सार्वभौमिक चेतना या रूह से मिलन। योग भारतीय ज्ञान की 5 हजार वर्ष पुरानी शैली है। हालांकि कई लोग योग को केवल शारीरिक व्यायाम ही मानते हैं, जहां लोग शरीर को मोड़ते, मरोड़ते, खींचते हैं और श्वास लेने के जटिल तरीके अपनाते हैं। यह वास्तव में केवल मनुष्य के मन और आत्मा की अनंत क्षमता का खुलासा करने वाले इस गहन विज्ञान के सबसे सतही पहलू हैं। योग का अर्थ इन सब से कहीं विशाल है। योग विज्ञान में जीवन शैली का पूर्ण सार आत्मसात किया गया है।

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर कहते हैं-

योग सिर्फ व्यायाम और आसन नहीं है। यह भावनात्मक एकीकरण और रहस्यवादी तत्व का स्पर्श लिए हुए एक आध्यात्मिक ऊंचाई है, जो आपको सभी कल्पनाओं से परे की कुछ एक झलक देता है।

योग का महत्व : योग में किसी व्यक्ति को सेहतमंद रहने के लिए और विभिन्न प्रकार के रोगों और अक्षमताओं से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न प्रकार के व्यायाम शामिल होते हैं। यह ध्यान लगाने के लिए एक मजबूत विधि के रूप में भी माना जाता है जो मन और शरीर को आराम देने में मदद करता है। दुनियाभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है। विश्व के लगभग 2 अरब लोग एक सर्वेक्षण के मुताबिक योग का अभ्यास करते हैं। इसीलिए आज पूरे विश्व में योग की मान्यता है। वैश्विक स्तर पर 21 जून को विश्व योग दिवस के रुप में मनाया जाता है।

नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लाभ : योग एक कला है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ता है और हमें मजबूत और शांतिपूर्ण बनाता है। योग आवश्यक है क्योंकि यह हमें फिट रखता है, तनाव को कम करने में मदद करता है और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखता है और एक स्वस्थ मन ही अच्छी तरह से ध्यान केंद्रित करने में सहायता कर सकता है।

योग आंतरिक शांति प्रदान करती है : योग आंतरिक शांति प्राप्त करने और तनाव तथा अन्य समस्याओं के खिलाफ लड़ाई में मदद करता है। योग एक व्यक्ति में शांति के स्तर को बढ़ाता है और उसके आत्मविश्वास को और अधिक बढ़ाने तथा उसे खुश रहने में मदद करता है।

योग से स्वास्थ्य में लाभ मिलता है : एक स्वस्थ व्यक्ति एक अस्वस्थ व्यक्ति की तुलना में अधिक काम कर सकता है। आजकल जीवन बहुत तनावपूर्ण है और हमारे आसपास बहुत प्रदूषण है। यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण है। सिर्फ 10-20 मिनट का योग हर दिन आपके स्वास्थ्य को अच्छा रहने में मदद कर सकता है। बेहतर स्वास्थ्य का मतलब बेहतर जीवन है।

योग से शरीर में सक्रियता आती है : आजकल लोग आलसी, थके हुए या नींद की कमी महसूस करते हैं जिसके कारण वे अपने जीवन में अधिकतर मौज-मस्ती से चूक जाते हैं और अपने काम को सही ढंग से पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। सक्रियता होने के नाते आप अपने आसपास होने वाली चीजों के बारे में अधिक जागरूक रहते हैं और अपने काम को अधिक कुशलतापूर्वक और जल्दी से पूरा कर पाते हैं यह सब करने का एक तरीका नियमित रूप से योग का अभ्यास करना है।

योग से शरीर में स्फूर्ति और लचीलापन आता है : लोग आजकल कई प्रकार के दर्द से ग्रस्त हैं। वे पैर की उंगलियों को छूने या नीचे की ओर झुकने के दौरान कठिनाइयों का सामना करते हैं। योग का नियमित अभ्यास इन सभी प्रकार के दर्द से राहत में मदद करता है। योग करने से इन सभी चीजों का प्रभाव कुछ दिनों में कम होता देखा जा सकता है।

योग से रक्त संचार सही रहता है : योग आपके दिल को स्वस्थ बनाने में मदद करता है और यह आपके शरीर और नसों में रक्त के प्रवाह को बढ़ाकर अधिक कुशलता से काम करता है। यह आपके शरीर को ऑक्सीजन युक्त रखने में मदद करता है।

योग से ध्यान केंद्रित करने की शक्ति मिलती है : योग आपके शरीर को शांत करने और आराम करने में मदद करता है जिसका मतलब तनाव का कम होना है और आप अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकते है। यही कारण है कि बच्चों और किशोरों को योग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है क्योंकि यह उनकी पढ़ाई में बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

योग के फायदे

- मांसपेशियों के लचीलेपन आता है।
- त्वचा के चमकने में मदद करता है।
- शक्ति और सहनशक्ति को बढ़ावा देता है
- एकाग्रता, मन और विचार नियंत्रण में मदद करता है।
- तनाव कम करने में मदद करता है।
- बेहतर पाचन तंत्र प्रदान करता है।
- आंतरिक अंग मजबूत होते हैं।
- अस्थमा का इलाज करता है
- मधुमेह का इलाज करता है।
- दिल संबंधी समस्याओं का इलाज करने में मदद करता है
- चिंता, तनाव और अवसाद पर काबू पाने के लिए मन शांत रखता है।
- रक्त परिसंचरण और मांसपेशियों के विश्राम में मदद करता है।

योग से रखे जीवन को निरोग

कोई भी मनुष्य अपना स्वास्थ्य के बिना मनुष्य का जीवन निरर्थक है। पुराने ग्रन्थों में कहा गया है कि धन यदि चला जाय तो फिर लौट सकता है या उसके बिना भी मनुष्य जीवित रह सकता है, क्योंकि रोगी को न तो कोई भोजन और नहीं कोई आमोद-प्रमोद खुशकर सकता है। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और इसकी रक्षा के लिए योगा करना आवश्यक है। नियमित योगा हमारे फिटनेस स्तर और शारीरिक सहनशक्ति को बढ़ाता है। यह हृदय रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह रक्त लिपिड असामान्यताओं, मधुमेह और मोटापे के साथ मदद कर सकता है। इसके अलावा, यह रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। नियमित योगा करने से हृदय रोग से मरने के जोखिम को काफी हद तक कम करता है, और स्ट्रोक और पेट के कैंसर के जोखिम को कम करता है। योगा करने से सभी आयु वर्ग के लोगों को लाभ होता है। खेलना-कूदना, दौड़ लगाना, उछलना आदि हमें बचपन से ही अच्छा लगता है। कहते हैं कि बच्चा जितना उछल-कूद करेगा, उतना ही बढ़ेगा और स्वस्थ भी रहेगा। जीवन में हर काम तभी अच्छा हो सकता है जब हमारा मन और शरीर दोनों स्वस्थ हो। ऐसा तभी हो सकता है जब हम नियमित रूप से योगा करेंगे।

योग कई प्रकार के हो सकते हैं। अपनी उम्र और शारीरिक गठन के अनुसार हम अलग-अलग प्रकार के योग का चयन कर सकते हैं। रस्सी-कूद, उठक-बैठक, ऊंची-कूद, लम्बी-कूदगोला फेंक कबड्डी, तैराकी कुश्ती योगासन आदि अनेक प्रकार के प्रचलित योग है। व्यक्ति, समाज, समुदाय और राष्ट्र को समृद्ध बनाए रखने में योगा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि किसी देश के नागरिक स्वस्थ हैं तो देश जीवन के हर क्षेत्र में ऊंचाइयों को छूता है। देश की स्वस्थ पीढ़ी विभिन्न क्षेत्रों में उच्चतम अंक प्राप्त कर सकती है और इस तरह अपने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति और गौरव हासिल करने में सक्षम बनाती है। पहला कदम हमेशा सबसे कठिन होता है। हालांकि, अगर हम इसे दूर कर सकते हैं, और लगातार 21 दिनों तक योग कर सकते हैं, तो यह स्वस्थ जीवन के लिए एक नई शुरूआत होगी। योगा वह गतिविधि है जो शरीर को स्वस्थ रखने के साथ व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य को भी बढ़ाती है। यह कई अलग-अलग कारणों के लिए किया जाता है, जिनमे शामिल हैं: मांसपेशियों को मजबूत बनाना, हृदय प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलेटिक कौशल बढ़ाना, वजन घटाना या फिर सिर्फ आनंद के लिए। लगातार और नियमित शारीरिक व्यायाम, प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ा देता है और यह हमारी नींद कम करता है इससे हमें सुबह उठने पर तकलीफ नहीं होती। हृदय रोग, रक्तवाहिका रोग, टाइप 2 मधुमेह और मोटापा जैसे समृद्धि के रोगों को रोकने में मदद करता है। यह मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है और तनाव को रोकने में मदद करता है। बचपन का मोटापा एक बढ़ती हुई वैश्विक चिंता का विषय है और शारीरिक योग से बचपन के मोटापे के प्रभाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

❖ **वेद प्रकाश**

संगीत व योग परमात्मा की प्राप्ति के प्रमुख साधन हैं

संगीत और योग परमात्मा की प्राप्ति का प्रमुख साधन है। इस दोनों महत्वपूर्ण कलाओं से हम अपने हृदय में परमात्मा के अंश को देख सकते हैं जो खुली आंखों से असंभव सा है। संगीत के सुरों में साक्षात ईश्वर का प्रतिबिंब निर्माण होता है। योग में ध्यान एक क्रिया होती है लेकिन संगीत बिना किसी योगिक एक्सरसाइज के योग के सबसे करीब है। संगीत में स्वरों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है पर योग शास्त्र में आसन व मुद्राओं पर जोर दिया जाता है। संगीत और योग एक दूसरे के पूरक होते हैं। आज कल लोगों के जीवन को बेहतर करने के लिए फिर से संगीत व योग का अभ्यास करने की आवश्यकता है। दैनिक जीवन में संगीत का अभ्यास शरीर को आन्तरिक और बाहरी ताकत प्रदान करता है। यह शरीर के प्रतिरोधी प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में मदद करता है, इस प्रकार यह विभिन्न और अलग-अलग बीमारियों से बचाव करता है। यदि संगीत व योग को नियमित रूप से किया जाए तो यह दवाईयों का दूसरा विकल्प हो सकता है। यह प्रतिदिन खाई जाने वाली भारी दवाईयों के दुष्प्रभावों को भी कम करता है। क्योंकि यह शरीर और मन पर नियंत्रण करने के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करता है। संगीत और योग साधना से ही जीवन में होता है शक्ति का विकास, दोनों का उद्देश्य है आत्मसाक्षात्कार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व अंतरराष्ट्रीय संगीत दिवस पर विशेष बातें कही पलामू प्रमंडल के विख्यात शास्त्रीय संगीतज्ञ स्व. पंडित राजा राम मिश्र के पुत्र एवं देवरानी संगीत महाविद्यालय के संरक्षक शहर के जाने माने संगीत गुरु सूरज कुमार मिश्रा ने। उन्होंने कहा- जब भी हम बेहद खुश होते हैं तो दिल से निकलता है संगीत। जब कभी हम उदास होते हैं तो खुश कर देता है संगीत। जी हां, संगीत से हर किसी का रिश्ता ही कुछ ऐसा है जब चाहे जैसा चाहे मिजाज को बदल देता है संगीत खुद को खुश, ऊजार्वान व तनाव मुक्त करता है। संगीत के सात स्वर कई बीमारियों को छूमंतर कर देता है यह सिद्ध हो चुका है। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय संगीत में कई ऐसे रागों की खोज की गई है जिससे शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों का इलाज संभव है। म्यूजिक थेरेपी से असाध्य रोगों को भी दूर किया जा सकता है।

❖ **सूरज मिश्रा**

स्वस्थ व सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए उपयोगी है योग

योग चित्त को शांत कर, संयम, अनुशासन और दृढ़ता के मूल्यों पर जोर देता है। जब समुदायों और समाजों पर लागू किया जाता है, तो योग स्थायी जीवन का मार्ग प्रदान करता है। अपनी इन विशेषताओं के कारण कोरोना महामारी में भी आम लोगों के लिए योग मददगार रहा। आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है, यह न केवल एक व्यायाम है बल्कि हमारे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विकास में सहायता कर देश में एकता स्थापित करता है। 'योग' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है और इसका अर्थ है 'जुड़ना, एकजुट होना'। योग व्यायाम है जो सम्पूर्ण व्यक्तित्व पर प्रभाव डाल कर शरीर, मन, चेतना और आत्मा को संतुलित करता है। योग मुख्य लक्ष्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक विकास करना हैं। इससे उत्तम स्वास्थ्य, आत्म-साक्षात्कार या हमारे भीतर परमात्मा की प्राप्ति। ये लक्ष्य सभी जीवित प्राणियों के लिए प्यार और सहायता, जीवन के लिए सम्मान, प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा, मन की एक शांतिपूर्ण स्थिति, पूर्ण शाकाहारी आहार, शुद्ध विचार और सकारात्मक जीवन शैली, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास, सभी के लिए सहनशीलता से प्राप्त होते हैं। यौगिक क्रियाएं व्यक्तियों समग्र प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है। प्राणायाम एक महत्वपूर्ण, फिर भी योग का अल्पज्ञात अंग है। कुछ समय पहले तक, यौगिक श्वास की यह कला और विज्ञान कई अन्य प्राचीन भारतीय कलाओं की तरह आम आदमी के लिए लगभग पूरी तरह से अज्ञात था। प्राणायाम तकनीक इन तीन मुख्य ऊर्जा चैनलों सहित नाड़ियों को शुद्ध करने का काम करती है। योग चित्त को शांत कर, संयम, अनुशासन और दृढ़ता के मूल्यों पर जोर देता है। जब समुदायों और समाजों पर लागू किया जाता है, तो योग स्थायी जीवन का मार्ग प्रदान करता है। अपनी इन विशेषताओं के कारण कोरोना महामारी में भी आम लोगों के लिए योग मददगार रहा। योग केवल मन और शरीर को संतुलित नहीं करता है बल्कि दुनिया में रिश्तों को मजबूत बनाता है। स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए योग का अभ्यास करना अच्छा है। योग शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है। योग करने से शारीरिक के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। आधुनिक योग के जनक महर्षि पतंजलि हैं। यह एक ऐसा व्यायाम है जिसे कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा शक्ति से कर सकता है। योग की उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी। योग शारीरिक और सांस लेने के व्यायाम करके अच्छे स्वास्थ्य और

आध्यात्मिकता को प्राप्त करने का एक उपकरण है। आपकी पसंद और आवश्यकता के आधार पर, धीमी गति से आराम करने वाले व्यायामों से लेकर जोरदार व्यायामों तक करने के विभिन्न तरीके हैं। आज योग भारत और विदेशों में लाखों अनुयायियों की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता हेतु योग सहायक होता है। यौगिक क्रियाओं में ऐसे कई आसन हैं जो हमें स्वस्थ जीवन जीने में मदद करने के लिए विभिन्न स्तरों पर काम करते हैं। हमें इन सभी का अभ्यास करने का प्रयास करना चाहिए और उस योग आसन को बनाए रखना चाहिए जो हमारे लिए फायदेमंद हो। यह न केवल व्यायाम है बल्कि आपको तनाव से निपटने में मदद करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीवन में शारीरिक स्वास्थ्य का विशेष महत्व होता है। यौगिक जीवन में आसान और प्राणायाम को चार भागों में विभक्त किया गया है जिन्हें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि की संज्ञा दी गयी है। दैनिक जीवन में यौगिक अभ्यास के दौरान विभिन्न आयु वर्ग के लिए तरह-तरह के आसनों का अभ्यास किया जाता है। इनमें हठ योग को शुद्धिकरण तकनीक के रूप में जाना जाता है। यौगिक आसानों के अतिरिक्त व्यक्ति के स्वास्थ्य पर उसे खानपान एवं जीवनशैली का भी खास असर पड़ता है। हमारे जीवन में आने वाले नकारात्मक विचार और भय तंत्रिका तंत्र एवं मन को असंतुलित कर देते हैं इसलिए मन को शांत रखने के लिए यौगिक अभ्यास आवश्यक है। दैनिक जीवन में मंत्रों का अभ्यास, अच्छी संगति और मन को शुद्ध रखना मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

सामाजिक सौहार्द न केवल आपको बल्कि दूसरों को प्रसन्न रखने में सक्षम होता है। आपसी सौहार्द एवं मित्रता बनाए रखने का अर्थ है समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना एवं अपने समुदाय के लिए कार्य करना। योग के अभ्यास से सकारात्मकता बनी रहती हैं एवं समस्त जाति के कल्याण करने में संलग्न रहता है।

योग का अधिक से अधिक अभ्यास करने से सहनशीलता, समझ, आपसी प्रेम, सहायता और करुणा का विकास होता है। आपसी सहनशीलता केवल व्यक्तियों के बीच में ही नहीं बल्कि सभी मनुष्यों, राष्ट्रों, नस्लों और धार्मिक विश्वासों के बीच में भी उत्पन्न करता है। योग का आध्यात्मिक लक्ष्य है ईश्वर प्राप्ति है एवं ईश्वर के साथ व्यक्तिगत आत्मा का मिलन। यह इस बात से अवगत कराता है कि हम सब एक हैं। योग कोई धर्म नहीं है अपितु यद्यपि यह आध्यात्मिकता और ज्ञान स्रोत है। यही नहीं योग सभी धार्मिक सीमाओं को लांघ कर एकता का मार्ग प्रशस्त करता है।

❖ **प्रज्ञा पाण्डेय**

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

भीषण गर्मी के कारण सौ से अधिक श्रद्धालु हुए बेहोश

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के पुरी में मंगलवार को लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में रथयात्रा का आयोजन हो रहा है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, देवी सुभद्रा रथों पर आरूढ़ होकर मौसी मां मंदिर जाएंगे। रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मंगलवार की सुबह मंगला आरती के बाद पहंडी नीति शुरू हुई। इसके बाद धाडी पहंडी नीति शुरू हुई और चारों विग्रहों को तीन रथों पर आरूढ़ कराया गया। सबसे पहले सुदर्शन महाप्रभु सुबह 09 बजे दर्पदलन रथ पर आरूढ़ हुए। इसके बाद 10.18 पर बलभद्र तालध्वज रथ पर, 10.30 पर देवी

सुभद्रा भी दर्पदलन रथ पर रथारूढ हुईं। सबसे अंत में भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्नवेदी से सिंहद्वार पार कर 11.55 पर नंदिघोष रथ पर विराजमान हुए। दोपहर 12.05 बजे पहंडी नीति संपन्न हुई। इसके बाद शेष प्रक्रिया का संपादन किया गया।

पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने तीनों रथों की परिक्रमा की। इसके बाद पुरी के गजपति महाराज दिव्य सिंह देव ने छेरा पहंरा की नीति का संपादन शुरू किया। यह प्रक्रिया संपन्न होने के बाद रथों को खींचने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। पहंडी नीति के दौरान श्रद्धालु एवं कलाकारों के ओडिशी नृत्य, शिव तांडव और हनुमान नृत्य से माहौल आध्यात्मिक हो गया। इससे पहले सुबह से मंगला आरती मइलम, तडपलागी, रोष, होम, अवकाश एवं सूर्यपूजा की रीति-नीति संपन्न हुई। इसके बाद द्वारपाल पूजा किया गया तथा खिचड़ी का भोग लगाया गया। सुबह 7.35 बजे ब्राह्मणों ने तीनों रथों की प्रतिष्ठा एवं पूजा की। मंगला आरती के बाद पहंडी नीति शुरू हुई। ज्वर से स्वस्थ होने के बाद भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ रत्नवेदी से जन्मवेदी की ओर 9 दिनों की यात्रा भगवान जगन्नाथ करते हैं।

अमेरिका के साथ रिश्ते पहले से अधिक मजबूत : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं तथा दोनों देशों के नेताओं के बीच 'अभूतपूर्व विश्वास' है। हालांकि चीन के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंधों के लिए उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को आवश्यक बताया। अपने अमेरिका दौरे की शुरूआत से पहले 'वाल स्ट्रीट जर्नल' को दिए एक साक्षात्कार में वैश्विक राजनीति के बारे में बात करते हुए मोदी ने यह भी कहा, "भारत कहीं उच्च, गहरी और व्यापक स्तर की भूमिका का हकदार है। भारत-चीन संबंधों के बारे में मोदी ने कहा, सामान्य द्विपक्षीय संबंधों के लिए सीमावर्ती

क्षेत्रों में शांति और स्थिरता जरूरी है। उन्होंने कहा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने, कानून के शासन का पालन करने और मतभेदों और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में हमारा मूल विश्वास है। साथ ही भारत अपनी संप्रभुता और गरिमा की रक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध है। ज्ञात हो कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून, 2020 को भारत और चीनी सेनाओं के बीच संघर्ष हो गया था। यह पिछले पांच दशक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर इस तरह का पहला संघर्ष था और इससे द्विपक्षीय संबंधों में तनाव आ गया था। दोनों देशों के बीच इस सिलसिले में कई दौर की मंत्री व कमांडर स्तरीय वार्ता हो चुकी है लेकिन अभी तक स्थितियां पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी हैं। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को लेकर भारत की भूमिका की आलोचना से जुड़े एक सवाल पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हिंदुस्तान इस मामले में तटस्थ नहीं है बल्कि शांति के पक्ष में है। उन्होंने कहा, सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए।

NEWS इन ब्रीफ

राष्ट्रपति और गृह मंत्री से मुलाकात करेंगे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया बुधवार को दिल्ली का दौरा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे से जुड़े कार्यक्रम के अनुसार, सिद्धरमैया बुधवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना होंगे। सिद्धरमैया ने कहा, मैं राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू), गृह मंत्री अमित शाह से कल मुलाकात करूंगा...मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं उनसे नहीं मिल पाया था, इसलिए अब मिल रहा हूं। यह सिर्फ शिष्टाचार भेंट है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन बच्चों समेत पांच की मौत

जींद। गांव निर्जन के निकट जींद-पानीपत नेशनल हाइवे पर मंगलवार अपराह्न एक बाइक को कैंटर ने टक्कर मार दी, जिसमें हिसार जिले के बरवाला खंड के गांव खरकड़ा गांव निवासी दम्पति और तीन बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में पूरे परिवार से केवल आठ साल की एक बच्ची ही बची है। हालांकि हादसे में उसे भी चोटें तो आई हैं, लेकिन वह खतरे से बाहर बताई जा रही है।

नंदन नीलेकणि ने आईआईटी बांबे को 315 करोड़ रुपये किए दान

एजेंसी। मुंबई

बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक और चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बांबे को 315 करोड़ रुपये दान में दिए हैं। वे इससे पहले संस्थान को 85 करोड़ रुपये दान कर चुके हैं। नीलेकणि यूआईडीएआई के संस्थापक चेयरमैन भी हैं। संस्थान ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि यह देश में किसी पूर्व छात्र द्वारा दिए गए सबसे बड़े दान में से एक है। इस राशि से संस्थान में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने में मदद मिलेगी। साथ ही संस्थान को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों के बीच अग्रणी

बनने में मदद मिलेगी। इस मौके पर आईआईटी बांबे के निदेशक प्रो. सुभासिस चौधरी ने कहा कि इस दान से संस्थान के विकास में तेजी आएगी। नदंन नीलेकणि ने कहा कि आईआईटी-बांबे मेरे जीवन की आधारशिला रहा है। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान के साथ अपने जुड़ाव के 50 साल पूरे कर रहा हूं। मैं इस जुड़ाव के आगे बढ़ने तथा भविष्य में योगदान के लिए आभारी हूं।

अपने प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड छिपा रहे हैं दलों पर हो कड़ी कार्रवाई : एडीआर

सर्वोच्च न्यायालय व चुनाव आयोग के आदेश का नहीं कर रहे पालन

ब्यूरो। नई दिल्ली

चुनाव लड़ने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों ,उनके प्रत्याशियों की हर चीज को बिना छिपाए, शपथ पत्र में लिखने के लिए लड़कर नियम बनवाने वाली सामाजिक संस्था है एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ।जो बड़े - बड़े तुर्रम खां नेताओं , हुक्मरानों की आँख की किरकिरी बनी हुई है। इस संस्था ने उल्लेख किया है कि सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों और चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा-निदेर्शों के बाद केंद्रीय और राज्य चुनाव स्तर पर राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी वेबसाइटों पर अपराधों की प्रकृति सहित लंबित आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों के बारे में विस्तृत जानकारी अपलोड करें। राजनीतिक दलों को ऐसे उम्मीदवारों के चयन के कारण भी बताने होंगे और यह भी बताना होगा कि बिना आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अन्य व्यक्तियों को उम्मीदवारों के रूप में क्यों नहीं चुना जा सकता। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा 19 जून को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सबसे पहले यह आवेदन आयोग के समक्ष 25 सितंबर, 2018 और 13 फरवरी, 2020 के सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के कार्यान्वयन में जारी इस आयोग (ईसी) के अनिवार्य निदेर्शों के जानबूझकर अवज्ञा और उल्लंघन के खिलाफ दायर किया जा रहा है। एडीआर ने बताया कि शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों को ऐसे व्यक्तियों के चयन के कारणों के साथ उनके द्वारा चुने गए उम्मीदवारों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विवरण प्रकाशित करने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई थी। बाद में, शीर्ष अदालत ने अपने आदेशों का पालन नहीं करने के लिए 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 10 राजनीतिक दलों पर जुर्माना लगाया था।

ओमिक्रॉन विशिष्ट बूस्टर वैक्सीन के उपयोग की मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) ने घोषणा की है कि कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट के लिए स्वदेशी प्लेटफॉर्म तकनीक का उपयोग कर बनाई गई एमआरएनए-आधारित बूस्टर वैक्सीन को ड्रग कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) कार्यालय से आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिल गई है। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा कार्यान्वित मिशन कोविड सुरक्षा के तहत समर्थित वैक्सीन को जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने टीम डीबीटी के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि डीबीटी एक बार फिर अपने मिशन को पूरा कर रहा है - इस स्वदेशी एमआरएनए-प्लेटफॉर्म तकनीक के निर्माण के माध्यम से प्रौद्योगिकी-संचालित उद्यमशीलता को सक्षम बनाया गया है। हमने प्रधानमंत्री का आत्मानिर्भरता का विजन के तहत 'भविष्य के लिए तैयार' प्रौद्योगिकी मंच के अनुरूप प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचार का हमेशा समर्थन किया है।

नकली दवाईयां कतई बर्दाश्त नहीं : मांडविया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारत नकली दवाओं के मामले में 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति का पालन करता है। उन्होंने कहा कि खांसी रोकने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। एक विशेष साक्षात्कार में, मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए लगातार व्यापक विश्लेषण किया जाता है, और सरकार तथा नियामक हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहते हैं

कि नकली दवाओं के कारण किसी की मौत न हो। उन्होंने कहा, हम दुनिया की फामेर्सी हैं और हम सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम 'दुनिया की गुणवत्ता वाली फामेर्सी' हैं। फरवरी में, तमिलनाडु आधारित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने आंखों की अपनी दवाई की पूरी खेप को वापस ले लिया था। इससे पहले, आरोप लगा था कि पिछले साल खांसी रोकने लिए भारत निर्मित सीरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में क्रमशः 66 और 18 बच्चों की मौत हो गई। भारत ने 2022-23 में 17.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कफ सीरप का निर्यात किया, जबकि 2021-22 में यह निर्यात 17 अरब अमेरिकी डॉलर का था। कुल मिलाकर, भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है, जो विभिन्न टीकों की वैश्विक मांग का 50 प्रतिशत से अधिक, अमेरिका में लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक मांग और ब्रिटेन में लगभग 25 प्रतिशत दवाओं की आपूर्ति करता है। मांडविया ने कहा, जब भी भारतीय दवाओं के बारे में कुछ सवाल उठाए जाते हैं तो हमें तथ्यों में शामिल होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए गाम्बिया में, यह कहा गया था कि 49 बच्चों की मौत हुई है। डब्ल्यूएचओ में किसी ने यह कहा था और हमने उन्हें लिखा था कि तथ्य क्या हैं। कोई भी हमारे पास तथ्यों के साथ नहीं आया। उन्होंने कहा, हमने एक कंपनी के नमूनों की जांच की। हमने मौत की वजह जानने की कोशिश की और पाया कि बच्चे को अतिसार था। अगर किसी बच्चे को अतिसार हुआ तो उस बच्चे के लिए कफ सीरप की सलाह किसने दी? मंत्री ने कहा कि कुल 24 नमूने लिए गए, जिनमें से चार विफल रहे। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि अगर निर्यात के लिए सिर्फ एक बैच बनाया गया था और अगर वह विफल रहता है, तो सभी नमूने विफल हो जाएंगे।

FILMY हलचल

कृति सेनन ने 'आदिपुरुष' ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

फिल्म 'आदिपुरुष' 16 जून 2023 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई। हालांकि फिल्म वर्ल्डवाइड स्तर पर बॉक्स ऑफिस पर तीन सौ करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन इसके कुछ डायलॉग्स और सीन्स पर सवाल उठाते हुए फिल्म 'आदिपुरुष' को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। इस विवाद पर कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। एक्ट्रेस कृति सेनन ने फिल्म 'आदिपुरुष' में जानकी (सीता) का रोल निभाया है। कृति ने 'आदिपुरुष' विवाद पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अभिनेत्री ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक पोस्ट में टोलर्स को परोक्ष रूप से करारा जवाब दिया है। थिएटर से वीडियो शेयर करते हुए कृति ने कैप्शन दिया, मेरा ध्यान केवल ताली बजाने और जय श्री राम के नारे लगाने पर है।

ऑस्कर विजेता गुनीत मोंगा के काम करेंगे राघव जुयाल

एक्टर राघव जुयाल ऑस्कर विजेता निर्माता गुनीत मोंगा कपूर के साथ दो प्रोजेक्ट पर काम करेंगे, जिसमें एक का टाइटल 'ग्यारह ग्यारह' है, जबकि दूसरा टाइटल अभी फाइनल नहीं हुआ है। सिख एंटरटेनमेंट के साथ उनकी पहली फिल्म 'ग्यारह ग्यारह' है और दूसरी एक अनटाइटल्ड फिल्म है। दोनों ही प्रोजेक्ट्स में वह लीड रोल प्ले करते नजर आएंगे। राघव का कहना है कि गुनीत मैम के साथ काम करना न सिर्फ गर्व की बात है बल्कि मजेदार भी है। राघव ने बताया कि गुनीत मैम बेहद प्यारी हैं। वह इंडस्ट्री के उन कुछ लोगों में से एक हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से मेरी मदद की।

राखी सावंत ने मनाया तलाक का जश्न, वीडियो वायरल

बॉलीवुड की 'ड्रामा क्वीन' एक्ट्रेस राखी सावंत इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के चलते सुर्खियों में हैं। राखी पिछले काफी समय से अपने अफेयर, शादी और बाद में पति आदिल खान दुर्रानी से तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच राखी सावंत एक बार फिर आदिल के साथ अपने रिश्ते को लेकर चचाओं में हैं। फिलहाल राखी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राखी सावंत दुल्हन बनकर ढोल पर बेसुध होकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में राखी अपने तलाक का जश्न मनाती नजर आ रही हैं। राखी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में राखी रेड लहंगे में दुल्हन की तरह सजी नजर आ रही हैं। दुल्हन के परिधान में वह ढोल-नगाड़ों की ताल पर जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। वह सबकुछ भूलकर बेहोशी में डांस करती नजर आती हैं। राखी सावंत का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राखी के इस वीडियो पर अब नेटिजन्स भी अजीबोगरीब कमेंट कर रहे हैं। इस वीडियो में राखी सावंत कहती नजर आ रही हैं, 'आखिरकार मेरा ब्रेकअप हो गया, मुझे तलाक मिल रहा है और यह मेरी ब्रेकअप पार्टी है।

विकास सेतु भारतम योजना से आरओबी व आरयूबी के लिए 300 करोड़ की योजना मंजूर

'हरियाणा की सड़कें अमेरिका की तरह होंगी'

11 फ्लाई ओवरों का लोकार्पण

एजेंसी। चंडीगढ़

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि हरियाणा केन्द्र सरकार से जो भी सहयोग मांगेगा, उनका मंत्रालय उसे पूरा करेगा। गडकरी मंगलवार को सोनीपत में केन्द्र सरकार के 9 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित गौरवशाली भारत रैली को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 890 करोड़ रुपये की दिल्ली से पानीपत तक एनएच-44 पर 8 लेन के 11 फ्लाईओवर्स का लोकार्पण किया, जिसमें दोनों और 6 लेन की सर्विस

रोड भी शामिल है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को रेलवे फाटक मुक्त बनाने के लिए 300 करोड़ रुपये की मांग रखी, जिसे नितिन गडकरी ने मौके पर ही मंजूरी दे दी। सेतु भारतम योजना के तहत इस धनराशि से आरओबी व आरयूबी का निर्माण कराया जायेगा। इसी प्रकार गडकरी ने जींद के विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा की नरवाना रोड से रोहतक रोड तक बाईपास व जींद से ईक्कस तक रिंग रोड के निर्माण की मांग को भी मंजूर करने की घोषणा की। नितिन गडकरी ने कहा कि उनका मंत्रालय हरियाणा में 100 प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा है, जिनमें से 2200 किलोमीटर की 47,000 करोड़ रुपये की 51 परियोजनाएं पूरी हो चुकी है। 830 किलोमीटर की 35,000 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। 756 किलोमीटर की 20 हजार करोड़ रुपये की 19 परियोजना अन्य परियोजनाएं हैं, जिनमें 14 परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। कुछ काम टेंडर प्रक्रिया में है। उन्होंने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलवाया कि दिसम्बर, 2024 तक हरियाणा में 2 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य होगा। इनसे हरियाणा की तस्वीर बदलेगी और हरियाणा की सड़कें अमेरिका के बराबर होंगी। नितिन गडकरी ने कहा कि 60 सालों में जो कांग्रेस नहीं कर सकी, उससे भी दोगुना काम केवल 10 साल में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने करके दिखाये हैं। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मेरा मानना है कि पिछले 9 वर्षों में केंद्र सरकार के अगर सबसे अच्छे कामों के बारे में बात की जाए, तो उसमें एक बात यह होगी कि रिक्शा चलाने वाले एक करोड़ लोगों को बड़ी राहत देते हुए हमने उन्हें ई-रिक्शा दिया है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, सांसद रमेश कौशिक, विधायक मोहन लाल बड़ौली निर्मल चौधरी, महिपाल ढांडा, कृष्ण मिड्ढा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

धान बेचने वाले किसानों को अब तक सरकार ने नहीं किया भुगतान

मॉनसून ने दी दस्तक, किसानों में चिंता

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झारखंड के 29 हजार से ज्यादा किसानों के चेहरे पर मायूसी है। इसकी वजह है धान खरीदारी के पांच महीने बाद भी सरकार की ओर से धान की बकाया राशि 163 करोड़ का भुगतान न होना। किसान ये सोचकर चिंतित हैं कि मानसून ने दस्तक दे दी और अभी भी पैसे नहीं मिले तो वे इस साल फसल के लिए जुताई, कोड़ाई, बीज-खाद कैसे खरीदेंगे। इन किसानों ने सरकार की ओर स्थापित 617 क्रय केंद्रों के जरिये अपने धान बेचे थे। झारखंड सरकार ने राज्य के किसानों से 36 लाख क्विंटल धान की खरीदारी का लक्ष्य रखा था, लेकिन वास्तविक खरीदारी 17.25 लाख क्विंटल धान की हुई जो लक्ष्य का 47.52 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक राज्यभर में 2 लाख 29 हजार 814 किसानों ने धान बेचने के लिए लैंपस में अपना पंजीकरण कराया था, लेकिन इनमें से 31 हजार 855 किसानों से ही धान लिया गया। इसके एवज में किसानों का 3 अरब, 53 करोड़, 63 लाख और 76 हजार रुपये का भुगतान करना था। पर विभाग की ओर से अब तक एक अरब 90 करोड़ 48 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया है। यह कुल भुगतान का 53.86 प्रतिशत है। धान बेचनेवाले 31 हजार 855 किसानों में से 31 हजार 821 किसानों को पहली किस्त के रूप में एक अरब 75 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। वहीं, दूसरी किस्त के रूप में 2832 किसानों को 14 करोड़ 50 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। 2786 किसानों को बोनस के रुप में 13 लाख 95 हजार से अधिक का भुगतान किया गया है। राज्य में 34 किसान ऐसे भी हैं जिन्हें न तो पहली और न ही दूसरी किस्त का भुगतान किया गया है। जानकार बताते हैं कि राज्य के कई लैंपस ऐसे हैं जहां से धान का उठाव भी नहीं हुआ है। ऐसे में मानसून के नजदीक आते ही ऐसे किसानों की परेशानी बढ़ गयी है जो विभाग से बकाया भुगतान की उम्मीद लगाकर बैठे हैं। हालांकि झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन के एमडी यतींद्र प्रसाद ने किसानों के बकाये का जल्द भुगतान का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि अब मिल में चावल आ रहा है और किसानों की राशि का भुगतान जल्द कर दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री को आयुष निदेशक ने योग दिवस का लगाया बैज

नवीन मेल संवाददाता। रांची
मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयुष निदेशक झारखंड डॉ. फजलुस शमी एवं संयोजक झारखंड राज्य आयुष परामर्शदात्री समिति डॉ. राजीव कुमार ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने रांची के मेकन स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को डॉ. फजलुस शमी एवं डॉ. राजीव कुमार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का बैज लगाया। साथ ही मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि योग दिवस पर मेकन ग्राउंड में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग चार हजार लोग एक साथ शामिल होंगे। राज्य के प्रत्येक जिले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उन्हें झारखंड के प्रत्येक जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किए जाने पर शुभकामनाएं दीं।

दिवंगत शिक्षा मंत्री की पत्नी और पुत्र ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन से की मुलाकात

रांची। झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी और पुत्र अखिलेश महतो उर्फ राजू महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुप्रीमो शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इस मुलाकात को लेकर हालांकि न तो झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से और न ही पूर्व शिक्षा मंत्री की पत्नी और पुत्र की ओर से कोई बयान जारी किया गया है। बावजूद इसके यह कयास लगाए जा रहे हैं कि डुमरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में दिवंगत जगरनाथ महतो की पत्नी चुनाव लड़ेंगी या बेटा, अभी तय नहीं है। पार्टी जल्द करेगी इसकी घोषणा। उम्र को लेकर असमंजसः पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन से खाली हुई सीट पर उपचुनाव होना है। ऐसे में यह भी चर्चा में है कि अखिलेश महतो अभी 25 वर्ष के नहीं हुए हैं। विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम उम्र 25 वर्ष होना जरूरी है। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि कुछ महीनों में उनकी उम्र 25 वर्ष हो जाएगी। ऐसे में पार्टी के लिए दुविधा वाली स्थिति यह है कि अबतक गृहणी रहीं बेबी देवी को चुनाव मैदान में उतारा जाए या फिर पुत्र अखिलेश महतो को।

हाई कोर्ट भवन परिसर में योग शिविर आज

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बुधवार को झारखंड हाई कोर्ट के सभी जज, रजिस्ट्री के मेंबर, हाई कोर्ट के कर्मी योगा कार्यक्रम में शामिल होंगे। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने मंगलवार को बताया कि धुर्वा स्थित हाई कोर्ट के नए भवन में अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस पर योगा कैंप का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम 21 जून को सुबह 6:30 बजे प्लाजा, सेरिमोनियल गेट के नजदीक, धुर्वा स्थित हाई कोर्ट के नए भवन में होगा।
योगा कैंप के लिए हाई कोर्ट के सभी जज, रजिस्ट्री के मेंबर और हाईकोर्ट के कर्मी को आमंत्रित किया गया है इसके अलावा हाई कोर्ट के एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को भी योगा कैंप में आमंत्रित किया गया है। रजिस्ट्रार जनरल ने बताया कि भारत सरकार के लॉ एंड जस्टिस मंत्रालय की ओर से भी कानून मंत्री ने झारखंड के हाई कोर्ट एवं डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस पर योग कार्यक्रम के आयोजन करने को लेकर पत्र लिखकर अनुरोध किया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शव को कब्र से निकालकर जांच शुरू की

पोस्टमार्टम के बाद होगा खुलासा

नवीन मेल संवाददाता। रांची
दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र रहे राहुल मिंज की मौत के रहस्य पर से फॉरेंसिक पर्दा उठाएगी। राहुल की मौत स्वाभाविक थी या फिर उसकी हत्या की गई थी इसकी जांच शुरू कर दी गई है। मंगलवार को मामले की तफ्तीश के लिए राहुल मिंज के शव को कब्र से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला : राहुल मिंज की मौत बीते वर्ष 2 जून को हो गई थी , जिसके बाद उसके शव को लालपुर थाना क्षेत्र के सरईटांड स्थित कब्रिस्तान में दफना दिया गया था , लेकिन मामले में नया मोड़ तब आ गया जब राहुल की बहन कुसुम मिंज ने अपने भाई की हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की जांच के लिए हाई कोर्ट पहुच गई । हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद राहुल के मौत मामले में रांची के लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई ।अब शव का फॉरेंसिक जांच यह यह साबित करेगा कि राहुल की मौत स्वाभाविक मौत है या फिर किसी साजिश के तहत राहुल की हत्या की गई है।

बहन ने कहा, भाई की हत्या हुई है : राहुल की बहन कुसुम मिंज ने बताया कि उसका भाई दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर चुका था, फिलहाल वह नौकरी के लिए तैयारी कर रहा था। पिछले साल दो जून को वह एक शादी समारोह में भाग लेने के लिए अपने कुछ दोस्तों के साथ गया हुआ था , शादी समारोह के दौरान ही अचानक उसकी मौत हो गई। उस समय में बताया गया कि अत्यधिक शराब पीने की वजह से राहुल की मौत हो गई है। लेकिन शव को देख ऐसा नहीं लग रहा था। साजिश की आशंका होने के बावजूद को शव को दफन कर दिया गया था , लेकिन राहुल की बहन ने खुद मामले की तफ्तीश की तो उसे यह जानकारी मिली कि कहीं न कहीं उसके भाई के मौत के पीछे एक बड़ी साजिश है। अपने भाई के मौत के साजिश के खुलासे के लिए कुसुम झारखंड हाईकोर्ट पहुंच गई जिसके बाद कोर्ट के आदेश के बाद रांची के लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और फिर मंगलवार को शव को कब्र से निकालकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया।

चोरी की बोलेरो के साथ दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

रांची। बेड़ो थाना पुलिस ने चोरी के दो बोलेरो के साथ दो शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों में छत्तीसगढ़ के जसपुर निवासी मो राशिद और लोहरदगा के अयाज अंसारी शामिल हैं। इनके पास से दो चोरी किये गये बोलेरो वाहन बरामद किया गया है। इसमें एक बोलेरो में स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार विभाग निदेशक आयुष झारखंड सरकार का बोर्ड पाया गया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बेड़ो थाना क्षेत्र के केसा मोड़ के समीप एक व्यक्ति चोरी का बोलेरो लेकर खड़ा है। सूचना के बाद बेड़ो डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी कर बोलेरो पर सवार व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस बोलेरो में लगा नंबर पेट्रोल पंप के पास से चोरी किये गये बोलेरो का है। पेट्रोल पंप के पास से चोरी किये गये बोलेरो को लोहरदगा में कबाड़ी दुकान में काट दिया गया। इसके निशानदेही पर इसके एक अन्य साथी को लोहरदगा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चोरों ने पूछताछ के क्रम में अरगोड़ा, डोरंडा, बेडो , कोतवाली थाना क्षेत्र से बोलेरो एवं लालपुर थाना क्षेत्र से टाटा सुमो गोल्ड वाहन की चोरी करने की बात स्वीकार की है।

प्रदेश भाजपा सभी 513 सांगठनिक मंडलों में आयोजित करेगी योग दिवस

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश के सभी 513 सांगठनिक मंडलों में पार्टी योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पहल योग दिवस अब जन-जन का कार्यक्रम बन चुका है। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुंबकम है। उन्होंने कहा कि योग दिवस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह हरमू स्थित पटेल पार्क में योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी गिरिडीह के माउरी भवन में, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास भालूबासा जमशेदपुर स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश एवं जिला स्तर के सभी पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राजधानी में फिर लगी चलती कार में आग, मची भगदड़

रांची। राजधानी में एक बार फिर एक चलती कार में आग लग गई। घटना रांची के सुजाता चौक के पास की है, जहां कार में अचानक आग लग गई। जिसकी वजह से सड़क पर थोड़ी देर के लिए भगदड़ मच गई। किसी तरह ड्राइवर ने कार से बाहर निकल अपनी जान बचाई। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह सुजाता चौक के पास एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत कार को रोककर खुद उसमें से बाहर निकल गया। हालांकि आग तेजी के साथ कार में फैल गई। इस वजह से बाहरी लोगों को मौका नहीं मिला कि वह कार को बचा सके।मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को मामले की जानकारी दी। अग्निशमन विभाग मौके पर 10 मिनट के अंदर पहुंच गया। तब तक कार पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थी। चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार ने बताया कि कार बोकारो के फुसरो के रहने वाले उमेश पासवान की है। कार में आग लगने की वजह से थोड़ी देर के लिए ट्रैफिक प्रभावित हुआ था लेकिन पुलिसकर्मियों और दमकल कर्मियों ने मिलकर आग पर काबू पा लिया।

सड़क सुरक्षा को लेकर सभी के लिए जागरुकता जरूरी : ट्रैफिक एसपी

नवीन मेल संवाददाता। रांची
शहर के ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमां ने मंगलवार को मेन रोड स्थित केबी एकेडमी स्कूल परिसर में विभिन्न समाजसेवी संगठनों के साथ बैठक की। इस दौरान ट्रैफिक एसपी ने रोड सेफ्टी के संबंध में चर्चा की। बैठक के बाद एसपी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता जरूरी है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से रोड सेफ्टी पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में आने के बाद से वह प्रशासन-पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में समाजसेवियों से भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। उनका मकसद है कि पुलिस और समाज क्या चाहती है, क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए। कैसे कमियों को दूर किया जा सकता है, उस पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न संस्था से जुड़े समाजसेवियों ने एक-एक कर के अपनी बात रखी। सभी को सुनने के बाद ट्रैफिक एसपी ने कहा अभियान चलाकर कार्रवाई होती है लेकिन जब तक लोगों में स्वयं जागरुकता नहीं आएगी तब तक अकेली पुलिस भी कुछ नहीं कर सकती। आए हुए सभी लोगों का स्वागत समाजसेवी डॉक्टर असलम परवेज ने किया। डॉक्टर असलम परवेज ने आए हुए विभिन्न संस्था के प्रतिनिधियों से कहा कि हम सबको मिलकर पुलिस प्रशासन का सहयोग करते हुए अपने नौजवानों को यातायात के प्रति जागरूक करना है। एक टीम की तरह हम सब को मिलकर काम करना है।

भाजपा विकास के लिए समर्पित : लक्ष्मीकांत

रांची। महा जनसंपर्क अभियान को गति देने के लिए भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी मंगलवार को रांची पहुंचे। उन्होंने विशिष्ट जनों से मुलाकात कर मोदी सरकार की नौ वर्ष की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए तीसरी बार मोदी सरकार के लिए समर्थन मांगा। डॉ वाजपेयी ने रांची महानगर के हातमा बस्ती निवासी प्रसिद्ध पाहन जगलाल उरांव, पुरानी रांची में अवकाश प्राप्त पुलिस उपाधीक्षक अतुल केरकेट्टा, हिंदपीढ़ी में पूर्व चेंबर अध्यक्ष अरुण बुधिया तथा गंगा नगर में प्रसिद्ध व्यवसायी अमीर राय से उनके आवास पर मुलाकात की। नौ साल की उपलब्धियों के पत्रक दिए एवं चर्चा की। डॉ वाजपेयी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी विकास के लिए समर्पित है। मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। देश के दलित, आदिवासी, वंचित समाज विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं।

खतियान आधारित नियोजन नीति की मांग

पूर्व विधायक अमित महतो ने 2709 किमी का मैराथन किया पूरा

नवीन मेल संवाददाता। रांची
दौड़ेंगे हम, दौड़ेंगे आप, दौड़ेगा झारखंड के तहत सिल्ली विधानसभा के 48 पंचायत समेत झारखंड के 81 विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक अमित महतो ने मैराथन दौड़ लगाकर लोगों को जागरूक किया। विगत 11फरवरी से 19जून (129 दिन) तक खतियान आधारित स्थानीय व नियोजन नीति की मांग को लेकर सिल्ली के पूर्व विधायक सह-केजेपी के केन्द्रीय अध्यक्ष अमित महतो ने प्रतिदिन 21 किलोमीटर की दौड़ के साथ सोमवार (19जून) को 2709 किलोमीटर की दूरी दौड़ कर पूरा किया। इस मुहिम में अमित महतो के साथ काफी संख्या में युवा राजधानी की सड़कों पर दौड़ते नजर आए। दौड़ की शुरूआत बापू वाटिका मोरहाबादी से प्रारंभ होकर कचहरी चौक, फिरायालाल चौक, सुजाता चौक, राजेन्द्र चौक, हिनू चौक से होते हुए पुनः राजेन्द्र चौक,पुराना हाईकोर्ट होते हुए सदाबहार चौक से लेकर चुटिया जाकर समाप्त हुई। मेराथन दौड़ के समापन के बाद समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री महतो ने कहा कि हेंमत सोरेन की सरकार चार वर्षों में अबतक कोई भी स्पष्ट नियोजन नीति नहीं बना पायी है और न ही बनाने की उनकी कोई मंशा दिखाई देती है। उनकी गलत नीतियों के कारण खतियानधारी युवा हताश व निराश हैं। क्योंकि यही युवाओं ने हेमंत सोरेन को सरकार में बैठाने का काम किया और इन्हीं खतियानधारी युवाओं ठगने का काम कर रही है सरकार। युवाओं में हेमंत सोरेन के खिलाफ काफी आक्रोश है। युवाओं ने खतियान आधारित स्थानीय व नियोजन नीति की मांग के नारों के साथ अमित महतो के साथ 21 किलोमीटर तक चिलचिलाती धूप में मेराथन दौड़ पूरा किया।
अमित महतो ने कहा कि मेरा सारा जीवन खतियानधारीयों के लिए समर्पित है। दौड़ने वालों में रांची से सौमेन दत्ता, रामगढ़ से अनिकेत ओहदार सैकड़ों समर्थकों के साथ, ईचागढ़ से नित्यानंद महतो, आकाश महतो, गुमला से रोहित भगत सैंकड़ों समर्थकों, रोहिताश्व चौधरी, बादल महतो, तमाड़ से दयमंती मुण्डा, विशाल चौधरी, महेश महतो, कृष्णा महतो, बबलू? महतो, कुंदन स्वांसी, बादल महतो, कैलाश प्रसाद, राकेश महतो, सचिन रमेश, दिनकर सिंह, दिनेश महतो सहित काफी संख्या में युवा शामिल थे।

रिम्स मेडिकल कॉलेज हॉस्टल की स्थिति जर्जर

नवीन मेल संवाददाता। रांची
बीते 14 दिन जून को रांची विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में जर्जर भवन का छज्जा गिरने की वजह से मंतोष बेदिया नाम के एक छात्र की मौत हो गई। छात्र की मौत के बाद प्रबंधन के खिलाफ कई छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन की तरफ से छात्र को मुआवजा मुहैया कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस तरह की घटना को रोकने के लिए मुआवजा पर्याप्त है या फिर सरकार को शहर में जर्जर पड़े छात्रों के छात्रावासों को दुरुस्त कराया जाए। क्योंकि राज्य छात्रावासों की हालत खराब है। जब हमने राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज रिम्स के छात्रावास का जायजा लिया तो हमने देखा कि यहां पर भी रांची विश्वविद्यालय वाली घटना कभी भी घट सकती है। रिम्स छात्रावास में आठ हॉस्टल हैं और आठों हॉस्टल की स्थिति बदतर है, छात्र बताते हैं कि कई बार बड़ी दुर्घटना होने से बची है। रिम्स के हॉस्टल नंबर 4 में रह रहे मेडिकल छात्र और जूनियर डॉक्टर अमन कुमार बताते हैं कि कुछ दिन पहले रांची विश्वविद्यालय वाली घटना रिम्स में भी होने की संभावना थी, लेकिन बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि एक दिना स्नान करने के दौरान बाथरूम की छत का छज्जा गिर गया जिससे वे बाल बाल बच गए। ऐसी स्थिति सिर्फ बाथरूम की ही नहीं बल्कि हॉस्टल के कैंटीन और स्टडी रूम सहित अन्य जगहों पर भी है। रिम्स मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले मेडिकल छात्रों के छात्रावासों की जर्जर हालत को लेकर जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ जयदीप चौधरी बताते हैं कि हॉस्टलों की यह स्थिति पिछले कई वर्षों से है। लेकिन प्रबंधन की इस पर नजर नहीं पड़ रही है। अगर इसी तरह प्रबंधन का रवैया रहा तो आने वाले दिनों में हॉस्टल पूरी तरह से जर्मींदोज हो जाएगा और इसमें रहने वाले कई छात्र घायल हो सकते हैं या फिर अपनी जान गंवा सकते हैं। उन्होंने हॉस्टल में रहने वाले छात्रों के जानमाल की सुरक्षा को लेकर ईटीवी भारत के माध्यम से रिम्स प्रबंधन से गुहार लगाते हुए कहा कि जल्द से जल्द अगर मेडिकल छात्रों के रहने वाले छात्रावासों को रिपेयर नहीं कराया जाता है तो आने वाले दिनों में उनके नेतृत्व में सभी मेडिकल छात्र विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हो जाएंगे।
वहीं, रिम्स प्रबंधन की ओर से जन संपर्क पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन बताते हैं कि जितने भी हॉस्पिटल हैं सभी की स्थिति निश्चित रूप से खराब है। हॉस्टल में रहने वाले मेडिकल छात्रों की शिकायत के बाद भवन निर्माण विभाग एवं पीएचडी विभाग को सूचित किया गया है, लेकिन अभी तक उनकी तरफ से हॉस्टल के रिपेयरिंग को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सरकारी सिस्टम की व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जर्जर पड़े हॉस्टलों को ठीक करने के लिए कई विभागों को सूचित करना पड़ता है, जिसको लेकर विलंब होता है। उन्होंने बताया कि प्रबंधन की तरफ से हॉस्टल के रिपेयर को लेकर जल्दी ठोस कदम उठाएंगे ताकि हॉस्टल में रहने वाले छात्र सुरक्षित रह सके।

आदिवासी बच्ची ने किया जेईई एडवांस क्रैक, ऐसे पाई सफलता

खूंटी। जिले के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र रनिया के सोदे की एक आदिवासी की बेटी अब इंजीनियर बनेगी। जेईई एडवांस की परीक्षा पास कर ली है। आदिवासी किसान की बेटी सुचिता सुरीन ने 2348 रैंक हासिल किया है। सुचिता के पिता बिरसा सुरीन पेशे से किसान हैं। उसकी मां सुकवारो सुरीन गृहिणी हैं। सुचिता की पांच बहनें और एक छोटा भाई है। सुचिता की प्रारंभिक पढ़ाई गांव के ही आरसी मध्य विद्यालय में हुई और इसके बाद 2017 में उसका नामांकन रनिया के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में हुई। जहां से दसवीं पास करने के बाद 2020 में खूंटी के कालामाटी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में 11वीं कक्षा में नामांकन हुआ। यहां उसने सपनों की उड़ान कार्यक्रम के तहत इंजीनियरिंग की तैयारी शुरू की और स्कूल की शिक्षिका ज्योति कुमारी और रेणूका कुमारी ने उसे प्रोत्साहित किया। पहले जेइइ मेंस की परीक्षा उत्तीर्ण की।इसके बाद एडवांस की तैयारी भी की। इसके लिए लगभग तीन से चार घंटे की कोचिंग और खुद से तीन-चार घंटे की पढ़ाई करती थी। जेईई एडवांस में पास होने पर सुचिता सुरीन ने कहा कि वह अच्छा इंजीनियर बनना चाहती है। सपना पूरा होने पर उसने विशेष रूप से खूंटी जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया है। खूंटी डीसी शशि रंजन ने एक वर्ष पूर्व सपनों की उड़ान कार्यक्रम की शुरूआत की। उसके बाद गांव देहात के बच्चों को इस कार्यक्रम से जोड़ा गया और धीरे धीरे गांव के बच्चे इससे जुड़ने लगे। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उसे बेहतर शिक्षा मिले इसे लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयास करती रही।

जूनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय : चंडीगढ़ हरियाणा, मध्य प्रदेश सेमीफाइनल में

एजेंसी। राउरकेला

हॉकी चंडीगढ़, हॉकी हरियाणा, हॉकी मध्य प्रदेश और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2023 के बुधवार से शुरू हो रहे सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। हॉकी चंडीगढ़ ने पूल बी में हॉकी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ हॉकी का सामना किया और टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल चरण में आगे बढ़ने के लिए दोनों टीमों को हराया, जहां उन्होंने हॉकी पंजाब का सामना किया और सेमीफाइनल में आगे बढ़ने के लिए पेनल्टी शूटआउट 1-1 (3-2) से जीता। हॉकी हरियाणा ने पूल सी में हॉकी उत्तराखंड और हॉकी हिमाचल को हराकर पूल चरण में

अजेय रहने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में, उन्होंने हॉकी झारखंड का सामना किया और पेनल्टी शूटआउट में 2-2 (3-2) से जीत हासिल की। हॉकी मध्य प्रदेश टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के दौरान उत्तर प्रदेश हॉकी और केरल हॉकी को हराकर पूल ए में शीर्ष पर रहा और इस प्रक्रिया में टूर्नामेंट के नॉकआउट दौर में एक स्थान अर्जित किया।

हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी महाराष्ट्र को क्वार्टर फाइनल मैच में 9-2 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पूल डी में मणिपुर हॉकी, हॉकी जम्मू और कश्मीर और हॉकी गुजरात को हराया।

चिराग-सात्विक करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंचे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन में अपने ऐतिहासिक बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 खिताब के बाद करियर की नई उच्च रैंकिंग नंबर 3 हासिल की। इस जोड़ी ने फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर रविवार को भारत का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 खिताब जीता।

सात्विक और चिराग ने अब तक 2023 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, दो विश्व टूर टूर्नामेंटों में जीत हासिल की है जिसमें बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ स्विस ओपन और इंडोनेशिया ओपन शामिल हैं।

पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत तीन पायदान ऊपर चढ़कर 19वें विश्व रैंक के साथ शीर्ष 20 में प्रवेश कर गए जबकि लक्ष्य सेन दो स्थान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। विश्व में सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय ने इंडोनेशिया ओपन में अपने सेमीफाइनल सफर के बाद विश्व रैंकिंग में 9वें स्थान पर अपना नंबर बरकरार रखा।

इसके अतिरिक्त, उभरती प्रतिभा प्रियांशु राजावत ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 30 रैंकिंग हासिल की, जिससे वह शीर्ष 30 रैंकिंग में प्रवेश करने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो स्थान की छलांग लगाकर विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टूर्नामेंटों में अपनी सीमित भागीदारी के बावजूद, साइना नेहवाल भी एक स्थान की बढ़त हासिल करने में सफल रहीं, जो अब दुनिया में 31वें नंबर की प्रतिष्ठित स्थिति पर काबिज हैं।

महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने रैंकिंग में 16वां स्थान बरकरार रखा है। दूसरी ओर, अश्विनी भट और शिखा गौतम दो पायदान खिसककर 41वें स्थान पर आ गए। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी दो स्थान ऊपर चढ़कर वर्ल्ड नंबर 33 पर पहुंच गए हैं। तनीषा क्रास्टो और इशान भटनागर एक पायदान नीचे खिसक गए हैं और अब वर्ल्ड नंबर 38 हैं।

रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी ने मिश्रित युगल वर्ग में दो स्थान की बढ़त के साथ वैश्विक रैंकिंग में 33वां स्थान हासिल किया। इसके विपरीत, तनीषा क्रेस्टो और इशान भटनागर एक स्थान नीचे खिसक कर विश्व में 38वें स्थान पर पहुंच गए।

NEWS इन ब्रीफ

इजराइल ने एंडोरा को 2-1 से जीत दर्ज की

यरूशलम। इजराइल ने यहां टेडी स्टेडियम में एंडोरा के खिलाफ घर में 2-1 से जीत दर्ज की जो यूरो 2024 क्वालीफायर में उसकी दूसरी जीत है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने पहले हाफ में शायद ही कभी एंडोरा के गोल की तरफ रुख किया, लेकिन 42वें मिनट में डिफेंडर रज श्लोमो ने 25 मीटर की दूरी से एक जबरदस्त शॉट के साथ गोल किया। फुलहम विंगर मनोर सोलोमन ने 45वें और 48वें मिनट में अच्छे मौके गंवाए, इससे पहले एंडोरा के स्ट्राइकर बेटरे रोजास ने 52वें मिनट में श्लोमो की रक्षात्मक त्रुटि के बाद स्कोर बराबर कर स्टेडियम को चौंका दिया। 61वें मिनट में, सोलोमन ने अंत में पेनल्टी क्षेत्र के केंद्र में विंग से ड्रिबलिंग के बाद गेंद को नेट में पहुंचा दिया। चार मैचों के बाद, इजराइल अब ग्रुप एक में सात अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, रोमानिया से एक कम, जिसने ग्रुप लीडर स्विट्जरलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ किया। एंडोरा एक अंक के साथ सबसे नीचे है, वह बेलारूस और कोसोवो से पीछे है, जिनके तीन-तीन अंक हैं। इजराइल अब रोमानिया की यात्रा करेगा, जबकि एंडोरा का मेजबान बेलारूस और कोसोवो का सामना स्विट्जरलैंड से होगा, जिसमें तीनों मैच 9 सितंबर को होने हैं।

हांगकांग,चीन मैत्री फुटबॉल मैच में थाईलैंड से हारा

हांगकांग। घरेलू मैदान हांगकांग में खेले गए मैत्री फुटबॉल मैच में हांगकांग,चीन को थाईलैंड से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, थाईलैंड को पहले हाफ में कुछ मौके मिले, लेकिन गोलकीपर याप हंग फाई ने स्कोरलाइन के स्तर को बनाए रखते हुए कई बचाव किए। पहला हाफ गोलरहित रहा। 63वें मिनट में, थाईलैंड ने अंततः डिफेंस में छेद कर दिया, जब तेरासिल डंगडा ने पेनल्टी क्षेत्र में प्रवेश किया और एक एंगल्ड शॉट के साथ निर्णायक गोल कर दिया।

आज भारत-पाकिस्तान के बीच बड़ी टक्कर

एजेंसी। बेंगलुरू

भारत और पाकिस्तान के बीच दर्शकों को बड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों देशों के बीच सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का मुकाबला आज श्री कांतीरावा स्टेडियम पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेला जाएगा। पाकिस्तान फुटबॉल टीम को सोमवार की रात को भारतीय उच्चायोग से वीजा मिल गया। मैच बुधवार को श्री कांतीरावा स्टेडियम पर शाम 7:30 पर खेला जाना है। एआईएफएफ स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और हमें यकीन है कि यह मैच निर्धारित समय पर ही होगा।" बता दें कि मैच का आधिकारिक प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क है। इस प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण उनके टीवी चैनलों पर उपलब्ध होगा। टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग देखने के इच्छुक प्रशंसक डिज्नी + हॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर सब्सक्रिप्शन

लेकर देख सकते हैं।

पाकिस्तानी टीम मॉरीशस में एक टूर्नामेंट खेलने गई थी और उसकी रवानगी में विलंब हो गया क्योंकि पिछले सप्ताह भारतीय दूतावास बंद था और वीजा को मंजूरी नहीं मिल सकी। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने अपने देश के राष्ट्रीय खेल बोर्ड को समय पर एनओसी नहीं देने के लिये दोषी ठहराया था। वहीं खेल बोर्ड ने कहा कि महासंघ ने इस्तावेज जमा करने में विलंब किया जिसकी वजह से देर हुई।

कल से शुरू हो रहे सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए भारत को पाकिस्तान, कुवैत और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है और प्रशंसक वास्तव में कुछ रोमांचक मैच देख सकते हैं, जो सभी बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं ओर ग्रुप बी में बांग्लादेश, लेबनान, भूटान और मालदीव शामिल हैं। फाइनल 4 जुलाई को खेला जाएगा।

दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अगले महीने पाक जाएगा श्रीलंका

लाहौर। पाक 16 जुलाई से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका जाएगा। पीसीबी ने मंगलवार को ये जानकारी दी। पहला टेस्ट 16 जुलाई को गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। दूसरा टेस्ट कोलंबो में सिंघली स्पोर्ट्स क्लब में 24-28 जुलाई से के बीच खेला जाएगा। बाबर आजम की टीम 9 जुलाई को श्रीलंका पहुंचेगी और 11 जुलाई को दो दिवसीय वॉर्म-अप मैच खेलेगी। इससे पहले 2022 में श्रीलंका दौरे पर पाक ने 342 रनों के लक्ष्य को पीछा करते हुए सफलतापूर्वक चेज किया और पहला टेस्ट चार विकेट से जीत लिया। लेकिन मेजबान टीम ने दूसरे टेस्ट में 246 रन की जीत के साथ श्रृंखला को बराबर कर लिया।

वीनस विलियम्स ने जीत के साथ की शुरूआत

बर्मिंघम। अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने सोमवार को बर्मिंघम क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट में 48 वीं रैंकिंग वाली कैमिला जियोर्गी को 7-6 (5), 4-6, 7-6 (6) से शिकस्त दी। 43 वर्षीय वीनस ने लगभग चार वर्षों में शीर्ष 50 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुकाबला तीन घंटे से भी अधिक समय तक चला। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पांच बार विंबलडन का खिताब जीतने वाली विलियम्स साल के पहले सप्ताह में ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण छह महीने के लिए टेनिस कोर्ट से बाहर हो गईं थी। पिछले हफ्ते उनकी वापसी पर, वह नीदरलैंड में लिबिमा ओपन के पहले दौर में 17 वर्षीय सेलीन नेफ से हार गईं थीं। मैच जीतने के बाद विलियम्स ने कहा, ऐसे कई क्षण थे जहां मैंने सोचा, 'यह मैच खत्म हो गया है।

स्टुअर्ट ब्रॉड संन्यास लेने तक अपना सब कुछ झोंक देंगे : नासिर हुसैन

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एशेज 2023 टेस्ट के चौथे दिन अपने शानदार गेंदबाजी स्पेल के बाद तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की प्रतिबद्धता की जमकर तारीफ की। नासिर ने उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया, जो जब तक संन्यास नहीं लेते, तब तक वह अपना सब कुछ दे देंगे। ब्रॉड ने चौथे दिन के खेल के अंतिम सत्र में मार्नस लाबुशेन (13) और स्टीवन स्मिथ (6) को आउट करके चल रहे एजबेस्टन टेस्ट में मेजबान टीम का पलड़ा भारी कर दिया। जब ब्रॉड ने लाबुशेन और स्मिथ को आउट किया तब ऑस्ट्रेलिया 78 रन पर 1 विकेट की सुखद स्थिति में था। चौथे दिन के खेल के अंत में मेहमान टीम ने 3 विकेट पर 107 रन बना लिए थे, उसे 5वें दिन जीत के लिए 174 रनों की जरूरत है, जबकि सात विकेट हाथ में हैं।

हुसैन ने द डेली मेल के लिए अपने कॉलम में लिखा, वह कह सकता है कि उसने हमेशा अपना सब कुछ दिया है। जब तक कि वह अपने जूते लटका नहीं देता।

खेल की उसकी समझ, उसके अवसर की भावना, उसके खेल को कब उठाना है, और उसकी समझ। महान खिलाड़ियों को आउट करने की समझ किसी से कम नहीं है।"

आप ब्रॉड को इस बारे में ध्यान लगाते देख सकते हैं, उनकी नौवीं और संभवतः आखिरी एशेज श्रृंखला, अगर उनके पिछले आठ से अधिक नहीं है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका रिकॉर्ड वह है जिसके लिए उन्हें याद किया जाएगा। यहां तक कि 36 साल की उम्र में, वह अलग चले गए और आउटस्विंगर को सही करने पर काम किया जिसने इस चौथी पारी में लाबुशेन और स्मिथ को आउट किया।

रियल मैड्रिड ने स्पेन के स्ट्राइकर जोसेलु के साथ किया करार

एजेंसी। मैड्रिड

रियल मैड्रिड ने स्पेन के स्ट्राइकर जोस लुइस माटो 'जोसेलु' के साथ करार की घोषणा की है। रियल मैड्रिड की वेबसाइट पर कहा गया है, रियल मैड्रिड और एस्पेनयोल ने जोसेलु के लिए एक समझौता किया है। वह आगामी सत्र के लिए हमारे क्लब के लिए खेलेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में स्पेन के लिए पदार्पण करने वाले 33 वर्षीय जोसेलू क्लब में वापसी कर रहे हैं, जहां वह 2009-2012 तक बी-टीम के लिए 67 बार खेले। इसके वाद जर्मनी में हॉफिनहाइम, इंट्राचैट फ्रैंकफर्ट और हनोवर 96 जैसे क्लबों के लिए खेले। उसके बाद उनका करियर उन्हें स्पेन लौटने से पहले इंग्लैंड में स्टोक सिटी और न्यूकैसल यूनाइटेड ले गया।

अपने कार्यकाल के दौरान उन दोनों क्लबों के लिए जोसेलू ने गोल करने के अपने कौशल को साबित किया। अलावेस के साथ तीन सीजन में 36 गोल किए और पिछले सीजन में एस्पेनयोल के लिए 33 मैचों में 17 गोल किए।

रियल मैड्रिड जोसेलु को एक स्ट्राइकर के रूप में मानता है, जो कम पैसे में पेनल्टी क्षेत्र में काफी कुशल है। उनसे मार्को असेंसियो, मारियानो डियाज और करीम बेंजेमा द्वारा छोड़े गए शून्य को भरने में मदद करने की उम्मीद है।

मेक्सिको ने मुख्य कोच डिएगो कोका से नाता तोड़ा

मेक्सिको सिटी। डिएगो कोका को मेक्सिको की राष्ट्रीय टीम के मैनेजर पद से बर्खास्त कर दिया गया है। वह सिर्फ सात मैचों में टीम के प्रभारी रहे। देश के फुटबॉल महासंघ ने यह जानकारी दी है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले गुरुवार को लास वेगास में संयुक्त राज्य अमेरिका से कॉनकाकाफ नेशंस लीग के सेमीफाइनल में मिली 3-0 की हार सहित खराब नतीजों के बाद यह घोषणा की गई। यह कॉनकाकाफ गोल्ड कप की शुरूआत से एक सप्ताह से भी कम समय पहले आता है, जिसमें मेक्सिको को 25 जून को होंडुरास के खिलाफ टूर्नामेंट में पदार्पण करना है।

विशेष ओलंपिक विश्व खेल : टी विशाल ने जीता रजत पदक

एजेंसी। बर्लिन

विशेष ओलंपिक विश्व खेलों के पहले सोमवार को पावरलिफ्टिंग में टी विशाल ने इस साल के आयोजन में भारत के लिए पहला पदक जीता। पुडुचेरी के 16 वर्षीय खिलाड़ी ने पुरुषों के स्क्वाट (122.50 किग्रा), डेडलिफ्ट (155 किग्रा), बेंच प्रेस (85 किग्रा) में रजत पदक जीता और बर्लिन में विशेष ओलंपिक विश्व खेलों में भारत को पदक बोर्ड में शामिल किया। विशाल के टोन सेट करने के साथ, कई भारतीय भी पदक की दौड़ में शामिल हो गए, जिन्होंने विभिन्न खेलों में विभिन्न फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। ट्रैक पर, 800 मीटर धावक आसिफ मलानूर (लेवल बी), सोहम राजपूत (लेवल सी) और गीतांजलि नागवेकर (लेवल डी) अपने इवेंट के फाइनल में पहुंचे, जबकि लिबिन मल्लिका राजकुमार (लेवल बी) 200 मीटर में फाइनल में पहुंचे। पुरुषों की 4 गुना 400 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। पूल में, सेमीफाइनल में 11 तैराकों में से छह ने अपनी स्पधाओं के फाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में माधव मदान (25 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, लेवल ए और 25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए), दिनेश षणमुगम (50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, लेवल बी, 25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए), अब्दुल रहमान (50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, लेवल बी, 25 मीटर फ्रीस्टाइल लेवल ए) और टीनू मोंसी (25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए) ने अपने इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में प्रार्थना (25 मीटर फ्रीस्टाइल, लेवल ए), अलीना एंथोनी (50 मीटर फ्रीस्टाइल लेवल बी) के पास अपने इवेंट के फाइनल में पदक जीतने का मौका है। एंथोनी, षणमुगम और रहमान का फाइनल 20 जून को होना है।

पीसीबी अध्यक्ष पद की दौड़ से हटे नजम सेठी

लाहौर। नजम सेठी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ से हट गए हैं। 75 वर्षीय पत्रकार से क्रिकेट प्रशासक बने, जिन्होंने पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज रमीज राजा के पद छोड़ने के बाद 2022 में पीसीबी के अंतरिम अध्यक्ष का पद संभाला था, ने ट्विटर पर अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह आसिफ जरदारी और शहबाज शरीफ के बीच विवाद की जड़ नहीं बनना चाहते हैं और यह कि संघर्ष की अस्थिरता और अनिश्चितता पीसीबी के लिए खराब है उन्होंने ट्वीट किया, ह्ल सभी को सलाम। मैं आसिफ जरदारी और शहबाज शरीफ के बीच विवाद की जड़ नहीं बनना चाहता।

टूर्नामेंट हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023

अपने पहले मैच में चीन का सामना करेगा भारत

एजेंसी। चेन्नई

एशियन हॉकी फेडरेशन ने हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के आगामी संस्करण के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट की शुरूआत 3 अगस्त को कोरिया और जापान के बीच पहले मैच से होगी, इसके बाद इसी दिन दूसरे मैच में पाकिस्तान का सामना मलेशिया से होगा, जबकि दिन के तीसरे मैच में मेजबान भारतीय टीम का सामना चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चीन से होगा। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023, 3 अगस्त से शुरू होगी और 12 अगस्त तक चलेगी। टूर्नामेंट में छह टीम कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत हिस्सा ले रहे हैं। सभी टीमें एक ही पूल का हिस्सा हैं और अंक तालिका में स्थान लीग प्रणाली द्वारा तय किए जाएंगे। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में डिफेंडिंग चैंपियंस दक्षिण कोरिया है, जिसने टूर्नामेंट का 2021 संस्करण जीता था। भारतीय पुरुष

हॉकी टीम (2011, 2016 और 2018) और पाकिस्तान (2012, 2013 और 2018) दोनों ने तीन-तीन खिताब जीते हैं।

इस अवसर पर, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ.दिलीप तिर्की ने कहा, हम हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 की मेजबानी करके बहुत खुश हैं और कार्यक्रम की घोषणा करना एक ऐतिहासिक दिन है। हालांकि मैं निश्चित रूप से भारतीय पुरुष हॉकी टीम को खिताब जीतते देखना पसंद करूंगा, मुझे यकीन है कि सभी देश अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

एशियन हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मैच शेड्यूल की घोषणा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट हॉकी का एक असाधारण उत्सव होने का वादा करता है। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारा दृष्टिकोण खिलाड़ियों, प्रशंसकों और हितधारकों के लिए समान रूप से एक अविस्मरणीय अनुभव बनाना है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 की मेजबानी करना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है और हम टूर्नामेंट के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के कार्यक्रम की घोषणा टूर्नामेंट से पहले अंतिम चरण की शुरूआत का संकेत देती है। हम कुछ शानदार हॉकी देखने का और इंतजार नहीं कर सकते। तमिलनाडु हॉकी इकाई के अध्यक्ष शेखर जे मनोहरन ने कहा, हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई के लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी का भव्य स्वागत करने का मौका है। और हमें खुशी है कि टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की गई है क्योंकि यह पहले से ही उत्सुक प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाता है।